हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, बुधवार, 11 मार्च 2026, वर्ष- 09, अंक- 16, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 08

गंभीर नहीं मानते सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम का युग...

केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं

तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया।

कोविड-19 वैक्सीन के गंभीर दुष्प्रभाव के मामलों में बने नो-फॉल्ट कंपंसेशन नीति

नई दिल्ली। कोविड-19 टीकाकरण से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि कोविड-19 वैक्सीन लेने के बाद यदि किसी व्यक्ति को गंभीर प्रतिकूल दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं, तो ऐसे मामलों में राहत देने के लिए नो-फॉल्ट कंपंसेशन सिस्टम तैयार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के जरिए लागू की जानी चाहिए। कोर्ट के मुताबिक इस नीति का उद्देश्य उन लोगों को मदद देना है, जिन्हें टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का सामना करना पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने साफ किया कि इस नई नीति

में ऐसे मामलों के लिए मुआवजे का प्रावधान होना चाहिए, जहां वैक्सीन लेने के बाद गंभीर दुष्प्रभाव सामने आए हों। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए जो मौजूदा तंत्र पहले से काम कर रहा है, वह आगे भी जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस निगरानी प्रणाली से जुड़ा प्रासंगिक डेटा समय-समय पर सार्वजनिक किया जा सकता है, ताकि लोगों को सही जानकारी मिलती रहे और पारदर्शिता बनी रहे। कोर्ट ने वैज्ञानिक आकलन से जुड़े मुद्दे पर भी टिप्पणी की। रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टीकाकरण से संबंधित मामलों की जांच और मूल्यांकन के लिए पहले से ही कई वैज्ञानिक और तकनीकी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसलिए इस विषय में अलग से कोर्ट द्वारा किसी नई विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने की जरुरत नहीं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि नो-फॉल्ट कंपनसेशन फ्रेमवर्क तैयार करने का मतलब यह नहीं माना जाएगा कि केंद्र सरकार या किसी अन्य प्राधिकरण ने अपनी कोई जिम्मेदारी या गलती स्वीकार की है।

रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना के लिए 'मिलिट्री विजन डॉक्यूमेंट' रोडमैप जारी किया

भविष्य की युद्ध चुनौतियों के लिए सेना को आधुनिक, इंटीग्रेटेड और तकनीक से लैस करने पर जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को साउथ ब्लॉक में भारतीय सेना के लिए 'डिफेंस फोर्सेज विजन' रोडमैप जारी किया। यह बड़ा ब्लूप्रिंट हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने रक्षा बलों को आधुनिक, इंटीग्रेटेड और तकनीक से लैस सेना में बदलने के लिए तैयार किया है, जो 2047 तक भारत के विकसित देश बनने के सपने को पूरा करने में मदद कर सके। यह डॉक्यूमेंट भविष्य की युद्ध चुनौतियों के लिए ढलने वाली सेना बनाने के लिए इनोवेशन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और मॉडर्न ट्रेनिंग फ्रेमवर्क के महत्व पर भी जोर देता है। इस विजन डॉक्यूमेंट में सशस्त्र बलों में जरूरी सामरिक सुधारों, क्षमता बढ़ाने और संगठनात्मक बदलावों के बारे में बताया गया है, ताकि बदलते भू-रणनीतिक, तकनीकी और सुरक्षा माहौल से अच्छे से निपटा जा सके। इसमें सेना को एक इंटीग्रेटेड, मल्टी-डोमेन और फुर्तीली फोर्स में बदलने की सोची गई है, जो दुश्मनों को रोकने, हर तरह के झगड़े में जवाब देने और तेजी से बदलते ग्लोबल और रीजनल हालात के बीच बढ़ते स्ट्रेटेजिक हितों की रक्षा करने में काबिल हो। इस विजन का एक मुख्य हिस्सा सेनाओं के बीच तालमेल और तालमेल पर जोर देना है, जिससे प्लानिंग, ऑपरेशन और क्षमता विकास में ज़्यादा तालमेल को बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस विजन में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, जो देश की खास सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से स्वदेशी तकनीक और समाधान अपनाने को बढ़ावा देता है। घरेलू रक्षा विनिर्माण और प्रौद्योगिकी क्षमताओं को मजबूत करने से ऑपरेशनल तैयारी बढ़ने और देश की ग्रोथ में योगदान देने की उम्मीद है। विजन डॉक्यूमेंट में शॉर्ट-टर्म, मिड-टर्म और लॉन्ग-टर्म टाइमलाइन में साफ तौर पर प्राथमिकता वाले क्षमता लक्ष्यों के साथ एक कैलिब्रेटेड रोडमैप अपनाया गया है। यह विश्व स्तरीय डिफेंस फोर्स बनाने के लिए जरूरी सैन्य क्षमताओं, संस्थागत सुधारों और रणनीतिक साझेदारी के विकास में सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों की जटिलता को पहचानते हुए यह विजन डॉक्यूमेंट पूरे देश के नजरिए की जरूरत पर जोर देता है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा पक्की करने के लिए सैन्य ताकत को कूटनीतिक, तकनीकी और आर्थिक ताकत के साथ जोड़ा जाएगा। लगातार सुधारों, इनोवेशन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के जरिए इसका मकसद यह पक्का करना है कि भारत की आजादी की सौवीं सालगिरह तक देश की सेना दुनिया भर में सम्मानित, टेक्नोलॉजिकली एडवांस्ड और लड़ाई के लिए तैयार मिलिट्री के तौर पर खड़ी हो, जो मजबूत विकसित भारत में योगदान दे। इस मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और दूसरे वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समावेशी विकास की मजबूत नींवः राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रत्यक्ष कर देश के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक स्थिर राजस्व स्रोत के रूप में यह सरकारों को अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समानता को बढ़ावा देती है और समावेशी तथा सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करती है। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को भारतीय राजस्व सेवा (आईटी) के 79वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा का दायित्व केवल कर संग्रह तक सीमित नहीं है। जटिल वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण करने, सीमाओं के पार अवैध वित्तीय प्रवाह का पता लगाने और जटिल कॉरपोरेट संरचनाओं को समझने की क्षमता आईआरएस अधिकारियों को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में राष्ट्र का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाती है। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे अपने आचरण और निर्णयों में विवेक बरतें। एक विवेकपूर्ण अधिकारी प्रवर्तन और सुविधा, अधिकार और विनम्रता तथा तकनीकी क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद अब कांग्रेस

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी ऐसा ही प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। विपक्षी पार्टियों के दो सीनियर नेताओं ने सोमवार को इसके संकेत दिए। जानकारी के मुताबिक ओम बिरला के अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे के बाद विपक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाने पर विचार कर रहा है। अगर विपक्ष संसद में महाभियोग का नोटिस देता है, तो देश में पहली बार होगा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग आएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर कांग्रेस नेता ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि एसआईआर के विरोध में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत हुई है और सभी पार्टियां अलग-अलग राज्यों में वोटर रोल के चल रहे एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बारी-बारी से होगा। बता दें मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर की जरुरत होती है। इसके बाद ही इससे जुड़े नोटिस को विचार के लिए स्वीकार किया जाता है। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और उनके कार्यों से संबंधित 2023 के कानून के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त को उसके पद से केवल उसी प्रकार और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जैसे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाया जाता है।

राज्यसभा में एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। इस दौरान विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। राज्यसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही आवश्यक दस्तावेज और रिपोर्ट को सदन के पटल रखा गया। शून्यकाल में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कई राज्यों में चल रहे एसआईआर को लेकर सवाल उठाए। खरगे ने इस प्रक्रिया को "फ्रॉड" बताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और कई वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण देने और चर्चा कराने की मांग की। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनावी सुधारों पर पिछले सत्र में पहले ही विस्तृत चर्चा हो चुकी है। उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे मुद्दों को बार-बार उठाना उचित नहीं है। विपक्ष सदन के अंदर वास्तविक बहस नहीं चाहता और बार-बार हंगामा कर कार्यवाही बाधित करता है।

प्रधानमंत्री आज केरल, तमिलनाडु में 16 हजार करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी। नई दिल्ली

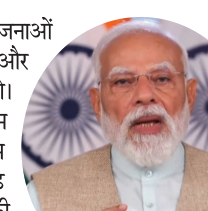

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को केरल और तमिलनाडु का दौरा करेंगे। इस दौरान वे एर्नाकुलम और तिरुचिरापल्ली में लगभग 16,450 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री 11 मार्च को दोपहर लगभग 1:30 बजे केरल के एर्नाकुलम में करीब 10,800 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। इसके बाद शाम करीब 5:45 बजे तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री एर्नाकुलम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कोच्चि रिफाइनरी में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली पॉलीप्रोपाइलीन इकाई का शिलान्यास करेंगे। 400 किलो टन प्रति वर्ष क्षमता वाली यह इकाई पैकेजिंग, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण और वस्त्र उद्योग जैसे क्षेत्रों में उपयोग होने वाली सामग्री के घरेलू उत्पादन को मजबूत करेगी। सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के थलापडी-चेंगला खंड के छह लेन परियोजना और वेंगलम से रामनट्टुकरा तक कोझिकोड बाईपास के छह लेन परियोजना का उद्घाटन करेंगे। ये दोनों परियोजनाएं क्षेत्र में यातायात सुगमता, सड़क सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री केरल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत निर्मित 23 ग्रामीण सड़कों का भी उद्घाटन करेंगे। साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित षोरणूर जंक्शन, कुट्टिप्पुरम और चंगनाशेरी रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा षोरणूर-निलांबुर रेलवे लाइन विद्युतीकरण परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री पलक्कड़-पोल्लाच्चि के बीच नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे, जिससे केरल और तमिलनाडु के बीच रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इस सेवा से दोनों राज्यों के बीच रोज़ाना आने-जाने वाले यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और टूरिस्ट को फ़ायदा होगा। प्रधानमंत्री केरल के कोल्लम जिले के वेस्ट कल्लाडा में 50 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे, जो स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगी।

हावड़ा में बेलूर मठ पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त...बिना किसी दबाव या हिंसा के सफलतापूर्वक चुनाव होगा

हावड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विधानसभा चुनाव की समीक्षा करने के लिए इनदिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को सीईसी कुमार बेलूर मठ पहुंचे। हावड़ा में उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बिना किसी दबाव या हिंसा के सफलतापूर्वक चुनाव कराएगा। उन्होंने कहा कि पूज्यनीय रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जी की तपोभूमि बेलूर मठ आकर चुनाव आयोग फिर बंगाल के सभी मतदाताओं को बताना चाहता है कि बंगाल के चुनाव बिना किसी दबाव या हिंसा के कराने के लिए कटिबद्ध है। इसके पहले ज्ञानेश कुमार के दक्षिणेश्वर काली मंदिर के दौरे से पहले तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता काले झंडे लेकर मंदिर के द्वार पर जमा हुए थे। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने दक्षिणेश्वर में प्रार्थना की और प्रदेश में चुनाव निष्पक्ष और सफलतापूर्वक करने के लिए देवी का आशीर्वाद मांगा। बता दें कि एक दिन पहले 9 मार्च को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आगामी बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव तैयारियों की विस्तृत और व्यापक समीक्षा की थी।

मजदूर जीवन की त्रासदीः एक बाइक पर चार युवाओं की तेज रफ्तार कार से भिड़ंत में दुःखद मौत

कटनी/बड़वारा। मजदूर जीवन की मजबूरियों और यातायात नियमों की अनदेखी का दर्दनाक परिणाम सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर देखने को मिला। जगतपुर-उमरिया के समीप चपहनी मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई भीषण टक्कर में बाइक सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुई। मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक कटनी से उमरिया की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जगतपुर-उमरिया गांव के पास चपहनी मोड़ पर पहुंची, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार (क्रमांक एमपी-13-सीसी-4342) से उसकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए

और घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई । मध्यरात्रि के सन्नाटे में हुई इस दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए लंबा जाम लग गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही बड़वारा थाना पुलिस और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बाइक सवार चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

जंग का भारत पर असरः गैस किल्लत रोकने के लिए सरकार ने संभाली कमान लगा दिया एस्मा

रिफाइनिंग क्षमता का पूरा उपयोग रसोई गैस बनाने के दिए निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार के साथ-साथ भारत की घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था को भी हिलाकर रख दिया है। सरकार ने एस्मा लागू करते हुए सभी तेल रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे एलपीजी के उत्पादन को अधिकतम स्तर पर ले जाएं। इसके साथ ही, अन्य हाइड्रोकार्बन स्रोतों को भी एलपीजी पूल की ओर मोड़ने के आदेश दिए गए हैं ताकि रिफाइनिंग क्षमता का पूरा उपयोग रसोई गैस बनाने में हो सके। एस्मा कानून लागू होने के बाद अब इन इकाइयों के लिए उत्पादन और आपूर्ति के मानकों का पालन करना अनिवार्य हो गया है, जिससे

किसी भी प्रकार की हड़ताल या कार्य में बाधा डालने वाली गतिविधियों पर रोक लग जाएगी। गैस वितरण की प्राथमिकता तय करते हुए सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहली प्राथमिकता घरों में पाइप से पहुंचने वाली प्राकृतिक गैस और वाहनों के लिए इस्तेमाल होने वाली सीएनजी को दी जाएगी। इन दोनों क्षेत्रों को 100 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। दूसरी प्राथमिकता उर्वरक (फर्टिलाइजर) संयंत्रों को दी गई है, जिन्हें उनके पिछले छह महीनों की औसत जरूरत का कम से कम 70 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार की इस मुस्तैदी का उद्देश्य आम नागरिकों के जीवन को युद्ध के दुष्प्रभावों से बचाना और देश की खाद्य सुरक्षा को सुरक्षित रखना है। बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से भारत में पेट्रोलियम और गैस उत्पादों की किल्लत की आशंका गहरा गई है। इस आपातकालीन स्थिति से निपटने और रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (एस्मा) और आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधान लागू कर दिए हैं।

कैबिनेट : जल जीवन मिशन को मिला विस्तार, सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिलेगा नल कनेक्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) की अवधि को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। जेजेएम 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अतिरिक्त आवंटन और पुनर्गठित कार्यान्वयन शामिल है। जल जीवन मिशन 2.0 के तहत दिसंबर 2028 तक देशभर के सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। जेजेएम का पुनर्गठन और पुनर्रचना बुनियादी ढांचे के निर्माण से हटकर सेवा वितरण पर केंद्रित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय

मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्रिमंडल ने योजना खर्च को बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है। केंद्रीय सहायता 3.59 लाख करोड़ रहेगी। यह 2019-20 में स्वीकृत 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मंत्री के अनुसार योजना का क्रियान्वयन ऐसे होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप के माध्यम से पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा एक समान राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा 'सुजलम भारत' बनाया गया है। यह स्रोत से नल तक संपूर्ण पेयजल आपूर्ति प्रणाली का डिजिटल मानचित्रण करेगा।

उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 4-लेन कॉरिडोर को मंजूरी। केन्द्र सरकार ने उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले 3,839 करोड़ रुपये के 4-लेन कॉरिडोर को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बदनवार-पेटलावाड़-थंदला-तिमारवानी खंड (एनएच-752डी) के 4-लेन निर्माण को हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर तैयार किया जाएगा।

नेपाल में आरएसपी अध्यक्ष बालेंद्र शाह को पीएम मोदी ने जीत की दी बधाई

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेताओं रबी लामिछाने और बालेंद्र शाह से फोन पर बात की और उन्हें चुनाव में जीत की बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि, प्रगति और खुशहाली के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। पीएम मोदी ने

कहा कि उन्हें विश्वास है कि संयुक्त प्रयासों से भारत-नेपाल संबंध आने वाले सालों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि रबी लामिछाने और बालेंद्र शाह के साथ फोन पर सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं को उनकी चुनावी जीत और नेपाल चुनाव में आरएसपी की शानदार सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी आगामी नई सरकार के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं और दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि, प्रगति एवं कल्याण के लिए उनके साथ काम करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कुल 275 सीट हैं।

अपने पूरे परिवार के साथ पीएम मोदी से मिली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनका परिवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचा। इस दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। यह मुलाकात शिष्टाचार की रूप में देखी जा रही है, लेकिन मरुधार के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चाएँ शुरू हो गई हैं। मुलाकात के दौरान विशेष ध्यान विनायक प्रताप सिंह पर गया, जो अपनी दादी की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की संभावनाओं के कारण चर्चा में हैं। विनायक ने 2023 में पहली बार मतदान किया था और कुछ चुनावी कार्यक्रमों में भी दिखाई दिए थे। उनकी फिटनेस के प्रति सजगता और यूट्यूब चैनल पर फिटनेस वीडियो साझा करने के कारण युवा वर्ग में उनकी लोकप्रियता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और विनायक के बीच मुलाकात में खास बातचीत देखी गई, जिससे यह अटकलें लग रही हैं कि विनायक राजनीति में जल्द ही कदम रख सकते हैं। वर्तमान में वह दिल्ली से कानून की पढ़ाई कर रहे हैं और जिमिंग व ओपन एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान देते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विनायक की पृष्ठभूमि और युवा छवि उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विधायक सतीश कुमार के निधन पर मुख्यमंत्री ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अस्थावां एवं सूर्यगढ़ा के पूर्व विधायक सतीश कुमार के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि सतीश कुमार जी एक कुशल राजनेता एवं समाजसेवी थे। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

वशिष्ठ नारायण सिंह के आवास पहुंचे निशांत कुमार

पटना।जदयू के दिग्गज नेता वशिष्ठ नारायण सिंह के पटना स्थित आवास पर मंगलवार को निशांत कुमार ने मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में चचार्एं तेज हैं, जबकि निशांत ने इसे एक आत्मीय और शिष्टाचार भेंट बताया है। निशांत कुमार मंगलवार की दोपहर जेडीयू के वरिष्ठ और सम्मानित नेता वशिष्ठ नारायण सिंह से मिलने उनके सरकारी आवास पहुंचे। वे अपनी सफेद रंग की टोयोटा इनोवा कार से वहां पहुंचे थे, जहां पहले से ही भारी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे। जैसे ही उनकी गाड़ी आवास के बाहर निकली, पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया और इस मुलाकात के उद्देश्यों को लेकर सवाल किए। मुलाकात के बाद जब मीडिया ने निशांत कुमार से उनकी संभावित 'बिहार यात्रा' के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने बेहद सधे हुए अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "जल्द ही इस बारे में आप सभी को जानकारी दी जाएगी।" उनके इस संक्षिप्त लेकिन अर्थपूर्ण जवाब ने राजनीतिक पंडितों के बीच इस बात की उत्सुकता बढ़ा दी है कि क्या वे भविष्य में राज्यव्यापी दौरे की योजना बना रहे हैं। निशांत कुमार ने इस बातचीत के दौरान स्पष्ट किया कि वशिष्ठ नारायण सिंह के साथ उनके पुराने और आत्मीय संबंध हैं। उन्होंने कहा कि वे समय-समय पर उनका हालचाल जानने और आशीर्वाद लेने आते रहते हैं। हालांकि मीडिया द्वारा राजनीतिक चचार्ओं पर जोर देने के बावजूद, निशांत ने इसे पूरी तरह से एक व्यक्तिगत और शिष्टाचार मुलाकात ही करार दिया। भले ही इस मुलाकात को निजी बताया जा रहा हो, लेकिन वशिष्ठ नारायण सिंह जैसे कद के नेता के साथ निशांत की इस भेंट को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आवास से निकलते वक्त उनके चेहरे पर सहज मुस्कान थी और उन्होंने मीडिया का अभिवादन स्वीकार किया। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि निशांत कुमार अपनी 'बिहार यात्रा' की घोषणा कब और किस रूप में करते हैं।

फसल विविधीकरण के माध्यम से उत्पादन वृद्धि विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पटना।भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 मार्च 2026 को पश्चिमी चंपारण जिले के माधोपुर में फसल विविधीकरण के माध्यम से उत्पादन वृद्धि एवं सतत् कृषि विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 से अधिक किसानों ने भाग लिया।इस परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं फसल अनुसंधान प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए फसल विविधीकरण के महत्व तथा इसके विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसे पारंपरिक कृषि प्रणाली में शामिल करने के लाभों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से समेकित कृषि प्रणाली द्वारा उत्पादकता एवं आय में होने वाली वृद्धि को भी स्पष्ट किया।संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक कुमार ने किसानों को जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में फसल विविधीकरण एवं कृषिवानिकी की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. सौरभ दुबे ने फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में बताया। केंद्र के विशेषज्ञ डॉ. हर्षा बी. आर. ने फसल उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।विदित हो कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा आयोजित यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 मार्च तक चलेगा। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा भी विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए जाएंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. जगपाल, डॉ. चेलपुरी रामुलु सहित अन्य कर्मचारीगण का भी उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

समृद्धि यात्रा का तृतीय चरण कोशी-सीमांचल के समग्र विकास को देगी नई रफ्तार : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का तृतीय चरण कोशी-सीमांचल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई दिशा प्रदान करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। यह यात्रा क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखने के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को भी नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि 10 से 14 मार्च के बीच मुख्यमंत्री कोशी-सीमांचल समेत 10 जिलों का दौरा करेंगे तथा विभिन्न विकास योजनाओं का जमीनी अवलोकन करेंगे। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विकासात्मक परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन भी किया जाएगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उद्योग सहित सभी क्षेत्रों के आधारभूत ढाँचे के विकास को नई दिशा मिलेगी। श्री कुशवाहा ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व में बीते दो दशकों के दौरान बिहार ने विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। उनकी दूरदर्शी सोच और सशक्त विजन का ही परिणाम है कि कभी बीमारू राज्यों की श्रेणी में गिना जाने वाला बिहार आज विकास के नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। 14 करोड़ बिहारियों को अपना परिवार मानते हुए मुख्यमंत्री हर वर्ग की तरक्की, उन्नति और खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा आने वाले दिनों में बिहार को देश के शीर्ष 10 विकसित राज्यों में शामिल करने के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा राज्य के समग्र विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। साथ ही यह भावी पीढ़ियों के लिए स्वर्णिम बिहार के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी।

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान सुपौल जिले को दी 570 करोड़ रुपये की सौगात, 213 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

नई सोच एक्सप्रेस

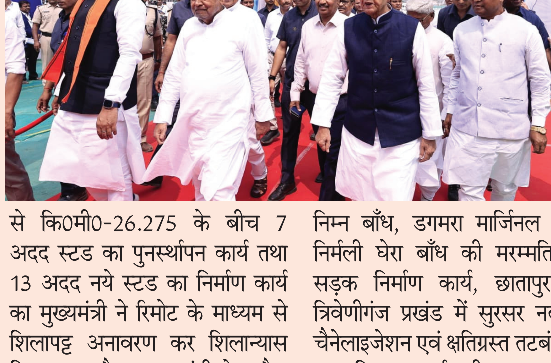

» मुख्यमंत्री ने जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिये तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के क्रम में सुपौल जिले के निर्मली स्थित निर्मली रिंग बांध (सिपाही चौक) के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने 1721.97 लाख रुपये की लागत से पश्चिमी तटबंध प्रमंडल निर्मली, सुपौल अन्तर्गत सिकरहट्टा-मझारी निम्न बांध, डगमरा मार्जिनल बांध, निर्मली घेरा बांध की मरम्मति एवं सड़क निर्माण कार्य तथा 591.92 लाख रुपये की लागत से छातापुर एवं त्रिवेणीगंज प्रखंड में सूरसर नदी के निरंतर प्रवाह हेतु अवरोध हटाने का कार्य का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। विश्व बैंक सम्पोषित बिहार जल सुरक्षा एवं सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना के अन्तर्गत विस्तारित सिकरहट्टा-मझारी निम्न बाँध (कुल लंबाई-31.985 कि०मी०) का उच्चीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं बिटुमिनस सड़क निर्माण कार्य के साथ कि0मी0-14.00 से कि0मी0-26.275 के बीच 7 अदद स्टड का पुनर्स्थापन कार्य तथा 13 अदद नये स्टड का निर्माण कार्य का मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सुपौल जिला अंतर्गत प्रगति यात्रा से संबंधित योजनाओं की प्रगति के संबंध में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन कर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इनमें पश्चिमी तटबंध प्रमंडल निर्मली, सुपौल अन्तर्गत सिकरहट्टा-मझारी निम्न बाँध, डगमरा मार्जिनल बाँध, निर्मली घेरा बाँध की मरम्मति एवं सड़क निर्माण कार्य, छातापुर एवं त्रिवेणीगंज प्रखंड में सुरसर नदी के चैनेलाइजेशन एवं क्षतिग्रस्त तटबंध की मरम्मति का कार्य, वीरपुर अनुमंडल मुख्यालय में निबंधन कार्यालय की स्थापना, सुपौल स्टेडियम के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्गीकरण का कार्य, बाबा तिल्हेश्वरनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्गीकरण तथा तिल्हेश्वरनाथ मंदिर से सुखपुर बाजार तक सड़क का चौड़ीकरण, सिमराही बाजार में एन0एच0-27 के जंक्शन प्वाईंट पर फ्लाईओवर का निर्माण, त्रिवेणीगंज बाजार के बाईपास का निर्माण, पिपरा बजार के बाईपास का निर्माण, सुपौल में नये बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्मली रिंग बांध का जीर्णोद्धार अच्छे ढंग से करा दिया गया है। इस काम को पूर्ण हो जाने से निर्मली शहर सुरक्षित हो गया है। निर्मली शहर प्रतिवर्ष बरसात के मौसम में जलमग्न हो जाता था। रिंग बांध का जीर्णोद्धार हो जाने से अब स्थानीय लोगों को इस समस्या से निजात मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यहां निर्माणाधीन विकास कार्यों को ठीक ढंग से निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण कराएं। मुख्यमंत्री ने निर्मली अनुमंडल कार्यालय के मैदान में कुल 570 करोड़ रुपये की लागत से 213 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 135 करोड़ रुपये की लागत से 129 योजनाओं का उद्घाटन तथा 335 करोड़ रुपये की लागत से 84 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर निर्मली अनुमंडल कार्यालय मैदान में जीविका दीदियों एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार, सामाजिक सुरक्षा (संशोधित) योजना 2024 के तहत 50 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, कुशल युवा कार्यक्रम, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल की चाबी, बिहार लघु उद्यमी योजना (वर्ष 2024-25) के अंतर्गत 705 लाभुकों को प्रथम किस्त के तहत 3 करोड़ 52 लाख 50 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, सिलाई सह प्रशिक्षण केंद्र, प्रतापगंज की चाबी, 16058 जीविका स्वयं सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के माध्यम से 186 करोड़ 58 लाख 21 हजार 311 रुपये का सांकेतिक चेक लाभुकों को प्रदान किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, विधायक श्री अनिरुद्ध प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, कोशी प्रमंडल के आयुक्त श्री राजेश कुमार, कोशी प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री कुमार आशीष, जिलाधिकारी श्री सावन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री सरथ आर०एस० सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल और झारखंड के 5 जिलों को शामिल करने वाली दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को स्वीकृति दी

नई सोच एक्सप्रेस

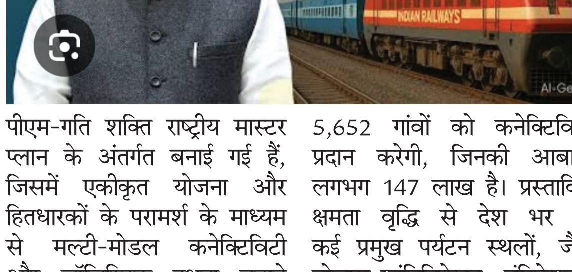

» इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 192 किलोमीटर की वृद्धि होगी
» परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 4,474 करोड़ रुपये है और ये वर्ष 2030-31 तक पूरी हो जाएंगी

पटना।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने आज रेल मंत्रालय की लगभग 4,474 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। जिसमें सैंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन एवं संतरागाछी-खड़गपुर चौथी लाइन बढ़ी हुई रेल लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने में सहायता मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं के निर्बाध आवागमन के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। पश्चिम बंगाल और झारखंड राज्यों के 5 जिलों को शामिल करने वाली 2 परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 192 किलोमीटर तक बढ़ाएंगी। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 5,652 गांवों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिनकी आबादी लगभग 147 लाख है। प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों, जैसे बोलपुर-शांतिनिकेतन, नंदिकेश्वरी मंदिर (शक्तिपीठ), तारापीठ (शक्तिपीठ), पटाचित्र ग्राम, धडिका वन, भीमबंध वन्यजीव अभ्यारण्य, रामेश्वर कुंड आदि के लिए रेल संपर्क में सुधार होगा। स्वीकृत परियोजनाएं कोयला, पत्थर, डोलोमाइट, सीमेंट, स्लैग, जिप्सम, लोहा और इस्पात, खाद्यान्न, पीओएल, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 31 मिलियन टन माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम होने के नाते, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में सहायता करेगा, तेल आयात (6 करोड़ लीटर) को कम करेगा और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (28 करोड़ किलोग्राम) को कम करेगा, जो 1 करोड़ पौधारोपण के बराबर है।

देश के विकास में बिहार की अहम भूमिका: प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने सोमवार को सपरिवार दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान स्थित महादेव के मंदिर में रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख,शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हम सभी राजनीतिज्ञ यही अपेक्षा रखते हैं कि विकसित बिहार का सपना पूरा हो और देश के तरक्की में बिहार का भी योगदान बढ़े। हम बिहार के लोग काफी मेहनती होते हैं और देश के विकास में हमारी अहम भूमिका भी है। सभी माननीय मंत्रीगण और माननीय सदस्यगण बिहार के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील भी हैं। वही पूजा-पाठ के द्वारा भी दैवीय-शक्ति से आशीर्वाद प्राप्त कर हम विकसित बिहार के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहे हैं। जहां एक ओर केंद्र में लगातार 11 वर्षों से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार विकास के कार्य और जनकल्याणकारी योजनाएं चलाकर जनता का भला कर रही है, जिसका फायदा बिहार को भी मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर बिहार के विकास पुरुष नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार 20 वर्षों से बिहार का हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। यह मुख्यमंत्री के प्रयासों की ही देन है कि आज हम देश के किसी भी कोने में खुद को गर्व से बिहारी कह सकते हैं और हमारे बिहार की बेटियां भी हर क्षेत्र में ऊंची उड़ान भर रही हैं। महादेव हम सबकी कामना पूर्ण करेंगे,यह मुझे पूर्ण विश्वास है।

भाजपा ने नीतीश कुमार को 'डिजिटल अरेस्ट' कर लिया है - राजेश राम

नई सोच एक्सप्रेस

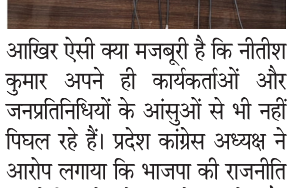

» बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने साधा निशाना

पटना।प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के साथ हाल के घटनाक्रम से कांग्रेस को कोई आश्चर्य नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यह घटना होना ही था, क्योंकि मौजूदा सरकार वोट चोरी की बदौलत बनी थी और भारतीय जनता पार्टी लगातार पर्दे के पीछे से नीतीश कुमार को हटाने की साजिश रच रही थी। राजेश राम ने कहा कि भाजपा ने अब नीतीश कुमार को "डिजिटल अरेस्ट" कर लिया है। जो नीतीश कुमार हमेशा समाजवादी विचारधारा की लड़ाई लड़ते रहे, आज वही उस लड़ाई को भाजपा के हवाले कर चुके हैं और आरएसएस के एजेंडे पर समझौता कर लिया है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि नीतीश कुमार अपने ही कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के आंसुओं से भी नहीं पिघल रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति सहयोगी दलों को कमजोर करने और खत्म करने की रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा ने शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे को साथ रखकर बाद में मूल शिवसेना को कमजोर किया, उसी तरह अकाली दल को भी कमजोर किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एनसीपी के नेता शरद पवार की पार्टी को तोड़ने का काम किया और बीजू जनता दल के नेता नवीन पटनायक के साथ ही कई क्षेत्रीय दल को धीरे-धीरे समाप्त करने की रणनीति अपनाई। राजेश राम ने कहा कि भाजपा का इतिहास रहा है कि वह अपने सहयोगियों को पहले साथ लेकर चलती है और बाद में उन्हें खत्म कर देती है। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा और जनता दल (यू) का गठबंधन पूरी तरह से बेमेल गठबंधन है, जो जनता के हितों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यही रणनीति अब अन्य सहयोगी दलों के साथ भी अपनाई जा रही है और आने वाले समय में इसका अगला निशाना आंध्र प्रदेश के नेता चंद्रबाबू नायडू होंगे। संवाददाता सम्मेलन में मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़ , पंकज यादव, वैद्यनाथ शर्मा, कमल कमलेश, नदीम अख्तर अंसारी मौजूद थे।

बिहार विधान परिषद में साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

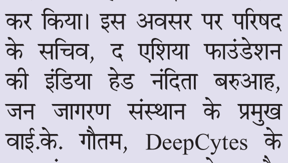

पटना।डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव को देखते हुए बिहार विधान परिषद, पटना में मंगलवार को "साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जागरूकता कार्यशाला" का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य परिषद के सदस्यों को डिजिटल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और नई तकनीकों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन द एशिया फाउंडेशन के सहयोग से किया गया, जबकि इसके आयोजन में जन जागरण संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही और तकनीकी सहयोग DeepCytes द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर परिषद के सचिव, द एशिया फाउंडेशन की इंडिया हेड नंदिता बरुआह, जन जागरण संस्थान के प्रमुख वाई.के. गौतम, DeepCytes के सह-संस्थापक शुभम पारेख और विशिष्ट अतिथि डॉ. मनीष प्रसाद मौजूद रहे। कार्यक्रम में विधान परिषद के उपसभापति प्रो. (डॉ.) रामबचन राय, विधान पार्षद संजीव कुमार सहित कई सदस्यों ने भाग लिया और डिजिटल सुरक्षा व नई तकनीकों के सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव पर अपने विचार रखे। इस दौरान परिषद एवं विधानसभा के सदस्यों के लिए तैयार साइबर सुरक्षा मैनुअल का भी लोकार्पण किया गया। कार्यशाला में तकनीकी विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति दी। लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से रियल-टाइम साइबर रिस्क असेसमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक, फिशिंग तथा ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग साइबर हमलों के प्रमुख लक्ष्य होते हैं, इसलिए डिजिटल सुरक्षा की समझ उनके लिए बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान बिहार के युवाओं के लिए साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी प्रभावी नीतियां विकसित करने पर भी चर्चा हुई। अंत में जन शिक्षण संस्थान के आदित्य गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 मार्च 2026 को भी जारी रहेगा।

बिहार में दलहन उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर,में मंगलवार को बिहार में दलहन उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियां विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को बामेती, पटना द्वारा प्रायोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों तथा प्रसार कर्मियों के ज्ञान एवं कौशल का विकास करना है, ताकि बिहार में दलहन उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाया जा सके। साथ ही कार्यक्रम में वैज्ञानिक फसल प्रबंधन पद्धतियों तथा दलहन की टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार के पाँच जिलों—पटना, औरंगाबाद, नालंदा, भोजपुर तथा गया जी से प्रसार कर्मी एवं किसान भाग ले रहे हैं। कुल 20 प्रतिभागियों में 04 सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक, 01 प्रखंड प्रौद्योगिकी प्रबंधक, 06 किसान सलाहकार तथा 09 प्रगतिशील किसान शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरूआत प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. अरविंद कुमार चौधरी के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार सिंह, निदेशक (अनुसंधान), बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए राज्य में दलहन उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रसार कर्मियों एवं किसानों के ज्ञान और कौशल को सुदृढ़ करना उन्नत दलहन उत्पादन तकनीकों के प्रसार के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद प्रतिभागियों का संक्षिप्त परिचय हुआ, जिससे आपसी संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान हुआ। डॉ. अनिल कुमार सिंह, निदेशक (अनुसंधान), बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर ने कहा कि बिहार में वर्तमान में लगभग 04 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में दलहन की खेती की जा रही है तथा गन्ना सहित अन्य फसलों के साथ अंतरफसली खेती के माध्यम से इसके उत्पादन में वृद्धि की पर्याप्त संभावनाएँ हैं। उन्होंने दलहन फसलों में मूल्य संवर्धन के महत्व पर भी बल दिया तथा किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए कृषि उद्यमिता को अपनाने की सलाह दी।इस अवसर पर डॉ. आशुतोष उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने कहा कि दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने से न केवल उत्पादकता बढ़ेगी बल्कि किसानों की आत्मनिर्भरता भी मजबूत होगी। उन्होंने दलहन उत्पादकता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों जैसे कीट प्रबंधन, जल प्रबंधन, गुणवत्तायुक्त बीजों का उपयोग, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग तथा उचित फसल प्रबंधन पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने पोषण प्रबंधन, विपणन व्यवस्था तथा वैज्ञानिक जानकारी की उपलब्धता के महत्व को भी रेखांकित किया।डॉ. उज्ज्वल कुमार, प्रभागाध्यक्ष, सामाजिक-आर्थिक एवं प्रसार ने अपने संबोधन में कहा कि दलहन का सेवन छिलके सहित करना चाहिए, क्योंकि यह पोषण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने धानझ्रगेहूँ आधारित प्रमुख फसल प्रणाली में दलहन को शामिल करने तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने किसान सहभागिता आधारित बीज उत्पादन, कीट प्रबंधन, पोषक तत्व प्रबंधन तथा मल्चिंग जैसी तकनीकों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

माटी कला बोर्ड के गठन संबंधी सुझाव हेतु विधानसभा अध्यक्ष का आभार जताया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।विधान सभा के सत्र के दौरान अध्यक्ष द्वारा माटी कला बोर्ड के गठन हेतु सरकार को सुझाव दिए जाने पर उत्साहित प्रजापति (कुम्हार) समाज का प्रतिनिधि मंडल आज डॉ. प्रेम कुमार से मिला और आभार व्यक्त किया। बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य शीला प्रजापति के नेतृत्व प्रतिनिधि मंडल में शामिल वरिष्ठ समाज सेवी सुरेन्द्र प्रजापति, मनीष कुमार, गंगासागर, राजलाल पंडित, डॉ.कमलेश, संतोष प्रजापति, माया देवी एवं सुभाष पंडित आदि प्रमुख लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष का आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रजापति (कुम्हार) समाज की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई, जिससे पारंपरिक माटी कला से जुड़े कर्मकारों और शिल्पियों का कल्याण होगा और उनका सर्वांगीण विकास होगा।

संक्षिप्त समाचार

केवाईपी बचाओ आंदोलन की चेतावनी : 48 घंटे में समाधान नहीं तो होगा बड़ा आंदोलन

पटना। बिहार में संचालित कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) के तहत कार्यरत केंद्र संचालकों ने अब अपनी समस्याओं को लेकर केवाईपी बचाओ आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। संचालकों का कहना है कि यदि 48 घंटे के भीतर लंबित भुगतान और अन्य समस्याओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो इसके बाद होने वाले आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों और प्रशासन की होगी। केंद्र संचालकों के संगठन केवाईपी वेल्फेयर सोसायटी ने कहा है कि उनका उद्देश्य योजना को बाधित करना नहीं बल्कि केवाईपी योजना को बचाना और व्यवस्था को सुधारना है। इसी उद्देश्य से राज्यभर के संचालकों द्वारा विरोध मार्च और आंदोलन की तैयारी की जा रही है। संचालकों का आरोप है कि राज्य के लगभग 1800 केवाईपी केंद्रों का भुगतान पिछले चार महीनों से लंबित है। भुगतान नहीं मिलने के कारण कई केंद्रों पर कर्मचारियों का वेतन, किराया, बिजली बिल और अन्य संचालन खर्च का प्रबंधन करना मुश्किल हो गया है। इस बीच युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग का एक पत्र भी सामने आया है, जिसमें स्वीकार किया गया है कि केवाईपी एवं अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लंबे समय से भुगतान नहीं होने की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे बिहार कौशल विकास मिशन की छवि प्रभावित हो रही है। पत्र में लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए थे, हालांकि संचालकों का कहना है कि अब तक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। केंद्र संचालकों ने बताया कि 23 फरवरी 2026 को 20 सूत्री मांगों का ज्ञापन विभागीय सचिव को सौंपा गया था, लेकिन अब तक उस पर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसी कारण अब संचालकों ने आंदोलन का रास्ता अपनाने का निर्णय लिया है। संचालकों ने स्पष्ट कहा है कि यदि 48 घंटे के भीतर विभाग की ओर से कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया, तो राज्यभर में केवाईपी बचाओ आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों और प्रशासन की होगी।

हिंदुत्व के लिए हिंदुस्तान में संघर्ष कर रहे हैं हिंदू==स्वामी स्वदेआनंद जी महाराज

पटना। अंतरराष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी स्वदेशआनंद जी महाराज ने कहां है कि हिंदुओं के देश हिंदुस्तान में भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए हिंदुओं को संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हिंदुस्तान में हिंदू राष्ट्र का परचम लहराएगा और सनातन की ध्वजा पताका हर घर में जलवा दिखायेगा। स्वामी स्वदेशआनंद जी महाराज संत बौद्धिक मंच के प्रथम जूम मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संगठन के संघर्ष को और धारीदार बनाने और संगठन को सशक्त बनाने के लिए मंच के सभी प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय पदाधिकारीयों पूरे ताकत के साथ गतिशील और सक्रिय रहना होगा। संगठन के बिहार प्रदेश के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा कि संगठन में पद ले कर बैठने वाले राष्ट्रीय और प्रादेशिक पदाधिकारी को तत्काल संगठन में निकाला जाना चाहिए। इस जो मीटिंग में संत बौद्धिक मंच के राष्ट्रीय महासचिव एवं पीठाधीश्वर सह वरीय पत्रकार स्वामी श्यामानंद जी महाराज ने संगठन को सशक्त बनाने के लिए कई टिप्स दिए। इस जूम बैठक में महाराष्ट्र, बिहार ,उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, पंजाब , हरियाणा, बंगाल, असम इत्यादि राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय पदाधिकारी ने भाग लिया।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

पटना। मुख्यालय, हाजीपुर में 05 रेलकर्मियों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

दिगम्बर जैन संतों ने निमार्णाधीन फिल्म तीर्थंकर के लिए दिया प्रेरक आध्यात्मिक संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के फिल्म निर्देशक राजेन्द्र जैन के निमार्णाधीन फिल्म तीर्थंकर को दिगम्बर जैन संतों ने प्रेरक आध्यात्मिक संदेश दिया है। जैन संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी महाराज, जो लगभग 2000 किलोमीटर की ऐतिहासिक पदयात्रा करते हुए पार्श्वनाथ जाने के मार्ग में पटना पधारे थे, को पटना के फिल्म निर्देशक राजेन्द्र जैन के निमार्णाधीन फिल्म तीर्थंकर के बारे में जानकारी दी गई। जैन समाज के एम.पी. जैन द्वारा फिल्म की जानकारी दिए जाने पर आचार्य वसुनन्दी जी महाराज ने कहा कि तीर्थंकर अपनी आत्मा का कल्याण करते हुए समस्त जीवों के कल्याण के लिए धर्म का प्रवर्तन करते हैं, इसलिए वे तीर्थंकर कहलाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्में समाज में धर्म, संयम और आध्यात्मिक चेतना का संदेश फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और इसे देखने से जन-जन का कल्याण होगा। इसी क्रम में सुप्रसिद्ध दिगम्बर जैन संत आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज ने अपना प्रेरक आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक पटना के राजेन्द्र जैन तथा राजस्थान के पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने आचार्य श्री के सान्निध्य में फिल्म का पोस्टर विमोचन किया और उनका विशेष संदेश रिकॉर्ड किया। आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीर्थंकर वे महान आत्माएं हैं जो संसार-सागर से पार उतरने का मार्ग प्रशस्त करती हैं। प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से लेकर 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर तक सभी ने आत्मा की शुद्धि को ही परम सुख का वास्तविक स्रोत बताया है। दिगम्बर जैन परंपरा के अनुसार तीर्थंकर केवल धर्मोपदेशक ही नहीं, बल्कि सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान और सम्यक् चारित्र की त्रिवेणी के दिव्य प्रकाशक हैं। फिल्म में आचार्य प्रसन्न सागर की तपस्वी मुद्रा के विशेष दृश्य भी शामिल किए जाएंगे, जो साधना, संयम और त्याग की प्रेरणा देंगे। अपने संदेश के अंत में आचार्य श्री ने कहा कि तीर्थंकरों की वंदना केवल प्रतिमाओं तक सीमित न रहकर आत्म-अनुशासन, संयम और तप के मार्ग पर चलने की प्रेरणा बननी चाहिए। फिल्म ह्लतीर्थंकरह्व में विभिन्न दिगम्बर एवं श्वेतांबर परंपरा के आचार्यों, मुनियों और आर्यिकाओं के जैनत्व विषयक संदेश भी शामिल किए जा रहे हैं। वर्तमान समय में जिन संतों का आध्यात्मिक मार्गदर्शन समाज को प्राप्त हो रहा है, उनमें प्रमुख रूप से दिगम्बर परंपरा से आचार्य समय सागर, आचार्य विशुद्ध सागर, आचार्य वर्धमान सागर, आचार्य भद्रबाहु सागर, उपाध्याय अभय सागर, मुनि महा सागर, आचार्य कुंथु सागर, आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी, गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माता जी एवं आर्यिका चंदना मति माता जी सहित अन्य संतों के संदेश शामिल किए जा रहे हैं। वहीं श्वेतांबर परंपरा से आचार्य जिन मणिप्रभसागर सुरीश्वर, उपाध्याय चंद्रप्रभ सागर, आचार्य पियूषसागर सुरीश्वर, आचार्य अजय सागर, आचार्य सम्यक रत्न सागर, साध्वी अर्हम निधि जी तथा चंद्रमाती माता जी के आध्यात्मिक संदेश भी फिल्म में समाहित किए जा रहे हैं। इन सभी आचार्यों, मुनियों और साध्वियों के मार्गदर्शन में देशभर में अनेक जैन तीर्थ क्षेत्रों का विकास हुआ है तथा वे अहिंसा, संयम और आत्मकल्याण की भावना का निरंतर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। फिल्म तीर्थंकर का उद्देश्य जैन दर्शन की मूल भावना, तीर्थंकरों के आदर्श जीवन और आत्मोन्नति के मार्ग को जन-जन तक पहुँचाना है। यह फिल्म आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक पहल मानी जा रही है।

कन्या भूर्ण हत्या सभ्य समाज के लिए कलंक का टीका - राखी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पखबाड़ा के अंतर्गत विश्व युवक केंद्र दिल्ली एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से महिला जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसे बिहार एटीएस के सदस्य राखी कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । राखी ने बताया कि कन्या भूर्ण हत्या सभ्य समाज के माथे पर कलंक का टीका है । महिलाओं सम्पत्ति में मिले बराबर का हक तब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का राह आसान होगा । आज महिला पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है । केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को लेकर दर्जनों कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है । उन्होंने विश्व युवक केंद्र के कार्यो की सराहना करते हुये कहा कि महिलाओं को लेकर पूरे देश मे जन चेतना पैदा किया जा रहा है । दहेज प्रथा, वाल विवाह, कन्या भूर्ण हत्या के खिलाफ जन आंदोलन चलाने की जरूरत है । उन्होंने बताया कि फेसबुक पर अनजान लोगों से दोस्ती न बढ़ाये न ही निजी सूचना सांझा करें । रैली में तीन सौ से अधिक छात्राओं ने भाग लिया । मौके नीतीश कुमार, सतीश कुमार, गुनगुन कुमारी, तरुण उपस्थित रहे ।

माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल पटना साउथ का चिपुरा मोड़, पटना में शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे के-12 स्कूल नेटवर्कों में से एक माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल ने पटना के चिपुरा मोड़ पर अपने नए शाखा का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री वृशिण पटेल सहित कई विशिष्ट अतिथियों, शिक्षा जगत के लीडर्स तथा माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल पटना साउथ समूह के सदस्यों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल पटना साउथ के चेयरमैन अमित कुमार, डॉ. मधुमिता, डॉ. एल बी सिन्हा, मीना सिन्हा और आरव कुमार की दृष्टि तथा प्रधानाचार्या सीमा जोसेफ के मार्गदर्शन में, माही सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वावधान में संचालित माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल पटना साउथ की टीम विद्यालय की विशिष्ट लिटेरा नोवा शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा, कौशल और मूल्यों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह शिक्षण पद्धति प्रत्येक बच्चे के बहुआयामी विकास पर केंद्रित है। माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल पटना साउथ के चेयरमैन अमित कुमार ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य आधुनिक अधोसंरचना और नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को समग्र और भविष्य उन्मुख शिक्षा प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है। परिसर में डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, समृद्ध पुस्तकालय, इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएँ तथा जीपीएस सक्षम वातानुकूलित परिवहन की व्यवस्था उपलब्ध है, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण मिलता है। लगभग 2 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला यह पर्यावरण-अनुकूल परिसर विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ उनके समग्र व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस नए परिसर के शुभारंभ के साथ ही माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल पटना और आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच को और व्यापक बनाने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहा है।

जरासंध स्मारक निर्माण से मिला मगध के इतिहास को समुचित सम्मान : डॉ.प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना/राजगीर। बिहार की ऐतिहासिक धरती राजगीर में सम्राट जरासंध स्मारक की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जरासंध महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कला-संस्कृति विभाग एवं नालंदा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया और सम्राट जरासंध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। महोत्सव में उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ.प्रेम कुमार ने कहा कि राजगीर के कण-कण में सम्राट जरासंध का गौरवशाली इतिहास समाहित है। उन्होंने जरासंध स्मारक का निर्माण कराने और पर्यटन की दृष्टि से राजगीर का विकास करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. प्रेम कुमार ने द्वापर युग के सबसे शक्तिशाली, दानवीर और शिव भक्त योद्धा को करार देते हुए कहा कि पूरे भारत के एकीकरण का माध्यम महाराज जरासंध रहे। पूर्व राज्य आयोग सदस्य प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने राजगीर स्टेडियम का नाम सम्राट जरासंध के नाम पर रखने की मांग उठाई। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य डॉ.भीम सिंह, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, पूर्व एमएलसी रामबली सिंह चंद्रवंशी, डेन्टिस्ट डॉ.धर्मेंद्र कुमार, वरीय भाजपा नेता नित्यानंद सिंह, महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार चंद्रवंशी, रणविजय रोशन, सनोज चंद्रवंशी, सौरभ कुमार, नवीन कुमार मंटू, सत्येन्द्र कुमार, अजय कुमार बिगन, प्रहलाद कुमार, सुनील डीलर, भीम कुमार, मुन्ना सिंह आदि के साथ ही कई स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि महाराज जरासंध किसी एक जाति के नहीं, बल्कि संपूर्ण प्रजा के राजा थे। इससे पूर्व राजगीर डिग्री कॉलेज

» स्मारक की पहली वर्षगांठ पर राजगीर में हुआ जरासंध महोत्सव का भव्य आयोजन

की छात्राओं ने मनमोहक पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई, जबकि विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गान और सम्राट की जीवनी पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। जरासंध धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्याम भारती तथा उपाध्यक्ष सह नवादा के भाजपा नेता व वरीय समाजसेवी मनोज सिंह चंद्रवंशी के संयोजन में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस महोत्सव ने न केवल ऐतिहासिक यादों को ताजा किया, बल्कि राजगीर के पर्यटन विकास की नई संभावनाओं को भी रेखांकित किया।

सबडर्मल इम्प्लांट पर दो दिवसीय प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) का प्रैक्टिकल अभ्यास के साथ समापन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। हाल ही में शुरू की गई 'सबडर्मल सिंगल-रॉड इम्प्लांट' सेवाओं के विस्तार के तहत, राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार (SHSB) समय-समय पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए ट्रेनिंग का आयोजन करती है ताकि प्रशिक्षित डॉक्टरों की संख्या बढ़ाई जा सके। इसी कड़ी में, जिला स्वास्थ्य समिति, पटना ने पीएसआई इंडिया के सहयोग से 9 और 10 मार्च 2026 को ईएसआईसी बिहटा, NMCH पटना और एम्स पटना के 12 एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए दो दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन किया। जिला लीड ट्रेनर के रूप में एम्स की डॉ. मुक्ता अग्रवाल और ईएसआईसी की डॉ. लता ने इस ट्रेनिंग का संचालन किया। इसमें डॉक्टरों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल अभ्यास भी कराया गया। एम्स में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में डॉ. संगम झा ने अपना बहुमूल्य सहयोग दिया। पीएसआई इंडिया के स्टेट लीड (बिहार) श्री सौरव तिवारी ने इस पूरे कार्यक्रम के समन्वय में अहम भूमिका निभाई। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने परिवार नियोजन की स्वास्थ्य सेवाओं को समुदाय तक पहुंचाने के लिए प्रतिभागियों की प्रतिबद्धता की तारीफ की और सबडर्मल इम्प्लांट जैसे नए तरीके के विस्तार में उनके अहम योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत भर के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भनिरोधक के मौजूद विकल्पों को बढ़ाने के प्रयास में, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दो नए तरीके पेश किए हैं:

मेड्रोक्सी प्रोजेस्टेरोन एसीटेट - सबक्यूटेनियस (MPA-SC) इंजेक्शन (जिसे अंतरा-एससी भी कहा जाता है)

सब डर्मल गर्भनिरोधक इम्प्लांट (सिंगल रॉड)

ये परिवार नियोजन के लिए एक बहुत ही अच्छे और सुरक्षित विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। इनमें अंतरा-एससी से 3 महीने और इम्प्लांट से 3 साल तक अनचाहे गर्भ से सुरक्षा मिलती है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के इस प्रोजेक्ट को बिहार सहित 10 राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया गया है। बिहार में इसे सितंबर 2023 में लागू किया गया था। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार ने पायलट प्रोजेक्ट के लिए चार जिलों को चुनकर अहम भूमिका निभाई है। पटना और भागलपुर को 'सबडर्मल इम्प्लांट' के लिए, और मुंगेर व शेखपुरा को 'एमपीए-एससी' के लिए। पहले चरण के सकारात्मक और उत्साहजनक नतीजों को देखते हुए, अब बिहार के अन्य जिलों में भी इन नए गर्भनिरोधक विकल्पों का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत 11 नए जिलों में सबडर्मल इम्प्लांट सेवा शुरू करने और 13 अन्य जिलों में एमपीए-एससी सेवा का विस्तार करने की पहल की गई है। इसके साथ ही राज्य के कुल 28 जिलों में अब इन नई परिवार नियोजन सुविधाओं की पहुंच हो जाएगी।

NMMSS 2026 में बिहार से रिकॉर्ड आवेदन, 85 हजार छात्रों ने भरा फॉर्म

नई सोच एक्सप्रेस

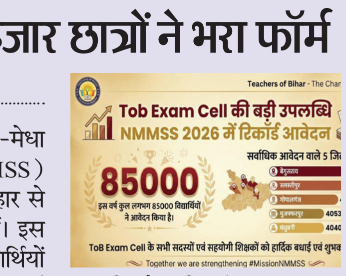

पटना। राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) 2026 के लिए इस वर्ष बिहार से रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस बार लगभग 85 हजार विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना है। शिक्षा मंच टीचर्स ऑफ बिहार के एग्जाम सेल और राज्यभर के शिक्षकों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान, मॉक टेस्ट और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री को इस बढ़ी हुई भागीदारी का मुख्य कारण माना जा रहा है। शिक्षकों ने विद्यालय स्तर पर छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित करते हुए नियमित मार्गदर्शन दिया। आवेदन के मामले में बेगूसराय (5202), समस्तीपुर (5080), गोपालगंज (4658), मुजफ्फरपुर (4053) और मधुबनी (4040) जिले अग्रणी रहे। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार और प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि शिक्षकों की जागरूकता और विद्यार्थियों की मेहनत से इस वर्ष रिकॉर्ड आवेदन संभव हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी अधिक से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे। अगर चाहें तो मैं इसे और छोटा (4–5 लाइन का "डेस्क न्यूज़" फॉर्मेट) में भी तैयार कर सकता हूँ, जो कई अखबारों में छपने के लिए ज्यादा उपयुक्त होता है।

विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के दौरान नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न ग्लूकोमा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नेत्र रोग विभाग, एम्स पटना द्वारा ग्लूकोमा के बारे में मरीजों एवं आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ग्लूकोमा अपरिवर्तनीय अंधत्व का एक प्रमुख कारण है, इसलिए इन कार्यक्रमों का उद्देश्य इसके बारे में जागरूकता फैलाना तथा शीघ्र पहचान और नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व को रेखांकित करना था। विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के अंतर्गत विभाग द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में एम्स पटना के ओपीडी फोयर क्षेत्र में "Uniting for a Glaucoma Free World"

थीम के साथ नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले) एवं ग्लूकोमा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. (डॉ.) अमित राज द्वारा स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम की भूमिका के साथ हुई। उन्होंने ग्लूकोमा के प्रति जागरूकता फैलाने और रोके जा सकने वाले अंधत्व की रोकथाम के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग के विभागाध्यक्ष

» जागरूकता की कमी के कारण लगभग 90 प्रतिशत ग्लूकोमा के मामले अनपहचाने रह जाते हैं : प्रो. (ब्रिग.) डॉ. राजू अग्रवाल

डॉ. अनिल कुमार के नेतृत्व में टीम द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस नाटक के माध्यम से रचनात्मक तरीके से ग्लूकोमा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया और लोगों को नियमित नेत्र परीक्षण कराने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे रोग की समय रहते पहचान हो सके। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (ब्रिग.) डॉ. राजू अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि जागरूकता की कमी के कारण लगभग 90 प्रतिशत ग्लूकोमा के मामले अनपहचाने रह जाते हैं। उन्होंने इस महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए नेत्र रोग विभाग की सराहना की तथा ग्लूकोमा की समय पर पहचान और रोकथाम के लिए नियमित नेत्र परीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। एम्स पटना के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) अनुप कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को नियमित और विस्तृत नेत्र परीक्षण के लिए आगे आना चाहिए, ताकि ग्लूकोमा के शुरुआती लक्षणों का समय रहते पता लगाया जा सके और स्थायी दृष्टि हानि को रोका जा सके। प्रो. (डॉ.) संजय पांडेय, प्रभारी डीन (शैक्षणिक), ने इस प्रकार के महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए नेत्र विज्ञान विभाग को धन्यवाद दिया। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों और पड़ोसियों के बीच ग्लूकोमा के बारे में जागरूकता फैलाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग समय पर नेत्र परीक्षण के लिए आगे आएं और रोग का शीघ्र पता लगाया जा सके। डॉ. भावेश चंद्र साहा ने अपने जागरूकता भाषण में बताया कि ग्लूकोमा होने का अधिक जोखिम उन लोगों में होता है जो 40 वर्ष से अधिक आयु के हैं, मधुमेह से पीड़ित हैं, जिनमें उच्च मायोपिया (ज्यादा नंबर का चश्मा) है, जिनके परिवार में ग्लूकोमा का इतिहास है, जिनकी आंखों में पहले चोट लगी हो, तथा जो लोग बिना चिकित्सकीय सलाह के या लंबे समय तक स्टेरॉयड का उपयोग करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन उच्च जोखिम वाले लोगों को बीमारी की समय पर पहचान और उचित उपचार के लिए नियमित रूप से आंखों की जांच करवानी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि नवजात शिशुओं में कुछ लक्षण जैसे आंखों का असामान्य रूप से बड़ा होना, आंखों से अधिक पानी आना, आंखों का सफेद और बड़ा दिखाई देना तथा तेज रोशनी से संवेदनशीलता (फोटोफोबिया) जन्मजात ग्लूकोमा के संकेत हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे शिशुओं की समय पर ग्लूकोमा स्क्रीनिंग और विस्तृत नेत्र परीक्षण कराना आवश्यक है, ताकि बीमारी की जल्दी पहचान हो सके और उचित उपचार दिया जा सके। कार्यक्रम को अन्य विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति और उनके विचारों ने भी समृद्ध किया। इनमें डॉ प्रो. (डॉ.) उमेश भदानी (विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया), प्रो. (डॉ.) बिनय कुमार, फोरेंसिक चिकित्सा विभाग, (डॉ.) पंकज कुमार (विभागाध्यक्ष, न्यूक्लियर मेडिसिन) तथा (डॉ.) आनंद कुमार राय (विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी) शामिल थे। सभी ने सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के महत्व पर बल देते हुए नेत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, ग्लूकोमा के प्रति जागरूकता फैलाने तथा रोके जा सकने वाले अंधत्व की रोकथाम की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. सोनी सिन्हा, डॉ. देव कांत सहित नेत्र रोग विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर, ऑप्टोमेट्रिस्ट, नर्सिंग अधिकारी और अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में नेत्र रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिव्या केसर्वानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बेतिया/मझौलिया।भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 10 मार्च 2026 को पश्चिमी चंपारण जिले के माधोपुर में "फसल विविधीकरण के माध्यम से उत्पादन वृद्धि एवं सतत कृषि" विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया | इस कार्यक्रम में लगभग 30 से अधिक किसानों ने भाग लिया | इस परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं फसल अनुसंधान प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए फसल विविधीकरण के महत्व एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए इसे अपने पारंपरिक कृषि प्रणाली में शामिल करने के फायदे पर प्रकाश डाला | साथ ही, उन्होंने आंकड़ों द्वारा समेकित कृषि प्रणाली द्वारा उत्पादकता एवं आय में वृद्धि को दर्शाया | संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक कुमार ने किसानों को जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य मे फसल विविधीकरण एवम् कृषिवानिकी की उपयोगिता को समझाया। कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के विषय वस्तु विशेषज्ञ डा सौरभ दुबे ने फसलो मे कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे मे बताया । केंद्र के विशेषज्ञ डा हर्षा बी आर ने फसल उत्पादन से सम्बंधित जानकारी दी। विदित् हो कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 मार्च तक चलेगा | इस कार्यक्रम मे कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा भी विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जाएगा | इस कार्यक्रम को आयोजित करने में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के निदेशक्र डा अनुप दास का अहम योगदान रहा। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डा अभिषेक प्रताप सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ डा जग पाल, डा चेलपुरी रामुलु सहित अन्य कर्मचारीगण का भी उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ ।

11 मार्च को होगी छात्रवृत्ति परीक्षा, दो केंद्रों पर ओएमआर शीट पर देंगे अभ्यर्थी परीक्षा

जहानाबाद।जिले में 11 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति (NMMS) परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस महत्वपूर्ण परीक्षा के सफल संचालन के लिए जहानाबाद जिले में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां पूर्व में आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी ने बताया कि यह परीक्षा न केवल सफल छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान करती है बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं का अनुभव भी देती है। उन्होंने सभी पंजीकृत छात्र-छात्राओं से इस परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यह उनके शैक्षणिक भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस परीक्षा की खास बात यह है कि यह पूरी तरह से ओएमआर (OMR) शीट पर आधारित होगी। इसमें छात्रों को प्रश्न पत्र के साथ दी गई ओएमआर शीट पर सही विकल्प के गोलों को काले या नीले बॉल पेन से सावधानीपूर्वक भरना होगा। इस तरह की परीक्षा प्रणाली से छात्रों को भविष्य में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई (JEE), नीट (NEET) और संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षाओं के प्रारूप से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा इस परीक्षा का एक महत्वपूर्ण लाभ यह भी है कि इसमें प्राप्त अंकों और मेरिट के आधार पर मेधावी छात्रों को राज्य के उत्कृष्ट मॉडल स्कूलों में नामांकन का अवसर मिल सकता है, जिससे उन्हें बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली में मानसिक योग्यता परीक्षा (MAT) और दूसरी पाली में शैक्षणिक योग्यता परीक्षा (SAT) आयोजित होगी। दोनों ही खंडों में 90-90 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक खंड के लिए छात्रों को 90 मिनट का समय दिया जाएगा। इस परीक्षा में सफल होने वाले छात्र-छात्राओं को केंद्र सरकार की ओर से कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रति वर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस प्रकार चार वर्षों में उन्हें कुल 48 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। जिला शिक्षा विभाग ने सभी केंद्राधीक्षकों को कदाचार मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ छात्रों को ओएमआर शीट सही तरीके से भरने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए हैं।

नारी शक्ति विकसित भारत की आधारशिला: रिचा रानी

मंझौल (बेगूसराय)।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) मंझौल नगर इकाई की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दीनानाथ परमेश्वरी बालिका प्लस टू विद्यालय में तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रिचा रानी, डेजी कुमारी और सुप्रिया ने किया। इस अवसर पर रिचा रानी ने कहा कि नारी शक्ति विकसित भारत की आधारशिला है। महिलाओं के नेतृत्व, विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार सिंह गप्पू, जिला सहसंयोजक रवि कुमार और छात्र नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं को अपने अधिकार, सम्मान और सामूहिक शक्ति को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम में शिक्षिका किरण कुमारी और छात्रा रिया कुमारी ने भी महिलाओं की शिक्षा, अधिकार और सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। इस दौरान छात्राओं ने महिलाओं की उपलब्धियों और समाज में उनकी भूमिका पर भी चर्चा की। मौके पर प्रिया कुमारी, प्रियदर्शनी झा, रितिका रानी, संध्या कुमारी, मीनाक्षी कुमारी, आदित्य कुमार, आयुष, शुभम कुमार, प्रियांशु सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एमआरटी सहरसा के विद्युत कार्यपालक अभियंता निलंबित

पटना।एमआरटी प्रमंडल सहरसा के विद्युत कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार को उनकी कर्तव्यहीनता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। र्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी मनोज कुमार सिंह मंगलवार को विद्युत आपूर्ति अंचल, सहरसा निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि अंचलांतर्गत विद्युत शक्ति उपकेंद्रों का समुचित अनुरक्षण नहीं हो पा रहा है।ऊर्जा सचिव ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा है कि गर्मी को देखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ प्रतिदिन मानक संचालन प्रक्रिया संधारित करने का सख्ती से पालन हो। ऐसी कर्तव्यहीनता पर सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि पूर्व निदेशों के अनुरूप सहरसा अंतर्गत विद्युत शक्ति उपकेंद्रों का सतत निरीक्षण सुनील कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता, एम.आर.टी. प्रमंडल, सहरसा द्वारा नहीं किया गया था,उनके क्षेत्रांतर्गत विगत छह माह के अंदर मात्र 10 विद्युत शक्ति उपकेंद्रों का ही निरीक्षण किया गया, जो निर्धारित एसओपी एवं विभागीय निदेशों के अनुरूप नहीं पाया गया ।

बिजली के नंगे तार की चपेट में आकर किसान की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद।काको थाना क्षेत्र के मुरेरा गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां विद्युत प्रवाहित नंगे तार की चपेट में आने से एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 65 वर्षीय जगलाल चौधरी के रूप में की गई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मृतक के पुत्र अनुज चौधरी ने बताया कि गांव के कुछ लोगों द्वारा बिजली के नंगे तार को काफी नीचे कर अपने घर तक ले जाया गया था। इसको लेकर कई बार आपत्ति भी जतायी गई और तार को सही तरीके से लगाने की मांग की गई थी, लेकिन इस ओर विभाग या किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। परिजनों का कहना है कि इससे पहले भी कई पशुओं की मौत इसी बिजली के तार के संपर्क में आने से हो चुकी है, बावजूद इसके समस्या का समाधान नहीं किया गया। बताया जा रहा है कि जगलाल चौधरी अपने खेत में सरसों काटने के लिए गए थे। इसी दौरान खेत के ऊपर से काफी नीचे झूल रहे बिना कवर वाले बिजली के तार के संपर्क में आने से उन्हें जोरदार करंट लग गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिजली का तार सही ऊंचाई पर लगाया गया होता, तो यह दर्दनाक घटना नहीं होती। लोगों ने यह भी बताया कि 19 फरवरी को मृतक की पोती की शादी थी। उस समय भी नीचे झूल रहे तार को हटाने या ऊंचा करने के लिए संबंधित लोगों से आग्रह किया गया था लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि विभाग समय रहते इस समस्या पर ध्यान देता, तो एक किसान की जान बचाई जा सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही काको थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंप दिया। वहीं, इस घटना के बाद गांव में मातम का माहौल बना हुआ है।

राजकीय मध्य विद्यालय नरमा में जिला शिक्षा पदाधिकारी का औचक निरीक्षण, अनियमितताओं पर जतायी नाराजगी

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद।हुलासगंज प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय, नरमा में जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, साफ-सफाई तथा प्रशासनिक प्रबंधन में कई अनियमितताएं सामने आईं, जिसे देखकर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने गहरी नाराजगी जतायी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में पायी गई लापरवाही को लेकर संबंधित कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई और स्पष्ट चेतावनी दी कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दोषियों के खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के क्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी स्वयं कक्षा में पहुंचीं और छात्र-छात्राओं को पढ़ाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की पढ़ाई का स्तर भी परखा और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इसके साथ ही बच्चों को मेहनत से पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सरस्वती कुमारी ने कहा कि शिक्षा विभाग का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर बरती गई लापरवाही अक्षम्य है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि शैक्षणिक माहौल बेहतर बनाया जाए और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।

क्रिएशन गुरुकुल के नन्हे वैज्ञानिकों ने बिखेरी चमक, चंद्रयान और डिजास्टर मैनेजमेंट मॉडल्स ने जीता सबका दिल

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी/रामगढ़वा।क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्यालय 'क्रिएशन गुरुकुल' में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी (Science Exhibition) में छात्र-छात्राओं ने अपनी मेधा और नवाचार का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि चंद्रेश्वर नारायण दुबे ने किया। इस दौरान विद्यालय के निदेशक परिमल कुमार श्रीवास्तव और प्रिंसिपल सोनी कुमारी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सुदूर ग्रामीण इलाकों के बच्चों में अपार प्रतिभा छिपी है, बस उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन की जरूरत है। क्रिएशन गुरुकुल वही माध्यम बनकर बच्चों को देश का बड़ा वैज्ञानिक बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर आकर्ष आर्यन और उप मैनेजिंग डायरेक्टर उत्कर्ष आर्यन ने संयुक्त रूप से कहा कि "हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को बाहर लाना है। हम चाहते हैं कि यहाँ के विद्यार्थी केवल देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाएं और सफलता के शिखर तक पहुँचें।" प्रतियोगिता में कक्षा 7वीं 'ब' के छात्र शिवम शर्मा और उनकी टीम द्वारा बनाए गए 'चंद्रयान' मॉडल को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। वहीं, दिव्यांशु पांडे, अबुसाद और उनकी टीम द्वारा तैयार किए गए 'डिजास्टर मैनेजमेंट' प्रोजेक्ट को द्वितीय स्थान मिला। तृतीय स्थान पर मोहित, आयुष और उनकी टीम रही, जिन्होंने 'वाटर फिल्टरेशन यूनिट' का शानदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा विभिन्न छात्र समूहों ने लेजर सुरक्षा अलार्म, फुट स्टेप इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर, कार्बन प्यूरीफायर और ऑटोमैटिक फायर एक्सटिंग्विशर जैसे आधुनिक प्रोजेक्ट्स पेश किए, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सफल आयोजन में विज्ञान शिक्षक मनीष रौनियर, नदीम अहमद, अमित पांडे, सलोनी कुमारी और संजना सिंह का विशेष मार्गदर्शन रहा। मौके पर अभिभावक राहुल पांडे, स्कूल की छात्राएं सुहाना, आसिफ, छात्र सक्षम, साहिल,शिक्षक अभिमन्यु यादव, सत्यम कुमार, नसीम अख्तर, रौशन रॉय और भीम रॉय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अतिथियों ने कहा कि यदि इन बच्चों को इसी तरह का उचित मार्गदर्शन मिलता रहा, तो ये भविष्य में निश्चित रूप से देश के बड़े वैज्ञानिक बनकर उभरेंगे।

नाले की टूटी स्लिप से बढ़ा खतरा, स्थानीय लोगों में आक्रोश

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली।नगर पंचायत की लापरवाही एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। नगर के वार्ड नंबर 6 स्थित स्टेशन चौक के पास नाले की स्लिप टूट जाने के बाद भी अब तक उसे ठीक नहीं कराया गया है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले पर लगी स्लिप टूट जाने के कारण राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर नगर पंचायत को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने बताया कि करीब छह माह पूर्व भी स्लिप नहीं रहने के कारण एक मासूम बच्चा नाले में डूब गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इतनी बड़ी घटना के बाद भी नगर पंचायत इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है। स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर अपने जनप्रतिनिधि और वार्ड पार्षद से भी शिकायत की है। लोगों का कहना है कि जल्द से जल्द नाले पर नई स्लिप लगाई जाए, ताकि किसी और अप्रिय घटना से बचा जा सके। वहीं इस संबंध में वार्ड पार्षद ने बताया कि नाली की सफाई के दौरान स्लिप टूट गया था, जिसे जल्द ही ठीक कराकर नई स्लिप लगा दी जाएगी।

एसडीएम ने गैस एजेंसी व प्रखंड कार्यालय का किया निरीक्षण,आवास योजना के निर्माण कार्यों की भी जांच

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली।मंगलवार को एसडीएम द्वारा क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों और संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में सबसे पहले भारत गैस एजेंसी के गोदाम का जायजा लिया गया, जहां उन्होंने गैस वितरण से संबंधित कई महत्वपूर्ण कागजातों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने वहां मौजूद उपभोक्ताओं से बातचीत करते हुए कहा कि गैस वितरण में किसी प्रकार की अतिरिक्त राशि नहीं ली जानी चाहिए और एजेंसी का दायित्व है कि हर जरूरतमंद उपभोक्ता तक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करे। उन्होंने गोदाम में उपलब्ध अभिलेखों और रजिस्टरों की भी गंभीरता से जांच की। इसके बाद एसडीएम प्रखंड कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने अंचल कार्यालय तथा डीपीआरओ कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में मौजूद विभिन्न कागजातों की जांच करते हुए संबंधित कर्मियों को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने प्रखंड कार्यालय में उपस्थित कर्मचारियों से विभिन्न योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी भी ली। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की और जिन लाभुकों को भुगतान हो चुका है, उनके आवास निर्माण कार्य की स्थिति का भी जायजा लिया। इस क्रम में एसडीएम ने फुलवरिया पंचायत के कई स्थानों पर जाकर निर्माणाधीन आवासों का स्थल निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता व प्रगति की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का लाभ सही लाभुकों तक समय पर पहुंचाने का निर्देश दिया।

महिला शिक्षा की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले को शिक्षकों ने किया याद

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ द्वारा श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर शिक्षकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने सावित्रीबाई फुले के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं की शिक्षा, विधवा विवाह और समाज में समानता स्थापित करने के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उन्होंने उस दौर में प्रचलित छुआछूत, सती प्रथा, बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के खिलाफ साहसपूर्वक आवाज उठाई और समाज को जागरूक करने का कार्य किया। समरेंद्र सिंह ने कहा कि सावित्रीबाई फुले केवल शिक्षिका ही नहीं, बल्कि एक उत्कृष्ट कवयित्री भी थीं। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य की अग्रदूत माना जाता है। उनकी कविताओं और लेखों में सामाजिक चेतना, समानता और जागरूकता का संदेश स्पष्ट रूप से झलकता है। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षक नेता संजय यादव, सत्यनारायण साह, हवलदार मांझी,इंद्रजीत महतो, निजाम अहमद,अनुज यादव,सूर्यदेव सिंह,संतोष सिंह,ललन यादव, रणजीत सिंह, जितेंद्र सिंह,संजय पांडेय सहित अन्य शिक्षकों ने उनके आदर्शों को अपनाने और शिक्षा के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया

विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग द्वारा पैट-2023 हेतु शोधार्थियों के मार्गदर्शन पर शिक्षकों के बीच हुआ विचार-विमर्श

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी विभाग द्वारा PAT–2023 के अंतर्गत शोधार्थियों के मार्गदर्शन से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से पीएच.डी. सुपरवाइज़र मीट का आयोजन किया गया। इस बैठक में विश्वविद्यालय तथा विभिन्न संबद्ध महाविद्यालयों में कार्यरत अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित हुए। बैठक में पीएच. डी. शोध कार्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बढ़ते प्रयोग, शोध कार्य में प्लेगरिज़्म (Plagiarism) की समस्या, शोध की गुणवत्ता और मौलिकता बनाए रखने के उपायों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इसके अतिरिक्त यह भी प्रस्तावित किया गया कि शोधार्थियों के कार्य की नियमित निगरानी के लिए प्रत्येक छह महीने पर प्रोग्रेस रिपोर्ट विभाग में जमा करना अनिवार्य किया जाए। उपस्थित शिक्षकों ने इन विषयों पर अपने-अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंग्रेज़ी विभाग की विभागाध्यक्ष एवं मानविकी संकाय की अधिष्ठाता प्रो पुनीता झा ने की। इस अवसर पर प्रो ए. के. बच्चन शोध विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। वहीं प्रो पुनिता झा के मानविकी संकायाध्यक्ष बनने पर सी एम साइंस कॉलेज के अंग्रेजी-प्राध्यापक डॉ युगेश्वर साह ने पाग एवं चादर से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में प्रो विमल कुमार, डॉ. प्रभात रंजन कर्ण, डॉ. बिंदुनाथ झा, डॉ अंजनी कुमार, डॉ. उमर फारूक, डॉ. संगीत रंजन नटवर, डॉ. लक्ष्मण यादव, डॉ. चित्रा झा, डॉ. संकेत कुमार झा, डॉ. शांभवी, डॉ. युगेश्वर साह, डॉ सुब्रत कुमार, डॉ कुमार वैभव सहित अन्य अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संकेत कुमार झा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शांभवी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।एकमा प्रखंड अंतर्गत बेतवानिया स्थित महेश्वरम एकेडमी में भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा), सारण के निर्देश के आलोक में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को स्काउटिंग एवं गाइडिंग से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को स्काउट एवं गाइड के नियम-कानून, प्रतिज्ञा, ध्वज शिष्टाचार, गांठ-बंधन, प्राथमिक उपचार, टोली पद्धति, अनुशासन तथा सेवा भावना से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न खेल-गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, अनुशासन और टीम वर्क की भावना विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। इस प्रशिक्षण शिविर के सफल संचालन में विद्यालय के निदेशक राजेश कुमार गिरि एवं प्राचार्य मुकेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण कार्यक्रम सुव्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संपन्न हुआ। शिविर को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक पिंटू साह, ललन साह तथा शिक्षिकाएं सपना कुमारी, गुड़िया कुमारी, नीतू कुमारी और अलका कुमारी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में विपक्ष पूरी तरह से बिखर चुका है : हम

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि बिहार में विपक्ष पूरी तरह से बिखर चुका है। आज हुई विपक्षी बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके बीच न तो भरोसा बचा है और न ही कोई ठोस रणनीति। राज्यसभा चुनाव से पहले ही विपक्ष की तथाकथित एकजुटता की सच्चाई सबके सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में एआईएमआईएम और बसपा का शामिल न होना इस बात का साफ संकेत है कि विपक्ष के भीतर गहरी दरार है। दोनों दलों ने बैठक से दूरी बनाकर विपक्ष को आइना दिखा दिया है और यह साबित कर दिया है कि महागठबंधन की एकजुटता के दावे पूरी तरह खोखले हैं। श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि मौजूदा हालात में विपक्ष को राज्यसभा चुनाव में 30 वोट भी जुटाना मुश्किल पड़ जाएगा। राजद और कांग्रेस के कई विधायक अंदरखाने भारी नाराजगी में हैं और क्रॉस वोटिंग की पूरी संभावना है। महागठबंधन के भीतर असंतोष इतना बढ़ चुका है कि कई विधायक नेतृत्व के रवैये से बेहद असहज हैं। उन्होंने कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव को बिहार की जमीनी हकीकत का कोई अंदाजा नहीं है। चुनाव हारने के बाद जनता और अपने ही कार्यकर्ताओं को उनके हाल पर छोड़कर विदेश घूमने वाले नेताओं से बिहार की राजनीति नहीं चलती। यही कारण है कि आज उनके अपने विधायक भी उनके नेतृत्व पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन की हकीकत सामने आ जाएगी और राजद-कांग्रेस के कई विधायक अंतरात्मा की आवाज पर वोट करेंगे। इस बार भी विपक्ष को करारी हार का सामना करना पड़ेगा और एक बार फिर उनकी राजनीतिक जमीन खिसकती नजर आएगी।

करोड़ों लोगों की नई ऊर्जा और उम्मीद हैं निशांत कुमार : शैलेन्द्र कुमार

नई दिल्ली/पटना। ई. निशांत कुमार के जदयू में औपचारिक रूप से शामिल होने पर जदयू दिल्ली प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं द्वारा जश्न मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की। जदयू दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि निशांत कुमार के जदयू परिवार में शामिल होने से न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं में बल्कि दिल्ली में रह रहे करोड़ों बिहारियों के बीच भी उत्साह का माहौल है। युवा सोच और नेतृत्व को लेकर सीएम नीतीश कुमार को चाहने वाले करोड़ों लोगों में नई ऊर्जा और उम्मीद जगी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निशांत कुमार में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के लंबे राजनीतिक अनुभव, उनकी बेहतरीन कार्यशैली तथा जदयू की मूल विचारधारा की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके सक्रिय योगदान से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और युवाओं के बीच पार्टी की पकड़ और सशक्त होगी। वहीं प्रदेश महासचिव सर्वेश कश्यप ने कहा कि कार्यकर्ताओं के पुरजोर मांग पर जदयू परिवार में ई निशांत कुमार का स्वागत है। युवा सोच व नई ऊर्जा के साथ जदयू को नई गति मिलेगी। साथ ही मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा आने वाले दिनों में बिहार को देश के शीर्ष 10 विकसित राज्यों में शामिल करने के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस मौके पर महासचिव सर्वेश कश्यप, प्रधान महासचिव राहुल मिश्रा, महासचिव पवन कुमार, गौरी शंकर, संगठन महासचिव अशोक प्रधान, पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल झा, युवा जदयू प्रदेश अध्यक्ष ब्रज किशोर, उपाध्यक्ष अंश, वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. एसएन ठाकुर सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व विधायक सतीश कुमार के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने दी श्रद्धांजलि

पटना। पूर्व विधायक स्व सतीश कुमार के निधन पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम आज कंकड़बाग स्थित स्व. सतीश कुमार के आवास पर पहुंचे और उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।राजेश राम ने कहा कि स्व. सतीश कुमार एक समर्पित जनप्रतिनिधि और समाज के प्रति प्रतिबद्ध नेता थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता दी। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति दें।इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के साथ पूर्व विधायक अनिल सिंह एवं किशोर कुमार ने भी स्व सतीश कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रमिकों की सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : राम कृपाल

पटना। बिहार सरकार के माननीय कृषि मंत्री श्री राम कृपाल यादव ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि यह 75 वर्षों की यात्रा केवल एक संस्था की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह देश के मेहनतकश मजदूरों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान की ऐतिहासिक यात्रा है। कार्यक्रम में श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर, विधायक भाई वीरेंद्र, वरिष्ठ अधिकारीगण, चिकित्सक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। राम कृपाल यादव ने कहा कि भारत में सदियों से यह कहा जाता रहा है कि मजदूर मजबूत तो देश मजबूत। कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने पिछले 75 वर्षों में करोड़ों श्रमिक परिवारों को इलाज, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान प्रदान कर इस विश्वास को और मजबूत किया है। आज देश का मजदूर वर्ग यह महसूस करता है कि संकट की घड़ी में सरकार उसके साथ खड़ी है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में श्रमिकों, किसानों और गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ तथा अस्पतालों के आधुनिकीकरण जैसे कार्यों से आम लोगों को बड़ी राहत मिली है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। आज राज्य में अस्पतालों की व्यवस्था, डॉक्टरों की उपलब्धता और चिकित्सा सुविधाओं में निरंतर सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान परिवार से आते हैं और अच्छी तरह जानते हैं कि खेत में मेहनत करने वाला किसान और कारखाने में पसीना बहाने वाला मजदूर इन दोनों ही देश की असली ताकत हैं। किसान देश के लिए अन्न पैदा करता है, जबकि मजदूर उद्योग और विकास की मजबूत नींव खड़ी करता है। इसलिए उनकी सेहत और सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री यादव ने कहा कि बिहटा स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे न केवल मजदूरों और कर्मचारियों को बेहतर इलाज मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यह संस्थान पूर्वी भारत के उत्कृष्ट चिकित्सा केंद्रों में अपनी पहचान बनाएगा और लाखों लोगों की सेवा करेगा।उन्होंने इस अवसर पर सेवा पखवाड़ा के समापन समारोह में उपस्थित सभी डॉक्टरों, नर्सों, कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि समाज की सेवा में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है।श्री यादव ने कहा कि जिस समाज में मजदूर और किसान का सम्मान होता है, वही समाज वास्तव में समृद्ध और मजबूत बनता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि देश के हर मजदूर, हर कर्मचारी और हर जरूरतमंद व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा पहुँचाने के लिए मिलकर कार्य करें।

अमेरिका की रिज्यूवेनेट संस्था ने शिवकुंड को लिया गोद, बनेगा इको माडल गांव

नई सोच एक्सप्रेस

» यह अभियान केवल एक गांव तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका उद्देश्य पूरे देश को स्वच्छ और पर्यावरण को अनुकूल बनाने की दिशा में कार्य करेगा : आरव सिंह

» गांव के लगभग हर घर में गोरिया के लिए घोसला बनाए गए हैं, जिससे बड़ी संख्या में गौरैया का यहां संरक्षण हो रहा है

» आयोजन में इंडोनेशिया से छह सदस्यों की टीम यहां पहुंची

पटना। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की पहल पर गांव में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें धरहरा प्रखंड के शिवकुंड गांव को इको विलेज बनाने की दिशा में प्रयास शुरू हो चुका है। आयोजन की शुरुआत शांति पाठ से हुई। इस मौके पर इंडोनेशिया से छह सदस्यों वाली टीम में जूलियाना ओजोंग, नूरलिआना, एंडरीज केंटजाना, सुजेंग सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रीति राव, ऋतुराज बसंत, आनंद कुमार, नीतीश कुमार, अनिल कुमार, अंजनी कुमार और रणधीर कुमार के माध्यम से दीप जलाकर आयोजन की विधिवत शुरुआत हुई। इस अवसर पर रिजूवनेट गंगा फाउंडेशन के आरव सिंह ने विडियो कानफ्रेंसिंग के जरिए सभी लोगों से जुड़कर शिवकुंड को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विशेष कार्य करने के लिए इको विलेज के रूप में विकसित करने के लिए गांव को गोद लेने की घोषणा की। आरव सिंह ने कहा कि गंगा किनारे बसे इस गांव में पहले से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई कार्य किया जा रहे हैं और अब यह अभियान केवल एक गांव तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका उद्देश्य पूरे देश को स्वच्छ और पर्यावरण को अनुकूल बनाने की दिशा में कार्य करेगा। उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा कि वह मूल रूप से मुंगेर जिले के निवासी हैं और अपने जिले में इस तरह की पहल होने पर हुए स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। कार्यक्रम में रिजुवनेट गंगा, बायोएंजाइम एंटरप्रेन्योर्स अकैडमी आफ इंडिया, स्विच फॉर चेंज फाउंडेशन, गंगाजली, देव वृक्ष महायज्ञ, भोजपुर महिला कला केंद्र सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी संस्थाओं ने इस गांव को स्वच्छ हरा-भरा और पर्यावरण के लिए अनुकूल बनाने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों को प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित करने के साथ ही फूलों से तैयार किए जाने वाले बायोएंजाइम की जानकारी दी गई। इस बीच शिवकुंड गांव में गौरैया विलेज के रूप में भी पहचान बढ़ाने की योजना पर चर्चा की गई। इस योजना पर प्रमुख रूप से काम कर रहे नीतीश कुमार और अनिल कुमार ने बताया कि गांव के लगभग हर घर में गोरिया के लिए घोसला बनाए गए हैं जिससे बड़ी मात्रा में गौरैया का यहां संरक्षण हो रहा है। महिम को भी काफी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। निकट भविष्य में इस गांव में गौरैया अध्ययन केंद्र बनाने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है।

नरही ग्राम मार्ग पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

गोरखपुर। हरि सहाय लॉ कॉलेज, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तृतीय दिवस के अवसर पर मंगलवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम अधिकारी शैलेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने नरही ग्राम मार्ग की साफ-सफाई की तथा भविष्य में अपने आसपास के स्थानों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी शैलेंद्र त्रिपाठी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने विधि के विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता फैलाएं और लोगों को साफ-सफाई के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के समापन के पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतीश चंद्र उपाध्याय एवं अन्य शिक्षकों ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की।

जायसवाल समाज का 43वां होली मंगल मिलन समारोह संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

दिल्ली। जायसवाल समाज यमुनापार, दिल्ली के तत्वावधान में 8 मार्च को वेलकम कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में 43वां होली मंगल मिलन समारोह सह युवक-युवती परिचय सम्मेलन धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज की एकता, सम्मान और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामहर्ष जायसवाल ने की, जबकि अतिथियों का स्वागत लोटन जायसवाल और गोपाल जी जायसवाल ने किया। मंच संचालन महासचिव आदित्य वर्धनम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलदेवता राज-राजेश्वर सहस्त्रार्जुन जी के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व बिहार भाजपा अध्यक्ष व सांसद डॉ. संजय जायसवाल तथा राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी उपस्थित रहीं। डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि लोकतंत्र में वही समाज आगे बढ़ता है जो एकजुट होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। उन्होंने समाज की एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने पर बल दिया। ममता कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की शिक्षा, समान भागीदारी और सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में पूर्व महापौर दिव्य जायसवाल, विजय भगत, प्रवीर पंकज, नर्मदेश्वर जायसवाल, राजीव जायसवाल सहित दिल्ली-एनसीआर के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर "जायसवाल संदेश" स्मारिका का विमोचन किया गया। समाजसेवा में योगदान देने वाले 151 लोगों, 10वीं-12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों तथा 11 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। अंत में सामूहिक भोज के साथ समारोह का समापन हुआ। आयोजन को सफल बनाने में समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पटना सिटी में वक्फ स्टेट की भव्य पांच मंजिला इमारत का निर्माण कार्य जारी, मंत्री ज़मा खान ने किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। अशोक राजपथ स्थित इमाम बांदी बेगम वक्फ स्टेट में बन रही भव्य पांच मंजिला इमारत का मंगलवार को बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जनाब ज़मा खान ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर शाह अजीमाबाद वेलफेयर एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव मो. युनुस ने मंत्री का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ज़मा खान ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार अल्पसंख्यक समाज के कल्याण और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के लिए किए गए कार्य पूरे देश में एक मिसाल हैं और यह निर्माणाधीन परियोजना उसी सोच का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस पांच मंजिला इमारत में आधुनिक सुविधाओं से युक्त मैरिज हॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा एक भव्य पुस्तकालय का निर्माण किया जा रहा है, जो मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल अल्पसंख्यक समाज ही नहीं बल्कि पटना सिटी के सभी वर्गों के लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी और इससे शिक्षा, सामाजिक तथा आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। इस मौके पर बिहार राज्य शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जनाब इरशाद अली आजाद ने कहा कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षण बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियां समाज की अमानत हैं और उनकी हिफाज़त के साथ-साथ उनका बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना बोर्ड का संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि शिया वक्फ बोर्ड द्वारा राज्य में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। कार्यक्रम में जदयू प्रदेश महासचिव मेजर हैदर इकबाल, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सैयद शहजाद हुसैन, भवन निर्माण तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी सहित सैयद यावर अली, मो. नौशाद, मो. आफरीदी, मो. सादिक, इरफान हुसैन, मो. अफरोज आलम, मो. राजू, जमाल अंजुम, मो. शहाबुद्दीन समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पटना में लॉन्च हुआ फिल्म "किस्सा कोर्ट कचहरी का" का भव्य ट्रेलर, 13 मार्च को होगी रिलीज

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सच्ची घटना पर आधारित बॉलीवुड फिल्म "किस्सा कोर्ट कचहरी का" का भव्य ट्रेलर लॉन्च पटना के प्रतिष्ठित होटल मौर्या में किया गया। इस खास मौके पर बिहार सरकार की मंत्री श्रेयषी, भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और समाजसेवी व नेत्री ऋतु जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद पूरी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए इसकी सफलता की कामना की। लवली फिल्म्स प्रस्तुत इस फिल्म के निर्देशक रजनीश जायसवाल और निर्माता अरुण जायसवाल के साथ कई कलाकार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इनमें अभिनेता बृजेंद्र काला, नीलू कोहली, कृष्णा सिंह बिष्ट, लोकेश तिलकधारी, संजीव जायसवाल और अनुज जाधव भी शामिल थे। इस अवसर पर निर्देशक रजनीश जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने बताया कि यह कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और इसमें न्याय व्यवस्था से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें दर्शाई गई हैं। उन्होंने कहा, "सच को कुछ समय के लिए छुपाया जा सकता है, लेकिन उसे मिटाया नहीं जा सकता। अंततः सच सामने आता है और अब फैसला कोर्ट में होगा।" उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखें और कलाकारों को अपना आशीर्वाद दें। फिल्म के निर्माता अरुण जायसवाल ने कहा कि बिहार की धरती पर फिल्म के प्रमोशन के दौरान जो प्यार और सम्मान मिला है, वह बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि मंत्री श्रेयषी सिंह, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और नेत्री ऋतु जायसवाल जैसे सम्मानित लोगों की उपस्थिति से टीम का मनोबल बढ़ा है। उन्हें उम्मीद है कि उनके आशीर्वाद और दर्शकों के समर्थन से यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी। अभिनेता बृजेन्द्र काला ने भी बिहार के लोगों के प्रति अपना प्रेम व्यक्त करते हुए कहा कि वे पहले भी बिहार आ चुके हैं और यहाँ का स्नेह हमेशा उन्हें आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई गई है और इसकी कहानी दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में वे बिहार की पृष्ठभूमि पर आधारित कई अन्य फिल्मों में भी काम कर रहे हैं। फिल्म "किस्सा कोर्ट कचहरी का" में राजेश शर्मा, ब्रिजेंद्र काला, नीलू कौर कोहली, सुशील चंदरभान पाराशा, कृष्णा सिंह बिष्ट, अंजू जाधव, सरजीव जायसवाल, लोकेश एस सिंह और अवन्या कुमारी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के डीओपी धर्मेंद्र विश्वास, एडिटर संतोष मंडल, संगीत प्रवेश मलिक और साउंड डिज़ाइनर कैलाश सिंह हैं। यह फिल्म 13 मार्च को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसकी कहानी न्याय, संघर्ष और सच की जीत के संदेश को दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास करेगी।

महिला दिवस पर समाजसेवी राजेश खुराना की मांगः गरीब महिलाओं को मिले 2100 रुपये प्रतिमाह

नई सोच एक्सप्रेस

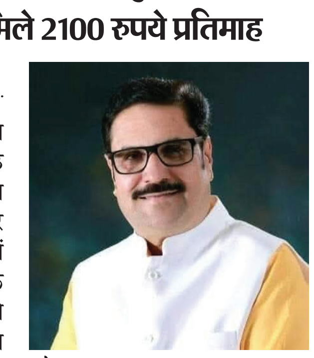

उत्तर प्रदेश। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना ने प्रदेश की योगी सरकार से गरीब, मजदूर और वंचित वर्ग की महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये आर्थिक सहायता देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी और अपने परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बना सकेंगी। राजेश खुराना ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जानकारी के अभाव और व्यवस्था की खामियों के कारण कई गरीब महिलाएं इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रही हैं। इसलिए सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जिससे सहायता सीधे जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि नारी सम्मान और सशक्तिकरण से ही सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन और राजनीति सहित हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने देशवासियों से महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि बेटियों और महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और सशक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

खेमनीचक से मलाही पकड़ी तक मेट्रो ब्लॉक का उप-मुख्य सेवा सचिव ने किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

» मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के उप-मुख्य सेवा सचिव सुधीर कुमार ने की मेट्रो रेल के नए कॉरिडोर की पड़ताल

पटना। मेट्रो रेल का सफर अब पटना वासियों के लिए जल्द ही आधुनिक शहरी परिवहन के विकल्प के तौर पर विकसित होने जा रहा है। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के उप-मुख्य सेवा सचिव सुधीर कुमार ने मंगलवार को पटना मेट्रो के प्राथमिकता कॉरिडोर के अंतर्गत आने वाले मलाही पकड़ी से खेमनीचक खंड का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने पटना मेट्रो के प्राथमिकता कॉरीडोर खेमनीचक से मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन तक पटना मेट्रो का परिचालन शुरू किये जाने की तैयारियों का जायजा लिया और सभी तरह के सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। श्री प्रदीप कुमार ने अपने निरीक्षण के क्रम में सुरक्षा और विश्वसनीयता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रणालियों और यात्री सुविधाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यूपीएस कक्ष, लिफ्ट और एस्केलेटर, एएसएस कक्ष, एससीआर कक्ष, प्लेटफॉर्म स्तर का गहन निरीक्षण किया और कॉरिडोर के साथ-साथ ओएचई ऊंचाई माप की भी समीक्षा की। उन्होंने ईएंडएम प्रणालियों और अन्य तकनीकी प्रतिष्ठानों की भी सावधानीपूर्वक जांच की। बता दें कि पटना मेट्रो के प्राथमिकता कॉरीडोर के प्रत्येक निरीक्षण और सभी तरह की जांच ने मेट्रो रेल को परिचालन के अपने लक्ष्य के एक कदम और करीब ले आयी है।

संयुक्त राष्ट्र से बाल विवाह उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। दुनिया भर में जारी बाल विवाह की समस्या पर चिंता जताते हुए भारत के बाल अधिकार कार्यकर्ता और विधिवेत्ता भुवन ऋभु ने संयुक्त राष्ट्र से बाल विवाह उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र के कमीशन ऑन द स्टैटस ऑफ वूमन (CSW) के 70वें सत्र के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दुनिया में आज भी हर तीन सेकेंड में एक बाल विवाह हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने बाल विवाह रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पिछले तीन वर्षों में देश में बाल विवाह की दर 23 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत से नीचे आ गई है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है, इसलिए इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर जवाबदेही और मजबूत कार्रवाई की जरूरत है। कार्यक्रम में सिएरा लियोन की प्रथम महिला डॉ. फातिमा मादा बायो, नेपाल की मंत्री शारदा श्रेष्ठ, संयुक्त राष्ट्र व अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी बाल विवाह समाप्त करने के लिए एक समर्पित अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग का समर्थन किया। कार्यक्रम का आयोजन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन और सिएरा लियोन की प्रथम महिला के कार्यालय के सहयोग से किया गया था। संस्था के अनुसार, उसके नेटवर्क ने सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर पिछले तीन वर्षों में भारत में करीब पांच लाख बाल विवाह रुकवाने में सफलता हासिल की है।

समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण

क्या अब ये बात भरोसे के साथ कही जा सकती है कि न्यायपालिका ने अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है? आखिर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों के जिक्र से बार एसोसिएशन के साथ-साथ प्रधान न्यायाधीश भी आहत हुए। पुस्तक में जिन चुनौतियों का उल्लेख है, उनमें विचाराधीन मुकदमों की विशाल संख्या, न्यायाधीशों की कमी, और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोप शामिल हैं। न्यायपालिका में इससे इतनी नाराजगी फैली कि प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया। कहा कि कि संस्था के प्रमुख के बतौर उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा करना उनका कर्त्तव्य है। उधर बार एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि किताब में संसद में आपराधिक छवि के व्यक्तियों की मौजूदगी और शासन के दूसरे क्षेत्रों में मौजूद भ्रष्टाचार की चर्चा एनसीईआरटी ने क्यों नहीं की? चूंकि न्यायपालिका के पास अवमानना कार्यवाही की ताकत है, इसलिए प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणियों का तुरंत असर हुआ। एनसीईआरटी ने संबंधित किताब पर अफसोस जताते हुए उसकी बिक्री तुरंत रोक दी और उस हिस्से को हटाने का एलान किया, जिस पर विवाद खड़ा हुआ। मगर क्या न्यायपालिका से जुड़े लोग ये बात भरोसे के साथ कह सकने की स्थिति में हैं कि अब उन्होंने अपनी संस्था की प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है? क्या उनके लिए यह प्रश्न उठाना बेहतर नहीं होता कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? क्या यह अधिक उचित एवं सकारात्मक नजरिया नहीं होता कि वे ऐसी धारणा की जड़ तक पहुंचेंगे और उसका निवारण करेंगे? इस बात से कोई इनकार नहीं है कि बात सभी जगहों पर मौजूद खामियों की होनी चाहिए। मगर एक जगह खामी है, तो उससे दूसरे स्थलों पर मौजूद बुराइयों को सही बताने का तर्क तो नहीं मिल जाता? सार्वजनिक लाभ के नजरिए से कहा जाता है कि धूप सर्वश्रेष्ठ कीटाणु नाशक है- यानी पारदर्शिता भूल-सुधार का आरंभिक उपाय है।

सफलता की रीत का नया संगीत

आरती कुमारी

देश और क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों पर खरे उतरते हुए आखिरकार भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप का तोहफा देश को दिया है । इतिहास और पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए फाइनल से पहले जिस तरह सबकी दिल की धड़कनें बढ़ी हुई थी वह इन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती थी। इससे पहले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर हर बार हार का सामना करना पड़ा था न्यूजीलैंड से टी 20 वर्ल्ड कप में हर बार हार मिली थी और कोई भी टीम लगातार दो बार टूर्नामेंट जीत कर खिताब नहीं बचा पाई थी साथ ही साथ अब तक किसी भी देश ने तीन बार टी 20 का वर्ल्ड कप नहीं जीता था लेकिन चुनौतियों और उतार-चढ़ाव से पर पाते हुए इस भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। टी-20 विश्व कप पर लगातार दूसरी बार कब्ज़ा केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की सामूहिक प्रतिभा, धैर्य, रणनीति और संघर्ष की अद्भुत गाथा है। यह जीत उस लंबे सफर का परिणाम है जिसमें कठिन चुनौतियाँ, विवाद, हार-जीत के उतार-चढ़ाव और खिलाड़ियों की अथक मेहनत शामिल रही। इस विश्व कप का सफर आसान नहीं था। टूर्नामेंट से पहले ही उपमहाद्वीप की राजनीति का असर खेल पर दिखाई दिया। पाकिस्तान और बांग्लादेश से जुड़े विवादों तथा विभिन्न कूटनीतिक तनावों ने प्रतियोगिता का मज़ा किरकिरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी । ऐसे में भारतीय टीम को न केवल मैदान पर बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित रहना पड़ा। प्रतियोगिता के दौरान स्टीम ने अपने ग्रुप के दूसरे सारे मैच जीते लेकिन दक्षिण अफ्रीका से मिली हार ने बड़ा झटका दिया। बेशक उस टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा. डटकर आलोचना भी हुई कोच और कप्तान ने भी कड़ा रुख अपनाया लेकिन सच कहें तो उसी मैच ने यह संकेत दिया कि भारतीय टीम अजेय नहीं है और यदि रणनीति में ढिलाई बरती तो विरोधी टीमें अवसर का लाभ उठा सकती हैं। महान टीमों की पहचान होती है कि वे हार से टूटती नहीं बल्कि सीखती हैं। भारत ने भी यही किया,रणनीति बदली, संयोजन सुधारा और लगातार असफल हो रहे अभिषेक और मौके पर पटरी से उतरी गेंदबाजी कर रहे वरुण चक्रवर्ती पर विश्वास जताया, अगले मैचों में और अधिक आक्रामक रूप में मैदान में उतरी और एक चोट ने सारा नज़ारा बदल दिया. परिणाम सामने है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध मुकाबला इस विश्व कप का सबसे निर्णायक मोड़ था। इंग्लैंड की टीम आक्रामक बल्लेबाजी और संतुलित गेंदबाजी डरा देने वाली थी, इसलिए यह मैच भारत की वास्तविक परीक्षा था। भारतीय बल्लेबाजों ने दबाव को अवसर में बदल बड़े स्कोर का पहाड़ खड़ा किया। अप्रत्याशित रूप से बिना दबाव के विस्फोटक तरीके से खेल रहे इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों ने अंतिम क्षणों में संयम और रणनीति के साथ इंग्लैंड की चुनौती को विफल कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में मिली एक तरफा धमाकेदार जीत ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम केवल किसी एक की प्रतिभा से नहीं बल्कि सामूहिक विश्वास और परिपक्वता से लैस है। इस विश्व कप की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि जीत किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम की थी।शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरुआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। तो मध्यक्रम ने उसे गति को बनाए रखा,ऑल-राउंडरों ने बैट और गेंद दोनों से निर्णायक भूमिका निभाई। जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों ने शुरुआती झटके देकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा,

जबकि स्पिनर अक्षर पटेल ने मध्य ओवरों में मैच की दिशा बदल दी। हार्दिक पांड्या ने बैट और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया तो शिवम दुबे ने विस्फोटक परी खेड़ी अब संजू सैमसन तो पूरी प्रतियोगिता में ही तारणहार बने, शिवम दुबे, ईशान किशन और तिलक वर्मा ने मौका मिलते ही अपना काम किया । फ़ाइनल में अभिषेक का जलवा उनकी पिछली विफलताओं को भुला गया। कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्ले से भले ही नहीं चल पाए लेकिन उनकी रणनीति पूरे टूर्नामेंट में विपक्षियों की समझ से बाहर रही। कुल मिलाकर टीम के इस प्रदर्शन को अद्भुत, अप्रतिम और शानदार ही कहा जाएगा। कुछ कमियों के बावजूद फील्डिंग भी भारतीय ताकत बनकर उभरी. अक्षर पटेल और तिलक वर्मा के कैच लंबे समय तक याद किए जाएंगे। इस जीत का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि भारतीय क्रिकेट अब केवल कुछ वरिष्ठ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रही। नई पीढ़ी के खिलाड़ी, युवा बल्लेबाज, तेज गेंदबाज और बहुमुखी ऑल-राउंडर अब जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार दिखाई दे रहे हैं। यह पीढ़ी तकनीक, फिटनेस और मानसिक दृढ़ता के मामले में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है। यही कारण है कि भारतीय टीम कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखने में सफल रही। इस जीत से छोटे शहरों और गांवों से आने वाले लाखों युवाओं को विश्वास मिलेगा कि मेहनत और प्रतिभा से विश्व मंच पर पहुँचना संभव है।खेल अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा, क्रिकेट की सफलता खेल उद्योग, प्रसारण, प्रायोजन और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी।

आगे क्या हो- यह जीत जितनी महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह देखना है कि देश इस उपलब्धि को खेल संस्कृति के व्यापक विकास में कैसे बदलता है। शिक्षा व्यवस्था में खेलों को अनिवार्य और व्यवस्थित बनाया जाना चाहिए। हर जिले में आधुनिक खेल मैदान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ तो यह जीत और भी असरकारी हो जाएगी। बेशक, भारत में क्रिकेट अत्यंत लोकप्रिय है, किंतु हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन, तीरंदाजी और कबड्डी जैसे ग्रामीण पृष्ठभूमि के खेलों में भी अपार संभावनाएँ हैं। यदि इन खेलों को भी संरचना और संसाधन मिलें, तो भारत बहु-खेल महाशक्ति बन सकता है। देश की वास्तविक प्रतिभा गांवों और छोटे कस्बों में छिपी है। वहाँ से खिलाड़ियों को खोजने और प्रशिक्षित करने की व्यावहारिक और असरदार राष्ट्रीय स्तर की योजना बननी चाहिए। आधुनिक खेलों में फिटनेस, पोषण, डेटा विश्लेषण और खेल विज्ञान की भूमिका बढ़ती जा रही है। भारत को इन क्षेत्रों में भी निवेश बढ़ाना होगा। भारतीय टीम की यह ऐतिहासिक जीत केवल क्रिकेट का गौरव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। आवश्यकता इस बात की है कि इस विजय को केवल उत्सव तक सीमित न रख, ऐसी खेल संस्कृति के निर्माण का आधार बनाया जाए जिसमें हर बच्चा मैदान तक पहुँचे, हर प्रतिभा को अवसर मिले और भारत विश्व खेल मंच पर हर क्षेत्र में चमकता दिखाई दे।

इंदौर में 125 फीट नीचे बनेगा "मेट्रो स्टेशन"

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

स्वच्छता, नवाचार और तेज शहरी विकास के लिए देशभर में पहचान बना चुका इंदौर अब मेट्रो परियोजना के माध्यम से एक और इतिहास रचने की ओर अग्रसर है। मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत छोटा गणपति क्षेत्र में प्रस्तावित अंडरग्राउंड स्टेशन न केवल शहर की यातायात व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा, बल्कि यह इंदौर का अब तक का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन भी होगा। मिट्टी परीक्षण (Soil Investigation) रिपोर्ट के बाद लिए गए फैसले के अनुसार, यह स्टेशन जमीन से करीब 38 मीटर (लगभग 125 फीट) नीचे बनाया जाएगा। आमतौर पर जहां अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन 22 से 25 मीटर की गहराई पर बनते हैं, वहीं छोटा गणपति स्टेशन का यह नया डिजाइन इसे तकनीकी दृष्टि से भी खास बनाता है। इंदौर मेट्रो परियोजना मध्यप्रदेश के सबसे महत्वाकांक्षी शहरी परिवहन प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह परियोजना मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के माध्यम से संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य शहर की बढ़ती आबादी, यातायात दबाव और प्रदूषण की समस्या को कम करते हुए सुरक्षित, तेज़ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। मेट्रो नेटवर्क का एक बड़ा हिस्सा एलिवेटेड है, लेकिन शहर के व्यस्त और ऐतिहासिक क्षेत्रों में अंडरग्राउंड सेक्शन को प्राथमिकता दी गई है, ताकि सतह पर कम से कम दखल हो। छोटा गणपति इलाका इंदौर के पुराने और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है। यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यहां सड़कें अपेक्षाकृत संकरी हैं, आसपास पुराने भवन और व्यस्त बाजार मौजूद हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र में मेट्रो स्टेशन का निर्माण शुरू से ही एक चुनौतीपूर्ण कार्य माना जा रहा था। स्थानीय लोगों की आशंकाएं, बगीचे की जमीन, आसपास के निर्माण और धार्मिक आस्थाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन पर विशेष सावधानी बरती गई है। मिट्टी परीक्षण किसी भी बड़े निर्माण प्रोजेक्ट की बुनियाद होता है। इसके जरिए जमीन की परतों, उनकी मजबूती, जलस्तर और चट्टानी संरचना की जानकारी मिलती है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा कराए गए परीक्षण में सामने आया कि ऊपरी परत अपेक्षाकृत सॉफ्ट सॉइल की है और हार्ड रॉक (पथरीली परत) अपेक्षा से काफी नीचे, लगभग 125 फीट गहराई पर मिली है। सामान्य परिस्थितियों में यदि हार्ड रॉक ऊपर मिल जाती है, तो स्टेशन कम गहराई पर बनाया जा सकता है। लेकिन यहां ऐसा न होने के कारण स्टेशन को और गहराई तक ले जाने का फैसला किया गया है। गहराई में स्थित हार्ड रॉक पर निर्माण करने से स्टेशन की मजबूती और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित होता है। ऊपरी सतह के पास खुदाई करने से पुराने भवनों में दरारें, धंसाव या कंपन की आशंका रहती है। अधिक गहराई पर निर्माण से यह जोखिम कम होता है। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अनुसार, स्टेशन को गहराई पर बनाने से सतह पर कम जगह घिरेगी और बगीचे की निर्धारित जमीन के अलावा अतिरिक्त भूमि की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्षेत्र में चल रहे विरोध को देखते हुए यह स्पष्ट किया गया कि किसी भवन को तोड़ने की नौबत नहीं आएगी। 125 फीट नीचे स्टेशन बनाना आसान काम नहीं है। इसके लिए आधुनिक इंजीनियरिंग और विशेष तकनीकों का सहारा लिया जाएगा। टनल बोरिंग मशीन (TBM), हाई-पावर ड्रिलिंग और कटिंग उपकरण, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, कंपन और धंसाव मापने के सेंसर, आपातकालीन निकासी व्यवस्था और गहराई में जलस्तर का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि पानी रिसाव से संरचना को नुकसान न पहुंचे। भारत में कुछ शहरों में गहरे अंडरग्राउंड स्टेशन पहले से मौजूद हैं, लेकिन इंदौर का छोटा गणपति स्टेशन मध्यप्रदेश में अपनी तरह का पहला उदाहरण होगा। दिल्ली मेट्रो औसतन 20-30 मीटर, मुंबई मेट्रो (कुछ सेक्शन) 30-35 मीटर, इंदौर (छोटा गणपति): 38 मीटर (125 फीट)। यह इंदौर को तकनीकी रूप से अग्रणी शहरों की कतार में खड़ा करता है। छोटा गणपति के साथ-साथ एमजी रोड क्षेत्र में भी अंडरग्राउंड स्टेशन का काम तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। एमडी रोड थाने के पीछे स्थित खेल मैदान क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग हटाई गई। पोकलेन मशीनों से गहरी खुदाई जारी है। बड़ा गड्ढा तैयार कर स्ट्रक्चरल कार्य की तैयारी चल रही है। यह स्टेशन शहर के व्यावसायिक केंद्र को मेट्रो नेटवर्क से सीधे जोड़ेगा। शुरुआत में छोटा गणपति क्षेत्र के निवासियों में चिंता थी कि क्या घरों को नुकसान होगा? क्या बगीचे और सार्वजनिक स्थान खत्म हो जाएंगे? मेट्रो कॉर्पोरेशन की तकनीकी प्रस्तुति और आश्वासनों के बाद अब कई लोग इसे विकास की दिशा में जरूरी कदम मानने लगे हैं। अंडरग्राउंड स्टेशन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सतह पर दृश्य प्रदूषण कम होता है। पेड़ों और खुले स्थानों को बचाया जा सकता है। ट्रैफिक बाधित हुए बिना निर्माण संभव होता है। इंदौर जैसे शहर के लिए यह संतुलन बेहद अहम है। मेट्रो स्टेशन के आसपास व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। निर्माण और संचालन के दौरान हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। मेट्रो कनेक्टिविटी से आसपास के इलाकों की संपत्ति का मूल्य बढ़ेगा। आधुनिक आर्किटेक्चर, हाई-स्पीड लिफ्ट और एस्केलेटर, दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधाएं, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी और स्मार्ट कंट्रोल सिस्टम युक्त यह स्टेशन केवल एक ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि आधुनिक शहरी जीवन का प्रतीक होगा। छोटा गणपति जैसे पारंपरिक और आस्था से जुड़े क्षेत्र में अत्याधुनिक मेट्रो स्टेशन का निर्माण यह दिखाता है कि इंदौर कैसे परंपरा और तकनीक के बीच संतुलन साध रहा है। 125 फीट नीचे बनने वाला छोटा गणपति मेट्रो स्टेशन केवल इंजीनियरिंग की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह इंदौर की विकासशील सोच, तकनीकी क्षमता और संवेदनशील शहरी नियोजन का प्रमाण है। यह परियोजना बताती है कि अगर योजना, तकनीक और संवाद सही हो, तो विकास और विरासत दोनों साथ चल सकते हैं। आने वाले वर्षों में जब यात्री इस गहरे स्टेशन से मेट्रो में सफर करेंगे, तो यह इंदौर के बदलते चेहरे और भविष्य की दिशा की एक जीवंत मिसाल होगी।

मेष राशिः आज का दिन आपको लाभ दिलाने वाला है। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगाएंगे। आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी भागीदारी रहेगी। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन व्यस्तता से भरा होगा। कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं बाधाएं दूर होंगी। विद्यार्थियों की मेहनत आज रंग लाएगी।

वृष राशि : आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद होने के असार है। आपके क्रोध के कारण बना हुआ काम.. बिगड़ भी सकता है, इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा। सुबह के समय वर्क आउट शुरू करने से आपकी सेहत अच्छी होगी। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर मिलेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। यदि आज आप नया व्यवसाय शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ साथ ही आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद भी मिलेगी। उधार के पैसे आज वापस मिल सकते हैं। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आज आपके करियर में सार्थक बदल ला सकती है।

सिंह राशिः आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी। आज घर के बड़े-बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी। आज आपको अपनी मनपसंद चीज मिल सकती है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आपके फेवर में आयेगा।

कन्या राशिः आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आप अपने कुशल प्रबंधन से रोजगार के नए संसाधन विकसित करने में सफल होंगे। आज कार्यक्षेत्र में भी चुनौतियों का सामना करने अपनी प्रतिभा का उचित प्रदर्शन से सभी को स्तब्ध कर देंगे। अपने काम और वैवाहिक जीवन के मध्य संतुलन बनाकर रखें। आपके मिलनसार स्वभाव से लोग बहुत प्रभावित आपका मन सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा हो सकता है। आप पिछले छूटे कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। साथ ही किसी भी तरह का बड़ा निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर रहेगा। इस राशि की बिजनेस वुमेन बड़ी डील फाइनल कर सकती हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार उत्सव जैसा वातावरण हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। बच्चों के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको केटरिंग के व्यवसाय में बड़ा ऑफर मिलने से बढ़िया धन लाभ होने की संभावना है।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद लाभ का योग बन रहा है। बेवजह की भाग दौड़ से बचें। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान होगा। आपके अच्छे काम से उच्चाधिकारी खुश होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। महिलाएं अपने बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएगी।

मकर राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप स्वास्थ्य रहेंगे। विद्यार्थियों को आज अपने गुरुजनों का भरपूर साथ और सहयोग मिलेगा। आज आपको घर को डेकोरेट करने का मन करेगा और आप ऐसा करेंगे भी।

कुंभ राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बनाएंगे, जिससे रिश्तों में मिठास आयेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज शाम दोस्तों के साथ मूवी देखने का प्लान बन सकता है। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस करना चाहती है वो पार्ट टाइम वर्क से अपनी अच्छी शुरुआत कर सकती हैं। आज समय अनुकूल है, लेकिन मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल करने के लिए कर्म प्रधान होना पड़ेगा।

नेपाल की बदलती राजनीति : राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी का उदय और बालेन शाह का उभरता नेतृत्व

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार, बिहार

दक्षिण एशिया की राजनीति में नेपाल का स्थान सदैव अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। हिमालय की गोद में स्थित यह छोटा किन्तु रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील राष्ट्र केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनीतिक दृष्टि से भी भारत तथा समूचे दक्षिण एशिया के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत और चीन जैसी दो बड़ी शक्तियों के बीच स्थित नेपाल की राजनीति अक्सर क्षेत्रीय तथा वैश्विक समीकरणों से प्रभावित होती रही है। यही कारण है कि नेपाल में होने वाले राजनीतिक परिवर्तन केवल नेपाल तक सीमित नहीं रहते बल्कि उनका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य पर भी दिखाई देता है। पिछले दो दशकों में नेपाल ने जिस ऐतिहासिक राजनीतिक परिवर्तन का अनुभव किया है वह पूरे विश्व के लिए अध्ययन का विषय रहा है। लगभग ढाई सौ वर्षों तक चली राजशाही व्यवस्था का अंत वर्ष 2008 में हुआ और नेपाल एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ। यह परिवर्तन केवल शासन प्रणाली का परिवर्तन नहीं था बल्कि नेपाल के सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचे में व्यापक बदलाव की शुरुआत भी था। राजशाही के अंत के बाद नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना तो हुई, लेकिन स्थिर राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने में काफी समय लगा। बार-बार बदलती सरकारें, अस्थिर गठबंधन, दलों के बीच संघर्ष, भ्रष्टाचार के आरोप, प्रशासनिक अक्षमता और विकास की धीमी गति ने नेपाल की जनता को निराश किया। जनता को यह महसूस होने लगा कि पारंपरिक राजनीतिक दल सत्ता की राजनीति में अधिक व्यस्त हैं जबकि आम जनता के जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दे पीछे छूटते जा रहे हैं। नेपाल की राजनीति लंबे समय तक कुछ प्रमुख दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। नेपाली कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट) तथा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) जैसे दल दशकों तक सत्ता के प्रमुख केंद्र रहे। इन दलों ने नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ-साथ जनता के बीच यह भावना भी विकसित हुई कि पारंपरिक राजनीतिक नेतृत्व अब नई पीढ़ी की अपेक्षाओं और आधुनिक प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरी तरह पूरा नहीं कर पा रहा है। यही असंतोष धीरे-धीरे एक नई राजनीतिक चेतना के रूप में उभरने लगा। नेपाल के युवाओं, शिक्षित वर्ग और शहरी मध्यमवर्ग के बीच यह विचार तेजी से फैलने लगा कि देश को एक नई प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है—ऐसी राजनीति जो भ्रष्टाचार मुक्त हो, पारदर्शी हो, प्रशासनिक रूप से सक्षम हो और आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने का स्पष्ट दृष्टिकोण रखती हो। इसी पृष्ठभूमि में नेपाल की राजनीति में एक नई शक्ति का उदय हुआ जिसे आज राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी का गठन वर्ष 2022 में हुआ और बहुत कम समय में इसने नेपाल की राजनीति में उल्लेखनीय पहचान बना ली। इस पार्टी की स्थापना प्रसिद्ध पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता रवि लामिछाने ने की। पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्होंने भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अनियमितताओं और राजनीतिक जवाबदेही के मुद्दों को लगातार उठाया था। इसी कारण वे जनता के बीच पहले से ही लोकप्रिय थे। राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी ने स्वयं को पारंपरिक राजनीति से अलग एक नई राजनीतिक धारा के रूप में प्रस्तुत किया। इस पार्टी का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष, पारदर्शी प्रशासन, जवाबदेह शासन व्यवस्था, युवा नेतृत्व और

आधुनिक तकनीक आधारित प्रशासन को बढ़ावा देना है। यही कारण है कि नेपाल के युवाओं और शिक्षित वर्ग के बीच इस पार्टी को व्यापक समर्थन मिला। राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी का उदय केवल एक राजनीतिक घटना नहीं बल्कि नेपाल की लोकतांत्रिक चेतना में एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। इसने यह संकेत दिया कि नेपाल की जनता अब केवल पारंपरिक राजनीतिक नारों से संतुष्ट नहीं है। वे ऐसी राजनीति चाहते हैं जो रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक सुधार और आर्थिक विकास जैसे वास्तविक मुद्दों को प्राथमिकता दे। नेपाल की नई राजनीति की चर्चा जब भी होती है तो एक नाम विशेष रूप से सामने आता है—बालेन शाह। बालेन शाह, जिनका पूरा नाम बालेन्द्र शाह है, नेपाल की नई पीढ़ी के नेतृत्व का एक प्रतीक बनकर उभरे हैं। वे नेपाल की राजधानी काठमांडू के महापौर के रूप में व्यापक पहचान रखते हैं और नेपाल के युवाओं के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं। बालेन शाह का जन्म 27 अप्रैल 1990 को काठमांडू में हुआ। उनका परिवार एक साधारण मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि से संबंधित है। बचपन से ही वे पढ़ाई-लिखाई में तेज थे और सामाजिक गतिविधियों में भी रुचि लेते थे। उनके परिवार का वातावरण शिक्षित और सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ था, जिसने उनके व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा काठमांडू में प्राप्त की और बाद में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इंजीनियरिंग शिक्षा ने उन्हें तकनीकी दृष्टिकोण और आधुनिक प्रशासनिक सोच प्रदान की। यही कारण है कि उनकी राजनीति में तकनीकी सोच और व्यावहारिक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। बालेन शाह का व्यक्तित्व केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। वे नेपाल के लोकप्रिय हिप-हॉप कलाकारों में भी गिने जाते हैं। अपने संगीत के माध्यम से उन्होंने सामाजिक मुद्दों को उठाया और युवाओं के बीच एक अलग पहचान बनाई। यही कारण है कि वे नेपाल की युवा पीढ़ी के बीच एक सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रतीक के रूप में स्थापित हुए। वर्ष 2022 में उन्होंने काठमांडू महानगर के मेयर पद के लिए चुनाव लड़ा और पारंपरिक राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की। यह जीत केवल एक स्थानीय चुनाव की जीत नहीं थी बल्कि नेपाल की राजनीति में नए नेतृत्व की स्वीकार्यता का संकेत भी थी। काठमांडू के मेयर के रूप में बालेन शाह ने प्रशासनिक सुधार और शहरी व्यवस्था को बेहतर बनाने के कई प्रयास किए। अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई, शहरी अव्यवस्था को नियंत्रित करने के प्रयास और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देने जैसे कदमों ने उन्हें एक सख्त लेकिन लोकप्रिय प्रशासक के रूप में स्थापित किया। नेपाल और भारत के संबंध ऐतिहासिक रूप से अत्यंत गहरे रहे हैं। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, धार्मिक परंपराएँ, सांस्कृतिक समानता और सामाजिक संबंधों की लंबी परंपरा है। नेपाल के मधेश क्षेत्र और भारत के बिहार-उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक समानता विशेष रूप से दिखाई देती है। बालेन शाह स्वयं को कई बार मधेश का बेटा बताते हुए भी नजर आए हैं। नेपाल के मधेश क्षेत्र की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान भारत के मिथिला क्षेत्र से काफी मिलती-जुलती है। मैथिली भाषा दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ती है। बालेन शाह को नेपाली के साथ-साथ मैथिली में भी बोलते हुए देखा गया है, जिससे मधेश क्षेत्र के लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। नेपाल की राजनीति में कम्युनिस्ट नेतृत्व भी लंबे समय तक प्रभावी रहा है। केपी शर्मा ओली जैसे नेता नेपाल की कम्युनिस्ट राजनीति के प्रमुख चेहरों में से रहे हैं। उनकी राजनीति अक्सर चीन के साथ निकटता के कारण चर्चा में रही है। लेकिन नेपाल की नई पीढ़ी अब केवल विचारधारात्मक राजनीति से आगे बढ़कर विकास, सुशासन और प्रशासनिक सुधार जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है। यही कारण है कि नई राजनीतिक शक्तियों को समर्थन मिल रहा है। नेपाल की विदेश नीति पर भी इस नई राजनीति का प्रभाव पड़ सकता है। नेपाल लंबे समय से भारत और चीन के बीच संतुलन की नीति अपनाता रहा है। लेकिन नेपाल की नई पीढ़ी यह भी चाहती है कि देश की विदेश नीति राष्ट्रीय हितों के आधार पर अधिक स्वतंत्र और संतुलित हो। भारत और नेपाल के संबंध सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित हैं। धार्मिक यात्राएँ, सामाजिक संबंध और आर्थिक सहयोग दोनों देशों को एक दूसरे से गहराई से जोड़ते हैं। नेपाल की नई राजनीतिक शक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इन संबंधों को और अधिक मजबूत बनाएंगी। नेपाल की राजनीति आज परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। पारंपरिक दल अभी भी मजबूत हैं, लेकिन नई राजनीतिक शक्तियों का उदय यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता बदलाव चाहती है। यदि राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी और बालेन शाह जैसे नेता अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए प्रभावी प्रशासन दे पाते हैं तो यह नेपाल की राजनीति में दीर्घकालिक परिवर्तन का कारण बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग पुलिस अधीक्षक ने दिए निर्देश शोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर, अमर्यादित वीडियो फोटो टीका टिप्पणी पर्व के दौरान करने पर होगी कार्यवाही

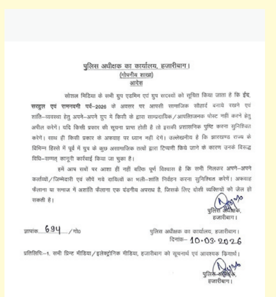

हजारीबाग। जिला मुख्यालय के टाटीझरिया, दारू ,इचाक बड़कागांव,केरेडारी, विष्णुगढ़,बरकट्ठा चौपारण ,सदर मुसफिल,गोरहर , लो ह सिं घ ना , को र्रा , चु र चू ,कटकमसांडी ,चौपारण ,पदमा थाना क्षेत्र समेत अन्य विभिन्न गांवो कस्बे के लोगों से हजारीबाग जिला पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने क्षेत्रवासियों से वाट्सएप ,फेसबुक, इंस्टाग्राम ट्यूटर टेलीग्राम यूट्यूब ग्रुप के सभी संचालकों से आग्रह किया कि आगामी रामनवमी ईद सरहुल पर्व के अवर पर अमर्यादित वीडियो फोटो वायरल एवं टीका टिप्पणी प्रतिक्रिया अफवाह वाली खबर साझा करने से परहेज करे चुकी स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन का हरेक ग्रुप पर पैनी नजर रखी जाएगी। चुकी पूर्व में भी इस प्रकार की कृत्य करने वाले मनचले प्रवृति के लोगों सहित अन्य वाट्सएप समूह संचालकों पर प्रशासनिक कार्यवाही की जा चुकी है और आगे भी विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी। इसलिए समूह वाट्सएप समूह आदि अन्य सोशल मीडिया के संचालक विशेष रूप से ध्यान आकृष्ट करने की जरूरत है अन्यथा ग्रुप एडमिन पर ही निश्चिंत रूप से स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन के ओर से शान्ति व्यवस्था भंग करने के आरोप में कार्यवाही हो सकती है और वे जेल भी जा सकते हैं।

साहिबगंज महाविद्यालय की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण अनिवार्य- राजमहल विधायक

साहेबगंज। राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न के तहत साहिबगंज महाविद्यालय के क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवॉल यास तूफान के दौरान क्षतिग्रस्त होने एवं बाउंड्री वॉल नहीं होने के कारण महाविद्यालय परिसर असुरक्षित होने व असामाजिक तत्वों के प्रवेश को लेकर मामला सदन में उठाए हैं. उन्होंने सदन को अवगत कराया है कि साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज जिला के लिए एक विशेष गौरव का प्रतीक है और उच्च स्तरीय शिक्षा का संस्थान केंद्र बिंदु है इसलिए यहां की सुरक्षा अनिवार्य है. विधायक के प्रश्न पर झारखंड सरकार उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने उत्तर देते हुए कहा है कि झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड रांची के माध्यम से बाउंड्री वॉल निर्माण का भौतिक निरीक्षण करते हुए डीपीआर यथाशीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिस पर प्राथमिकता के आधार पर प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करते हुए बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाएगा।

घरेलू विवाद में मारपीट पति-पत्नी घायल

राजमहल। थाना क्षेत्र के कन्हैया स्थान में मंगलवार सुबह घरेलू विवाद के दौरान पति-पत्नी के बीच मारपीट हो गई, जिसमें दोनों घायल हो गए। जानकारी के अनुसार नंदलाल राय (50) और उनकी पत्नी विभा देवी (35) के बीच किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। बताया जाता है कि नशे की हालत में पति ने पत्नी की पिटाई कर दी, जिसके बाद पत्नी ने भी विरोध करते हुए जोरदार मारपीट की। घटना में दोनों घायल हो गए। परिजनों ने दोनों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर कुमार सौरव ने दोनों का इलाज किया। मामले की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है।

जिला प्रशासन ने किया कार्यवाही मंगला जुलूस में बजाए जा रहे एक डीजे सेट साउंड जब्त

हजारीबाग। जिला प्रशासन ने उच्च न्यायालय रांची के निर्देशानुसार रामनवमी ईद सरहुल पर्व-त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार के डीजे साउंड का उपयोग करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया है। इस संबंध में जिला प्रशासन हजारीबाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है।इसी दौरान मंगला जुलूस के डीजे साउंड की प्रयोग की खबर मिलने पर जिला प्रशासन एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक डीजे एम आर डीजे एंड लाइट साउंड प्रो .राहुल राज ,मुकेश कुमार इचाक बोंगा निवासी के साउंड को नियमावली के विरुद्ध साउंड बजाने पर जब्त कर लिया गया है। हालांकि हजारीबाग पुलिस अधीक्षक समेत अन्य पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से पूर्व में ही शांति समिति के दौरान आग्रह किया था कि आगामी पर्व त्यौहार में डीजे साउंड बजने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।अखाड़े के लोग पूर्व की भांति इस बार भी ताशा पार्टी जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों का प्रयोग कर सकते हैं।

ट्रैक्टर की टक्कर से नानी की मौत, नाती गंभीर रूप से घायल

राजमहल/ साहिबगंज।राजमहल अनुमंडल अंतर्गत राधानगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उनका नाती गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा दक्षिण पियारपुर स्थित आकुनबन्ना नाशघाट के समीप उस समय हुआ जब तेज रफ्तार मिट्टी लदे ट्रैक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पियारपुर निवासी आरिफ शेख (30) अपनी नानी हविलान बीबी (50) को बाइक से किसी कार्य से उधवा लेकर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और दोनों घायलों को तुरंत उठाकर इलाज के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर सौरभ कुमार ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन दोनों की हालत गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि दोनों को इलाज के लिए भागलपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में बोरियो के पास हविलान बीबी की हालत बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं आरिफ शेख का इलाज जारी है और उन्हें आगे के उपचार के लिए रेफर किया गया है।घटना की सूचना मिलने पर राधानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। एएसआई ओमप्रकाश चौहान पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई में जुटे हैं। पुलिस फरार ट्रैक्टर चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

रामनवमी मंगला जुलूस को लेकर जिला प्रशासन ने क्षेत्र निरीक्षण के लिए किया पैदल मार्च

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। आगामी रामनवमी एवं मंगला जुलूस को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जुलूस के निर्धारित मार्गों का रूट वेरिफिकेशन एवं निरीक्षण किया गया। इस क्रम में जिला प्रशासन ने सीसीआर से पेट्रोलिंग की शुरुआत की, जो इंद्रपुरी चौक, नूरा, पगमिल, छड़वा डैम होते हुए झंडा चौक पहुंची। इसके उपरांत प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का प्रदर्शन करते हुए बड़ा अखाड़ा, पंच मंदिर चौक से होते हुए जामा मस्जिद रोड तक फ्लैग मार्च किया गया। जिला प्रशासन ने माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि पर्व-त्योहारों के दौरान डीजे के प्रयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग करें। रामनवमी पर्व 2026 के अवसर पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मंगला जुलूस के दौरान विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु कई स्थानों पर जोनल दंडाधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं लाठी बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने निर्धारित स्थैतिक स्थानों पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, अपर समाहर्ता संतोष सिंह, सहायक समाहर्ता आनंद शर्मा, भू-अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार, डीआरडीए निदेशक देवप्रिया, जिला परिवहन पदाधिकारी वैद्यनाथ कामती, डीपीआरओ रोहित कुमार सहित कई अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर आएंगे कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सीडब्ल्यूसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू 11 से 13 मार्च तक झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी विभिन्न कार्यक्रमों में उनके साथ मौजूद रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 मार्च को के. राजू नई दिल्ली से रांची पहुंचेंगे। रांची आगमन के बाद वे खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड में आयोजित ब्लॉक संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां नगर भवन में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के साथ संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करेंगे और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर मार्गदर्शन देंगे। उसी दिन शाम को वे रांची स्थित झारखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित दावत-ए-इफ्तार कार्यक्रम में भी भाग लेंगे, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और विभिन्न समाज के लोग उपस्थित रहेंगे। 12 मार्च को के. राजू रांची से जमशेदपुर जाएंगे, जहां वे पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और आगामी राजनीतिक रणनीति पर चर्चा करेंगे। वहीं 13 मार्च को वे पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांदा में आयोजित ब्लॉक संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और कार्यकर्ताओं को आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश देंगे। इसके बाद वे रांची लौटकर हैदराबाद के लिए प्रस्थान करेंगे।

संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही हेमंत सरकार : प्रतुल शाह देव

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने झारखंड की हेमंत सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोकायुक्त, सूचना आयोग, महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में लंबे समय से नियुक्तियां नहीं कर रही है, जिससे ये संस्थाएं लगभग निष्क्रिय हो गई हैं। प्रतुल शाह देव ने कहा कि झारखंड हाई कोर्ट की कड़ी फटकार के बावजूद सरकार इन पदों पर नियुक्ति करने में टालमटोल कर रही है। यह न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति सरकार की असंवेदनशीलता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं के संचालन के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन पद रिक्त रहने के कारण जनता को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है। कार्यालय, भवन और कर्मचारियों पर खर्च होने के बावजूद न्याय और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाली संस्थाएं प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रही हैं। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही से बचने के लिए इन संस्थाओं को सक्रिय नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त भ्रष्टाचार पर निगरानी रखता है, सूचना आयोग पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और महिला व बाल आयोग समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। प्रतुल शाह देव ने कहा कि बार-बार हाई कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। भाजपा ने सरकार से मांग की है कि इन सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति कर संस्थाओं को सक्रिय किया जाए।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए समस्या समाधान का आदेश

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। जिला उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित कर विधि-सम्मत जांच करते हुए त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।जनता दरबार में हजारीबाग शहर निवासी सरफराज अहमद ने शहर में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश (नो-एंट्री) का समय बढ़ाने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने सदर एसडीओ, ट्रैफिक डीएसपी एवं सहायक नगर आयुक्त को मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं ग्राम पंचायत पांडु, केरेडारी की मुखिया सकिबा खातून ने अपने क्षेत्र के पुनर्वास स्थलों पर बिजली, सड़क, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को समग्र पुनर्वास परियोजना के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसी क्रम में ग्राम पंचायत खरना की मुखिया निर्मला देवी ने ग्राम गडरबारा स्थित चुंड़रमांड़ो के समीप सगधोवा नदी पर पुल निर्माण कराने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने डीडीसी एवं डीपीओ को विष्णुगढ़ बीडीओ से जांच प्रतिवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त केरेडारी थाना क्षेत्र के ग्राम हिंदेगीर निवासी कलेश्वरी देवी ने भूमि का सीमांकन कर मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने केरेडारी अंचलाधिकारी को मामले का निष्पादन कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।जनता दरबार में भूमि मापी, दाखिल-खारिज, विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता तथा मुआवजा से संबंधित कई अन्य मामले भी प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी मामलों को संबंधित पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा फरियादियों को निष्पक्ष एवं समयबद्ध न्याय का भरोसा दिलाया।

नीति आयोग ने भ्रमण में मशरूम उत्पाद से आजीविका के बढावा को सराहा

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत जिला प्रशासन के पहल पर नीति आयोग, भारत सरकार ने भ्रमण -2026 कार्यक्रम के दौरान विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण और समीक्षा किया। नीति आयोग के उपसचिव, अरबिन्द कुमार और हेमन्त कुमार मशरूम उत्पाद और उसके बाजारीकरण की सुविधा की सराहना किया। इसके पूर्व समहरणालय, गुमला के सभागार में उपायुक्त, प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में हुई बैठक में नीति आयोग के सभी परियोजनाओं का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत की। प्रतिवेदन पर नीति आयोग के टीम संतुष्ट हुई। आकांक्षी जिला के डुमरी प्रखण्ड के औरापाट में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का आदिवासी के परम्परागत गीत संगीत के साथ अभिनन्दन किया गया। सभी को अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। मौक पर जिला परियोजना पदाधिकारी, रमण कुमार और डुमरी प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास नपदाधिकारी ने मशरूम उत्पाद, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित विभिन्न परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा किया। एबीपी एग्रीगेट के राज्य प्रमुख,अनमोल कुमार, नवीन कुमार,विभा, सुमन,आई एस डी जी के अशीष वर्मन ने संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

एचईसी मुख्यालय पर सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी का महाधरना, विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। एचईसी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी के बैनर तले सोमवार को एचईसी मुख्यालय परिसर में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक महाधरना एवं प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सोसाइटी के अध्यक्ष मंगल शर्मा, महासचिव पारस शर्मा और कोषाध्यक्ष हरि नारायण पंडित ने किया। इस दौरान जेपी मिश्रा, जगमोहन मेहता, हरेंद्र सिंह समेत कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। धरना के दौरान संगठन के सदस्यों ने एचईसी प्रबंधन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इनमें लीज क्वार्टर का नवीकरण, वैलनेस सेंटर में समुचित इलाज की व्यवस्था, शिवरेज लाइन की नियमित सफाई, जिन क्वार्टरों में पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है या शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है वहां के पानी शुल्क को माफ करने की मांग शामिल है। इसके अलावा रिटायर कर्मचारियों की बकाया राशि का शीघ्र भुगतान, कर्मचारी और ठेका मजदूरों के बकाया वेतन का भुगतान तथा वेतन का नियमित समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने एचईसी के खाली क्वार्टरों और खाली पड़ी जमीन को लीज पर देकर संस्थान को आर्थिक रूप से मजबूत करने का भी सुझाव दिया। धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में नगरवासियों ने भाग लिया और एचईसी प्रबंधन, संबंधित अधिकारियों तथा सरकार तक अपनी समस्याएं पहुंचाने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल व उधवा सीएचसी का सीएस निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज। राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल व उधवा सीएचसी का जिले के सिविल सर्जन रामदेव पासवान व डॉक्टर किरण माला ने मंगलबार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल एवं उधवा सीएचसी में स्वास्थ्य व्यवस्था से संबंधित कई जानकरी हासिल किए। इस दौरान सिविल सर्जन ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि काम में कोई लापरवाही बरतने वाले डॉक्टर या कर्मी को बख्शा नही जाएगा। इसे लेकर राजमहल अनुमंडलीय सदर अस्पताल एवं उधवा सीएचसी चिकित्सा प्रभारी को कहा कि जो स्वास्थ विभाग के लोग काम में कोताई बरते हे वैसे कर्मचारियों पर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिए है। वही निरीक्षण के दौरान ओपीडी, आईपीडी, ब्लड लैब आदि का जायजा भी लिया।निरीक्षण करने का मुख्य उपदेश समय पर अपने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर, एवं जीएनएम, एएनएम,कर्मचारीगण अपने ड्यूटी पर मौजूद है कि नहीं ओर सभी वार्डो में जाकर रोगियों से पूछताछ किया ओर जानकारी हासिल किया।उन्होंने यह भी बताया कि सोमवार को सुबह से लेकर अभी रात्रि तक सात प्रसव महिला का सिजेरियन डॉक्टर सालखू चंद्र हांसदा,डॉक्टर स्नेहलता ने किया।ओर सिविल सर्जन ने बताया कि डॉक्टर,जीएनएम, एएनएम,कर्मचारीगण समय सीमा से आ जा रहे हैं।की नहीं ।मौके पर मौजूद डॉक्टर किरण माला,डीपीएम ,क्लर्क दिलीप कुमार सिंह,ओर अन्य लोग मौजूद थे।

रामनवमी को लेकर उपायुक्त पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए कई मुख्य निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर जिले में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। इसी क्रम में आज उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से शहर के प्रमुख स्थल झंडा चौक पहुंचकर रामनवमी पर्व के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं और आमजनों की सुविधा तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने जुलूस मार्गों पर सुदृढ़ बैरिकेटिंग, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग व्यवस्था, सड़कों के ऊपर झूल रहे बिजली एवं केबल के तारों को व्यवस्थित करने, साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा विधि-व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि पर्व के दौरान भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि रामनवमी का पर्व जिले में शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

मोटर साइकिल को लेकर अनियंत्रित होकर पुलिया से गिरा चालक

नई सोच एक्सप्रेस

टाटीझरिया। थाना क्षेत्र के विष्णुगढ़ हजारीबाग जाने वाले मुख्य मार्ग एनएच 522 अंतर्गत बेनी पुल के नीचे 10 मार्च 2026 दिन मंगलवार को अनियंत्रित होकर गिर गया।चालक गंभीर रूप से घायल हो गया ।बहुत ही मशक्कत से राहगीरों और ग्रामीणों की मदद से बाइक चालक को पुल के नीचे से निकाला गया। चालक टीवीएस अपाची बाइक गाड़ी संख्या जेएच 15Y 6805 है। प्रत्यक्ष दर्शियों राहगीरों के मुताबित बताया जाता है कि विपरीत दिशा से आ रही मोटर साइकिल चालक बेनी पुल के नीचे अनियंत्रित होकर गिर गया। खैर स्थानीय क्षेत्रीय थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार को घटना की जानकारी दी गई । थाना प्रभारी ने मामले को संज्ञान में लेकर तत्त्वरीय कार्यवाही करते हुए गस्ति दल को घटना स्थल पर सत्यापित के लिए भेजा । गस्ति दल ग्रामीणों ग्रामीण एवं राहगीरों की सहायता से घायलावस्था में लोगों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज (सदर अस्पताल) भेज दिया गया। हालांकि युवक मिली जानकारी के मुताबित जमुई निवासी की होने की खबर लिखे जाने तक मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

बाबूपुर पंचायत में केंद्रीय स्पेशल ऑडिट टीम ने किया मनरेगा योजनाओं का निरीक्षण

साहिबगंज। ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली की केंद्रीय स्पेशल ऑडिट टीम ने मंगलवार को राजमहल प्रखंड के बाबूपुर पंचायत का दौरा किया। इस दौरान टीम ने पंचायत सचिवालय बाबूपुर पहुंचकर मनरेगा की विभिन्न योजनाओं से संबंधित अभिलेखों की जांच की तथा योजनाओं का स्थल निरीक्षण भी किया।पंचायत सचिवालय बाबूपुर में बीपीओ श्वेता और गगन बापू ने टीम के सदस्यों का स्वागत किया। टीम लीडर गीता राम के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम, जिसमें पवन कुमार और अबू अब्राहम शामिल थे,मनरेगा के तहत चल रही योजनाओं का बारीकी से भौतिक निरीक्षण किया और संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा की। इस अवसर पर सहायक अभियंता विकास चौधरी, कनीय अभियंता मो. एहसानुल जमील, अर्जुन कुमार साह, दीपनारायण मंडल, मुखिया प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह, पंचायत सचिव ललन किस्कू, रोजगार सेवक मोतीलाल तिग्गा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गंगा नदी के संरक्षण व संवर्धन को लेकर एनजीटी में सुनवाई

साहिबगंज।चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर द्वारा साहिबगंज जिले से गुजरनें वाली गंगा नदी व जलीय जीव जंतू व संरक्षित डाल्फिन के संरक्षण व संवर्धन हेतू व गंगा नदी के आस-पास व गंगा नदी से स्टोन बोल्डर,चिप्स,मेटल के परिवहन व भंडारण के रोकथाम हेतु व गंगा नदी को प्रदुषण से बचाने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल,ईस्टर्न जोन,कोलकाता में दायर याचिका संख्या-162/23 की सुनवाई एनजीटी के जस्टिस अरूण कुमार त्यागी व एनजीटी के एक्सपर्ट मेंबर डॉ.ए.संथील वेल आज दिन के 10.30 बजे से करेगें.14 महीने पर जेल से बाहर आने के बाद अरशद सुनवाई में भाग लेने के लिए कोलकाता पहुँच गए हैं.इस मामले में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन,नई दिल्ली के निदेशक,झारखंड के खान सचिव व निदेशक,झारखंड प्रदुषण के सदस्य सचिव व जिले के डीसी,डीएमओ व डीटीओ व जीके एंटरप्राइजेज कंपनी,मालदा,मां तारा एंटरप्राइजेज कंस्ट्रक्शन कंपनी,मुजफ्फरपुर को काउंटर एफिडेविट व स्थलीय जांच रिपोर्ट दाखिल करना है.आज की सुनवाई पर पत्थर माफियाओं से लेकर पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी की नजर बनी हुई.

सड़क दुर्घटना में तीन घायल,अस्पताल में इलाज रत, पुलिस जांच में

साहिबगंज।राजमहल थाना क्षेत्र के में सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गया.घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया बताया जा रहा है राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत किटपुवा गांव में मंगलवार को एक तेज रफ्तार बाइक ने सड़क किनारे खड़े दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी. जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायल का इलाज किया गया.जानकारी के अनुसार बाइक चालक नसीम शेख साहिबगंज की ओर से अपने घर मजार टोला जा रहा था. इसी दौरान टपुवा गांव के पास बाइक की रफ्तार काफी तेज होने के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और सड़क किनारे खड़े मीना देवी तथा सुधन मंडल को जोरदार टक्कर मार दी.टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.वही सूचना मिलते ही राजमहल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है|

चार महीने से वेतन नहीं मिलने पर पलामू में एनआरएचएम कर्मियों का आक्रोश, हड़ताल की चेतावनी

पलामू। पलामू जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माने जाने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के कर्मियों का सब्र अब टूटता नजर आ रहा है। पिछले चार महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारियों ने मंगलवार को समाहरणालय पहुंचकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा और अपनी नाराजगी जाहिर की।कर्मियों ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे बुधवार से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार हड़ताल पर चले जाएंगे।प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें नवंबर 2025 से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। वेतन के अभाव में उनके हालिया पर्व-त्योहार फीके गुजर गए और अब घर की बुनियादी जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है। बच्चों की स्कूल फीस, राशन और दवाइयों तक के लिए उन्हें कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। कई कर्मचारियों ने भावुक होकर बताया कि घर की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि अब काम पर आना भी कठिन हो गया है।कर्मियों का आरोप है कि विभाग की ओर से बार-बार आश्वासन दिया गया, लेकिन फरवरी 2026 बीत जाने के बाद भी उनके बैंक खातों में वेतन नहीं पहुंचा। थक-हारकर कर्मचारियों ने सामूहिक निर्णय लिया है कि जब तक वेतन भुगतान की ठोस प्रक्रिया शुरू नहीं होती, तब तक वे काम नहीं करेंगे।ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने प्रशासन को सूचित किया है कि बुधवार से सभी एनआरएचएम कर्मी अपने कार्यस्थल पर उपस्थित तो रहेंगे, लेकिन सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि हड़ताल के कारण स्वास्थ्य सेवाओं में होने वाली किसी भी परेशानी के लिए विभाग और प्रशासन जिम्मेदार होगा।कर्मियों की प्रमुख मांगों में लंबित वेतन का अविलंब भुगतान, भविष्य में वेतन का नियमित भुगतान सुनिश्चित करना, केवल मौखिक आश्वासन के बजाय लिखित आदेश जारी करना और उसका तत्काल क्रियान्वयन शामिल है।

साहिबगंज में तेज रफ्तार की कहर. दो युवक की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।साहिबगंज जिले में इन दिनो तेज रफ्तार की कहर तेजी से बढ़ गई है. जहां बीते सोमवार की रात तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई बताया जा रहा है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सवार शोभापुर डेरा के समीप बिति रात एनएच 80 पर हुई सड़क हादसे में दो युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गया. मृतक युवक की पहचान शोभनपुर भट्ठा व तालबन्ना मुहल्ला का रहने वाला है.मिली जानकारी के अनुसार शोभापुर भट्ठा निवासी देवानंद यादव के 18 वर्षीय पुत्र बादल कुमार यादव एवं तालबन्ना मोहल्ला निवासी राजकुमार यादव का 23 वर्षीय पुत्र सनोज कुमार यादव है. दोनों युवक बाइक में सवार होकर महादेवगंज में शादी समारोह में भोज खाने के लिए जा रहा था. इसी दौरान शोभापुर डेरा के समीप सामने से आ रहे बड़े वाहन के हेडलाइट से मोटर साइकिल चला रहे युवक का आंख चौंधरा गया.जिसके कारण मोटरसाइकिल एन एच 80 किनारे पीपल के पेड़ से जा टकराया.जहाँ दोनो युवक की मौके पर ही हो गया.मामले की जानकारी मिलते ही मुफ्फसिल व नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनो युवक को सदर अस्पताल लेकर पहुंचा. जहां चिकित्सक डॉक्टर मुकेश कुमार ने दोनों युवकों को मृत्यु घोषित कर दिया वहीं पुलिस ने मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम करने के बाद दोनों युवक के शव को परिजनों को सौंप दिया. बताया जा रहा है कि वही मृतक युवक बादल के आक्रोशित

» तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई

परिजनों व लोगो ने एन एच 80 को जाम कर दिया. हालांकि मामले की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनिश कुमार पांडेय जाम स्थल पर लोगो को समझा बुझा कर एन एच 80 जाम को समाप्त करवा दिया.जिसके कारण एन एच 80 पर वाहनों का परिचालन प्रारंभ हो गया. वही दोनो युवक के परिजनों का रो रो कर बुरा है. पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी है |

प्रकोष्ठ में उपायुक्त- सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।जिला उपयुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त श्री हेमंत सती ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके। ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ का जिला मुख्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया।धरना में जिले के बोरियो, उधवा,बरहरवा,पतना,मंडरो सहित विभिन्न प्रखंडों से आए मनरेगा कर्मियों ने भाग लिया और सरकार से अपनी लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की।धरना को संबोधित करते हुए संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि मनरेगा कर्मी लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं,लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कर्मियों को नियमितीकरण,मानदेय में बढ़ोतरी,सेवा सुरक्षा सहित अन्य सुविधाएं दी जानी चाहिए।कर्मचारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।धरना के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की।इस मौके पर मनोज कुमार दुबे,सुबोध कुमार,सुनील कुमार सिंह,जॉन बेसरा,अखिलेश सिंह, बबीता कुमारी,सोनी कुमारी,अग्नेश मुर्मू,जावेद,रेहान,नीलिमा टुडू सहित जिला पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में मनरेगा कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, राँची में आत्मा योजना अंतर्गत किसानों का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

साहेबगंज।के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। आत्मा योजना अंतर्गत उपायुक्त श्री हेमंत सती के निर्देशानुसार साहेबगंज जिले के 25 चयनित किसानों को मुर्गी एवं बत्तख पालन विषय पर पाँच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के लिए दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, राँची भेजा गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 09 मार्च, 2026 से 14 मार्च, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को पशुपालन आधारित आजीविका के बेहतर अवसरों से जोड़ना तथा उन्हें वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक तरीके से मुर्गी एवं बत्तख पालन की जानकारी प्रदान करना है। प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन, रोग प्रबंधन, चारा प्रबंधन, आवास व्यवस्था, टीकाकरण, विपणन व्यवस्था तथा आय बढ़ाने के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में साहेबगंज जिले के विभिन्न प्रखंडों से ऐसे किसानों का चयन किया गया है, जो मुर्गी एवं बत्तख पालन को एक सफल व्यवसाय के रूप में अपनाने के इच्छुक हैं। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को विशेषज्ञों द्वारा सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि वे अपने क्षेत्र में लौटकर आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, राँची में कृषि एवं पशुपालन से संबंधित कई उन्नत विषयों पर नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यहाँ किसानों को समेकित कृषि प्रणाली के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है, जिससे किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी एवं अन्य सहायक गतिविधियों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को आधुनिक तकनीकों, संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के बारे में भी मार्गदर्शन दिया जाता है।जिला प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ वैकल्पिक आजीविका के अवसरों से जोड़ा जाए, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। मुर्गी एवं बत्तख पालन ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत में अधिक आय देने वाला व्यवसाय माना जाता है, जिसे अपनाकर किसान अपने परिवार की आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।उल्लेखनीय है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद किसानों को अपने-अपने क्षेत्रों में मुर्गी एवं बत्तख पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि अन्य किसान भी इससे प्रेरित होकर इस व्यवसाय को अपनाएं। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही साहेबगंज जिले के 25 किसानों का दूसरा दल भी इसी प्रकार के प्रशिक्षण हेतु दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, राँची भेजा जाएगा। जिला प्रशासन की यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा कृषि के साथ-साथ पशुपालन आधारित आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि जिले में कृषि आधारित उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 20 वर्षों से पानी और स्वच्छता

नई सोच एक्सप्रेस

बोरियो।प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शालोम ग्लोबल फाउंडेशन रांची के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।संस्था 20 वर्षों से पानी और स्वच्छता के ऊपर साथ में महिला सशक्तिकरण के ऊपर कार्य कर रहा है। नवंबर माह से साहिबगंज जिला में कार्य किया जा रहा है।जिसमें से 30 चापाकल और तीन जल मीनार शुद्ध वर्ती ग्राम में लगाया गया है।इस कार्यक्रम में क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी,विशिष्ट अतिथि प्रखंड प्रमुख श्रीमती शांति बासकी,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू,बोरियो थाना की एएसआई नीलम कुमारी,मुखिया गोलमा सोरेन तथा पूर्व उपमुखिया तेरेसा बासकी मौजूद थीं।इस अवसर पर महिलाओं के बीच जागरूकता और मनोरंजन के उद्देश्य से शॉर्ट क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता के अंत में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया।मुख्य अतिथि पूनम कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि "महिलाएँ समाज की सबसे मजबूत कड़ी हैं।जब महिलाएँ शिक्षित और सशक्त होती हैं तो पूरा परिवार और समाज आगे बढ़ता है।इसलिए हर महिला को अपने अधिकारों और शिक्षा के प्रति जागरूक होना चाहिए।प्रखंड प्रमुख शांति बासकी ने कहा कि "आज की महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।हमें अपनी बेटियों को पढ़ाना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।झामुमो प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू ने कहा कि "महिलाओं के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। समाज और देश के विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है,इसलिए हमें महिलाओं के सम्मान और अधिकार की रक्षा करनी चाहिए।बोरियो थाना की एएसआई नीलम कुमारी ने कहा कि महिलाओं को किसी भी अन्याय या हिंसा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए तैयार है।मुखिया गोलमा सोरेन ने कहा कि गाँव की महिलाएँ आज आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। हमें मिलकर महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर देने होंगे।वहीं पूर्व उपमुखिया तेरेसा बासकी ने कहा कि "महिलाएँ यदि ठान लें तो कोई भी काम असंभव नहीं है।हमें एक-दूसरे का सहयोग कर समाज को आगे बढ़ाना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने उपस्थित महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएँ दीं। संस्था के डायरेक्टर एंथोनी सामय संस्था के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर दुर्गा वादी साहिबगंज जिला के फुलेंद्र रविदास,संस्था के सहयोगी रंजीत मडैया,डम्बू पहाड़िया,विक्रांत कुमार जॉन समेत सैकड़ों महिलाए उपस्थित थीं।

सड़क दुर्घटना में 6 वर्ष की बच्ची गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

नई सोच एक्सप्रेस

बोरियों।बोरियों थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में 6 वर्ष की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई घायल बच्ची को परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया अस्पताल में चिकित्सक डॉ.कुमार अंकित ने इलाज प्रारंभ कर दिया. बताया जा रहा है कि बोरियों थाना क्षेत्र अंतर्गत चतरा दोबरा निवासी राम पहाड़िया के 6 वर्षीय पुत्री अलीना माल्तो है. घायल के पिता ने बताया कि बोरियों में मंगलवार को हटिया लगता है जिसको लेकर अपने घर चतरा दोबरा से बोरियों मां परिजन के साथ टेंपु में सवार होकर जा रहे थे. उसी दौरान (शो -शो सेंटर) के समीप टेंपु साइड करने में पोल से टकरा गया. टेंपु में चार से पांच लोग सवार थे. जिसमें मेरी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई. बरहाल घायल बच्ची का इलाज सदर अस्पताल में चल रही है|

किसान लोन मामले में बोरियों पुलिस ने एक को भेजा जेल

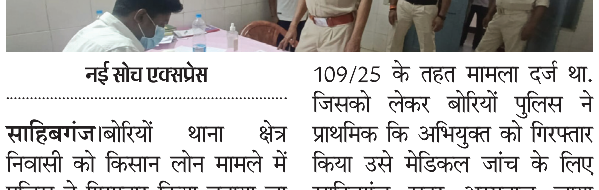

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।बोरियों थाना क्षेत्र निवासी को किसान लोन मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया बताया जा रहा है. कि बोरियों थाना क्षेत्र अंतर्गत पोआल जाहेर टोला निवासी प्राथमिक कि अभियुक्त राजेश सोरेन (40) है. जहां बोरियों थाना कांड संख्या 109/25 के तहत मामला दर्ज था. जिसको लेकर बोरियों पुलिस ने प्राथमिक कि अभियुक्त को गिरफ्तार किया उसे मेडिकल जांच के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल लाया अस्पताल में चिकित्सक डॉ. कुमार अंकित ने मेडिकल जांच किया मेडिकल जांच उपरांत पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेजा |

जीएम बजाज बाइक शो रूम और डिलेवरी कोरियर सर्विस में चोरों ने उड़ाई 87 हजार रुपए लगभग

नई सोच एक्सप्रेस

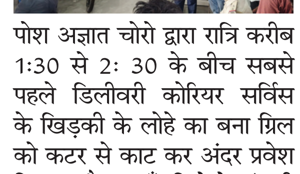

साहिबगंज।तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बैंक मोड़ के समीप जीएम बजाज बाइक शो रूम और डिलेवरी कोरियर सर्विस में बीती सोमवार की रात्रि को अज्ञात चोरों द्वारा ग्रिल तोड़ कर लगभग ढाई लाख की चोरी कर लिया गया मिली जानकारी के अनुसार जीएम बजाज बाइक शो रूम और डिलीवरी कोरियर सर्विस का कार्यालय रोज की तरह कर्मी द्वारा सोमवार को भी बंद कर चला गया था इसी दौरान तीन नकाबपोश अज्ञात चोरो द्वारा रात्रि करीब 1:30 से 2: 30 के बीच सबसे पहले डिलीवरी कोरियर सर्विस के खिड़की के लोहे का बना ग्रिल को कटर से काट कर अंदर प्रवेश किया और वहाँ लिनेवो कंपनी का दो लैपटॉप और गोदरेज के अलमीरा को तोड़ कर लगभग एक लाख रुपया निकाल लिया इसके बाद तीनों ने जीएम बजाज बाइक शो रूम के पीछे का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया लेकिन वह नही टूट पाया तब पीछे के दरवाजे के ऊपर लगे लोहे के ग्रिल को कटर से काट कर शो रूम में प्रवेश किया और वहां से लगभग 87 हजार रुपया निकाल लिया और वहां भाग निकला वहीं इसकी सूचना तब मिली जब डिलीवरी कोरिया सर्विस को खोला गया तो देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा है तब कर्मी की नजर टेबल से गायब लैपटॉप पर पड़ी इसके बाद देखा कि अलमीरा भी तोडा हुआ है इसकी जानकारी तीनपहाड़ थाना को दिया गया सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे घटना स्थल पर पहुँच कर जांच किया इस दौरान डिलीवरी कोरियर सेवा के सीसीटीवी और बाइक शो रूम में लगे सीसीटीवी के कैमरे का जांच किया जहां इस घटना में नकाबपोश तीन लोगों को घटना में शामिल देखा गया इस घटना से आसपास के लोग भी सहमे हुए है इस संदर्भ में थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने कहा कि मामले की जांच किया जा रहा है चोरी हुए दोनों लोगो से आवेदन मांगे गए है मामले में केस दर्ज किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार की समृद्धि और सर्वांगीण विकास ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्राओं का एकमात्र लक्ष्य : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार भर में की जा रही यात्राओं का एकमात्र उद्देश्य राज्य की समृद्धि, विकास और जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समृद्धि यात्रा से पहले भी मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार राज्य के विभिन्न हिस्सों में कुल 15 यात्राएं कर चुके हैं। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने स्वयं विभिन्न जिलों में पहुंचकर विकास योजनाओं का निरीक्षण किया, नई योजनाओं का शिलान्यास किया तथा अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। न्याय यात्रा, विकास यात्रा, प्रवास यात्रा जैसी पहलों के माध्यम से मुख्यमंत्री ने सीधे जनता से संवाद स्थापित किया। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री की इस पहल से बिहार में विकास की एक नई कहानी लिखी गई और प्रशासनिक व्यवस्था भी जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनी। दिसंबर 2025 में आयोजित प्रगति यात्रा के दौरान भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा किया और सैंकड़ों विकास परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। इनमें से कई योजनाएं अब पूरी हो चुकी हैं और वर्तमान समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री इन परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की इन यात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य महिलाओं का सशक्तिकरण रहा है। महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। विभिन्न जिलों में यात्राओं के दौरान मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जीविका दीदियों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए करोड़ों रुपये की सहायता भी प्रदान की।

कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम हब शहरों में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हैलो बच्चों' को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

» असली संघर्ष पर आधारित यह कहानी उन शहरों में सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है, जहाँ छात्र पढ़ाई और कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत करते हैं

पुणे। नेटफ्लिक्स 'हैलो बच्चों' सीरीज़ को भारत के उन शहरों तक लेकर गया, जिन्हें कॉम्पिटिटिव एग्जाम के बड़े केंद्र माना जाता है। इसके लिए रीजेंट सिनेमा, पटना, विक्ट्री थिएटर, पुणे और सिटी मॉल फन सिनेमा, कोटा में खास स्क्रीनिंग आयोजित की गई। स्क्रीनिंग के दौरान हर जगह ऐसा माहौल बन गया, जैसे छात्रों के सपनों, उनकी मेहनत और आगे बढ़ने की चाह का जश्न मनाया जा रहा हो। पुणे के विक्ट्री थिएटर में जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जहां 490 छात्रों और स्टाफ के साथ हॉल पूरी तरह भरा हुआ था। यह पल इसलिए भी खास था, क्योंकि पुणे को कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों का बड़ा केंद्र माना जाता है। वहीं कोटा, जिसे देश की कोचिंग राजधानी कहा जाता है, और पटना जैसे बड़े छात्र केंद्रों में भी स्क्रीनिंग के दौरान बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और परिवार पहुंचे। फिल्म देखते समय कई दर्शकों को इसमें अपने संघर्ष और अपने सपनों की झलक दिखाई दी। स्क्रीनिंग के दौरान हर जगह का माहौल उत्साह से भरा हुआ था, लेकिन साथ ही भावुक भी था। कई जगहों पर दर्शकों ने खुद-ब-खुद तालियां बजाईं और कुछ लोग भावुक भी हो गए। पुणे के एक छात्र ने कहा, "मैंने यहाँ इसके पहले दो एपिसोड देखे और यह बहुत प्रेरणादायक लगा। ऐसा लगा जैसे स्क्रीन पर मेरी ही छात्र जीवन की संघर्ष की कहानी दिखाई जा रही हो। इस सीरीज़ में दिखाया गया है कि कैसे छात्र शून्य से शुरुआत करते हैं और पढ़ाई के जरिए अपनी परिस्थितियों को बदलने की कोशिश करते हैं। छात्र की यह बात उस हिम्मत और संघर्ष की भावना को दर्शाती है, जिसे यह सीरीज़ दिखाती है। वहीं पटना के एक छात्र ने कहा, "सीरीज़ के दो एपिसोड में जो दिखाया गया, मैं भी उसी दौर से गुजर रहा हूँ। यह एक बहुत प्रेरणादायक सीरीज़ है। मैं भी अब और मेहनत से पढ़ाई करना चाहता हूँ और इंडियन इंस्टीट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी में जाना चाहता हूँ।" यह दिखाता है कि कहानी उनके जीवन से कितनी मिलती-जुलती है। वहीं कोटा से नीट (NEET) की तैयारी कर रही एक छात्रा ने बताया, "सीरीज़ के दो एपिसोड देखकर ऐसा लगा जैसे मेरी ही जिंदगी के कुछ पल दिखाए जा रहे हों। कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्रों के रूप में हम इसमें बहुत सी बातों से जुड़ पाए। इसमें उतार-चढ़ाव को बहुत सच्चाई से दिखाया गया है, इसलिए यह सीरीज़ बहुत प्रेरणादायक है। इसने मुझे याद दिलाया कि मुश्किल समय में भी आगे बढ़ते रहना चाहिए।"

पटना मोकामा फोरलेन पर ठंडा से भरी ट्रक पलटी

बाढ़। बाढ मोकामा बख्तियारपुर फोरलेन पर बेढना गांव के पास ठंडा बोतल से भरी ट्रक दो वाहन को बचाने में और नियंत्रित हो गई और रेलिंग तोड़ते हुए पलट गई। जिसमें सारा बोतल सड़क पर गिर गया वहीं कुछ बोतल सड़क से नीचे गिर गया जिसे आसपास के ग्रामीणों द्वारा बोतल लेकर फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार औरंगाबाद के नवीनगर से ठंडा का बोतल लोड कर पूर्णिया जा रही थी इसी दौरान घटना घटी। घटना की सूचना पर बार पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है। ट्रक को किरान

"540 खाद जांच में नकली! किसान को जहर, मुनाफाखोरों को संरक्षण : कब जागेगी व्यवस्था?"

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। देश की अन्नदाता किसान आज ऐसी त्रासदी झेल रहा है कि उसकी पीड़ा सुनकर भी व्यवस्था की आत्मा नहीं कांपती। हाल ही में 540 खाद के नमूनों की जांच में नकली खाद का खुलासा होना इस बात का प्रमाण है कि किसानों के साथ कितना बड़ा छल और षड्यंत्र किया जा रहा है। खेतों में उपज बढ़ाने के नाम पर किसानों को नकली खाद परोसी जा रही है, और किसान मजबूरी में उसी जहर को अपनी जमीन में डालने को विवश है। आज किसान की हालत यह हो गई है कि बीज के लिए कर्ज, खाद के लिए कर्ज, पानी के लिए कर्ज, दवा के लिए कर्ज, बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज, इलाज के लिए कर्ज और अंत में मृत्यु के बाद कफन के लिए भी कर्ज। यह कैसी व्यवस्था है, जहाँ देश को अन्न देने वाला किसान खुद कर्ज के बोझ से दबा हुआ है? जिन किसानों के पसीने से पूरे देश की थाली भरती है, वही किसान आज अपमान, शोषण और लूट का शिकार है। नकली खाद बेचने वाले मुनाफाखोर खुलेआम बाजार में किसानों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं और प्रशासन अक्सर मूकदर्शक बना रहता है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यदि देश के अन्नदाता को सम्मान नहीं मिला, तो यह केवल किसान का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का अपमान होगा। सरकार को केवल योजनाओं की घोषणा नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर कठोर कार्रवाई करनी होगी। नकली खाद बनाने और बेचने वालों पर देशद्रोह जैसा कठोर मुकदमा चलाया जाए, ताकि कोई भी किसान के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। डॉ. पटेल ने देश के प्रधानमंत्री Narendra Modi और बिहार के मुख्यमंत्री Nitish Kumar से आग्रह किया कि जिस किसान के श्रम से देश का पेट भरता है, उसे भी सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार मिलना चाहिए। सरकार कम से कम किसान परिवार को एक चपरासी के बराबर 30 से 35 हजार रुपये मासिक सम्मान राशि सुनिश्चित करे, ताकि किसान परिवार आधा पेट ही सही, लेकिन सम्मान के साथ जीवित रह सके। आज देश का किसान भीख नहीं मांग रहा, अपने पसीने का सम्मान मांग रहा है। अगर अन्नदाता ही टूट गया तो देश की समृद्धि का सपना भी टूट जाएगा। इसलिए अब समय आ गया है कि किसान की दुर्दशा पर भाषण नहीं, निर्णायक और कठोर कार्रवाई हो।

10 लाख की लागत से बनेंगे श्मशान की चारदीवारी एवं टीनशेड

नई सोच एक्सप्रेस

नागौर। ग्राम धांधोली आए पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने दिवंगत समाजसेविका आयचुकी देवी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव निरंजन आर्य एवं विधायक जाकिर हुसैन गैसावत ने आयचुकी देवी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक गैसावत ने दमामी समाज के श्मशान में चारदीवारी एवं टीनशेड के लिए 10 लाख रूपये की घोषणा की। इस दौरान दिलीप कुमार, गोरधन दमामी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कल्याणपुर ओवरब्रिज पर टैंकरोली में लगी आग, पिपरा थाना पुलिस की तत्परता से बड़ा हादसा टला

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन। पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणपुर ओवरब्रिज पर मंगलवार को एक ट्रक में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरा ट्रक जलकर राख हो गया। हालांकि पिपरा थाना पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही पिपरा थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम के पहुंचने के बाद काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान सुरक्षा कारणों से करीब चार घंटे तक यातायात बाधित रहा, जिससे ओवरब्रिज पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पिपरा थाना के S.I शशि रंजन कुमार ने बताया कि जैसे ही कल्याणपुर ओवरब्रिज पर ट्रक में आग लगने की सूचना मिली, पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान पुलिस टीम पूरी तरह मुस्तैद रही और स्थिति को नियंत्रित किया गया। इस अभियान में नौबतपुर थाना, पुनपुन थाना और बिहटा थाना की पुलिस ने भी सहयोग किया। सभी टीमों के संयुक्त प्रयास से आग को फैलने से रोका गया और यातायात को बाद में सामान्य कराया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से जहां एक ओर बड़ा हादसा टल गया, वहीं स्थानीय लोगों ने भी पुलिस और फायर ब्रिगेड की तत्परता की सराहना की।

महिंद्रा फाइनेंस का धन संवाद वित्तीय सशक्तिकरण और डिजिटल कौशल को दे रहा बढ़ावा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत की अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से एक महिंद्रा फाइनेंस ने प्लान इंटरनेशनल (इंडिया चैप्टर) के साथ साझेदारी में अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम धन संवाद को और मजबूत किया है ताकि समुदायों में सार्थक परिवर्तन लाया जा सके। महिंद्रा फाइनेंस की जमीनी स्तर की विशेषज्ञता और प्लान इंटरनेशनल के परिणाम-उन्मुख प्रशिक्षण पर केंद्रित दृष्टिकोण का लाभ उठाते हुए यह साझेदारी वित्तीय साक्षरता की कमी को दूर करने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यवहारिक और डिजिटल सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देती है। नीलिमा डी सिल्वा दलवी, वाइस प्रेसिडेंट, हेड सीएसआर, महिंद्रा फाइनेंस ने कहा कि धन संवाद इस विश्वास पर आधारित है कि वित्तीय साक्षरता और डिजिटल समावेशन सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। हमारा उद्देश्य समुदायों को सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने के लिए सक्षम बनाना और उनके आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। वहीं मोहम्मद आसिफ, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, प्लान इंटरनेशनल (इंडिया चैप्टर) ने कहा कि महिंद्रा फाइनेंस के साथ हमारी साझेदारी ने हमें लक्षित और परिणाम-उन्मुख वित्तीय साक्षरता समाधान लागू करने का अवसर दिया है, जिसका व्यापक प्रभाव दिखाई दे रहा है। इस साझेदारी के माध्यम से हम गिग वर्कर्स और छोटे उद्यमियों को उनकी वित्तीय समझ बढ़ाने और उन्हें विकसित हो रहे डिजिटल और वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ आत्मविश्वास के साथ जुड़ने के लिए सशक्त बना रहे हैं। इस पहल ने जन धन योजना, आयुष्मान भारत, ई-श्रम, अटल पेंशन योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक लोगों की पहुंच बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रोटरी क्लब ऑफ पटना में महिला सम्मान समारोह का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पटना द्वारा आर-ब्लॉक स्थित रोटरी भवन में विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक गरिमामय महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा महिला सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विशिष्ट समाजसेवी एवं बिहार प्रादेशिक अग्रवाल महिला सम्मेलन अध्यक्ष गीता जैन, राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी संगीता बहन तथा उर्मिला बहन उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रोटेरियन रश्मि कुमारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और विश्व महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ह्लनारी शक्ति है, नारी सम्मान है और नारी भगवान का अर्धरूप है। समाज के विकास और परिवार की उन्नति में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।ह्व अपने संबोधन में श्रीमती गीता जैन ने कहा कि ह्लनारी सर्वरूपा है। नारी के बिना जीवन की परिकल्पना अधूरी है।ह्व उन्होंने महिलाओं के जीवन के अनछुए पहलुओं और उनके संघर्ष व योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। ब्रह्मकुमारी संगीता बहन तथा उर्मिला बहन ने महिलाओं को भारतीय संस्कृति और इतिहास की गरिमा से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि महिलाएँ सदैव से ही सशक्त रही हैं, बस उन्हें अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन सरिता प्रसाद ने अपनी मधुर वाणी से किया, जिससे पूरा आयोजन अत्यंत प्रभावशाली और यादगार बन गया। एम पी जैन ने बताया कि मौके पर सक्रिय सचिव सोनाली किशोर, पूर्व अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, अनुज राज, के. के. वर्मा, एस. बी. प्रसाद, अजय कुमार झुनझुनवाला, रवि कुमार सिन्हा, शांतनु प्रसाद, विनोद भांति, ई. विरेन्द्र, रंजीत राम, डॉ. सैकत सेन, बिमल कुमार, सुषमा सिन्हा, अंजना भांति, माला सिन्हा, ममता राम, गेस्ट रोटेरियन मिथिलेश कुमार मंडल सहित अन्य सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही।

कलशीपोरा में नातिया मुशायरा का आयोजन, शायरों ने पेश की मोहब्बत-ए-रसूल की नातें

नई सोच एक्सप्रेस

बडगाम (जम्मू-कश्मीर)। शम्स फकीर कल्चरल वेलफेयर सोसाइटी कलशीपोरा और जम्मू-कश्मीर रूह अदब फोरम बडगाम के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, 10 मार्च 2026 को कलशीपोरा में एक भव्य नातिया मुशायरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सोसाइटी के अध्यक्ष आशिक मुश्ताक के आवास पर हुआ। मुशायरे की अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर स्पिरिट ऑफ लिटरेचर फोरम बडगाम के संरक्षक मुबारक अहमद मुबारक ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन आशिक मुश्ताक ने किया। इस अवसर पर मुंतसर मोहिउद्दीन और वॉयस टीवी उर्दू के साहित्यिक समन्वयक तथा सोसाइटी के संरक्षक माजिद मसरूर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयोजक इम्तियाज अहमद भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुहम्मद यूनुस द्वारा पवित्र कुरान के पाठ से हुई। इसके बाद उन्होंने नात-ए-रसूल पेश कर सभा को आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर कर दिया। नातिया मुशायरे में एक दर्जन से अधिक शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हजरत पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की शान में नात पेश कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। मुशायरे में भाग लेने वाले प्रमुख शायरों में माजिद मसरूर, मुबारक अहमद मुबारक, मुंतसर मोहिउद्दीन, मोहम्मद मीर मखदूमी, यासीन ड्रिगामी, आशिक मुश्ताक, सरम इक़बाल, गुलज़ार कथवारी, आसिफ अल्ताफ, गुलाम नबी विनम्र, लतीफ अहमद, इम्तियाज अहमद, मुहम्मद यूनुस, मुहम्मद लतीफ वानी और फ़ैयाज़ अहमद शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में सोसाइटी के संरक्षक माजिद मसरूर ने सभी अतिथियों, शायरों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा ऐसे साहित्यिक आयोजनों को समाज में भाईचारा, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने वाला बताया।

लक्मे अकेडमी ने किया कंकड़बाग में अपनी नई शाखा का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» फैशन, इवेंट और टीवी इंडस्ट्री में मेकअप और हेयर स्टाइलिस्ट के लिए अपार संभावनाएं : संगीता

पटना। ब्यूटी और वेलनेस क्षेत्र में प्रोफेशनल ट्रेनिंग देने वाली लक्मे अकेडमी की नई शाखा का शुभारंभ कंकड़बाग स्थित पंच शिव मंदिर के निकट किया गया। अकेडमी का उद्घाटन मुख्य अतिथि लक्मे अकेडमी की प्रबंध निदेशक संगीता कुमारी, विशिष्ट अतिथि मुकेश कुमार सिंह एवं त्रेहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर कंकड़बाग सेंटर हेड रूपा, मेकअप फैकल्टी ऋचा, आयशा, मधु सहित ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े कई गणमान्य लोग और प्रशिक्षु मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लक्मे अकेडमी की प्रबंध निदेशक संगीता कुमारी ने कहा कि आज के समय में फैशन, इवेंट, फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में मेकअप आर्टिस्ट और हेयर स्टाइलिस्ट के लिए अपार संभावनाएं हैं। यदि युवाओं को सही प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले तो वे इस क्षेत्र में बेहतर करियर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि लक्मे अकेडमी का उद्देश्य युवाओं को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की ट्रेनिंग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यहां मेकअप, हेयर, स्किन और ब्यूटी से जुड़े विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे छात्र-छात्राएं इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार खुद को तैयार कर सकेंगे। 31 मार्च तक नामांकन लेने पर विशेष छूट दी जाएगी। बोरिंग रोड और फ्रेजर रोड के बाद कंकड़बाग में नई शाखा के शुरू होने से कंकड़बाग आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को ब्यूटी और वेलनेस सेक्टर में करियर बनाने का बेहतर अवसर मिलेगा।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा,लोकसभा की कार्यवाही फिर से शुरू; पक्ष-विपक्ष में बहस

2 संसद के बजट सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर आज हंगामा और तीखी बहस रही। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि बिना स्पीकर की अनुमति कोई भी सांसद बोल नहीं सकता

3 कुछ सदस्य खुद को ज्यादा ज्ञानी समझते हैं,लोकसभा में किरेन रिजिजू ने विपक्ष को लिया आड़ेहाथ

4 प्रियंका को नेता प्रतिपक्ष बनाते तो परफॉर्मेंस अच्छी रहती,किरेन रिजिजू का राहुल गांधी पर हमला

5 कोविड-19 वैक्सीन से जुड़े गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने मंगलवार को कहा कि सरकार ऐसी नीति तैयार करे,जिसके तहत कोविड वैक्सीन लेने के बाद अगर किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान होता है तो उसे नो-फॉल्ट मुआवजा दिया जा सके

6 सुप्रीम कोर्ट बोलाःUCC लागू करने का समय आ गया,संसद फैसला करे,शरियत कानून की धाराएं रद्द करने से कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है

7 बेंगलुरु-मुंबई समेत कई शहरों में LPG की किल्लत,हरदीप पुरी ने की पीएम मोदी के साथ हाई-लेवल मीटिंग

8 देश के कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद, गैस नहीं मिल रही, होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत;आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

9 मुख्य चुनाव आयुक्त बोलेःपात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा;स्वतंत्र,निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता,लोगों ने फिर काले झंडे दिखाए

10 किसान की बेटी की शादी में पहुंचे राहुल गांधी,सोनीपत में बालूशाही देखकर बोले;ये क्या है,चूरमा खाया,ब्याह के गीत सुने

11 गैस संकट पर गुजरात सरकार का बड़ा फैसला,उद्योगों की सप्लाई में 50 फीसदी की कटौती

12 अब कूटनीति की कोई संभावना नहीं बची,यूएस से बातचीत पर ईरानी विदेश मंत्री की दो टूक,ट्रंप को दिया सख्त संदेश

13 ईरान बोलाःएक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देंगे,जो देश इजराइल-अमेरिका के राजदूतों को निकालेगा,उसके ही जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने देंगे

14 मार्च की शुरुआत में ही चढ़ने लगा पारा,हिमाचल में लू और राजस्थान-गुजरात में गर्म हवा की चेतावनी

15 BCCI टीम इंडिया को 131 करोड़ देगा,यह पैसा खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ मे बंटेगा;भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन

16 सेंसेक्स 640 अंक चढ़कर 78,206 पर पहुंचा,कच्चा तेल 9% सस्ता होकर 88 डॉलर पर आया;ट्रम्प के 'युद्ध जल्द खत्म' वाले बयान का असर

17 अमेरिका की टॉमहॉक मिसाइल ने ईरान में बरसाई मौत ! स्कूल पर हमले में मारे गए 165 बच्चे,नई जांच से बढ़ा विवाद

18 ईरान युद्ध को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान,बोलेःलगभग खत्म है लड़ाई'

19 ईरान की बड़ी चेतावनी,युद्ध बढ़ा तो $200 प्रति बैरल तक जा सकता है कच्चा तेल

20 इजरायली हमलों में ईरान के तेल डिपो जलकर राख,4 टैंकर चालकों की मौत,तेहरान में आसमान से बरसा तेल !

21 LPG सिलेंडर पर सरकार का बड़ा फैसला,घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के बदले नियम

22 ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा,चर्चा की मांग;सरकार बोलीःस्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

23 मंत्रियों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, स्कूल-कॉलेज बंद, पाकिस्तान तो फट पड़ा

24 समंदर में फंसे लाखों बैरल रूसी तेल को रिलायंस ने खरीदा,ईरान जंग के बीच इतना सस्ता मिला ऑयल

25 तेल संकट पर भारत का 'इंडिया फर्स्ट' रुख,देश में पेट्रोल-डीजल और एटीएफ का पर्याप्त भंडार

26 वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का फिलहाल भारत पर कोई खास असर नहींःवित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

27 राष्ट्रपति के 'प्रोटोकॉल उल्लंघन' पर बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने केंद्र को भेजी सीक्रेट रिपोर्ट,दी सफाई

28 UP Education News:योगी सरकार सख्त,विश्वविद्यालय तय दर से ज्यादा परीक्षा शुल्क लेंगे तो होगी ऑडिट

29 भारत में दिखने लगा युद्ध का असरः होटलों में एलपीजी संकट गहराया,गैस शवदाह गृह अस्थायी तौर पर बंद

30 विपक्ष की संसद में पश्चिम एशिया पर 'विस्तृत बहस' की मांग,विदेश मंत्री के बयान को नाकाफ़ी बताया

31 मजबूरी में जंग लड़ रहा है ईरान, इजराइली हमले में ईरान के नए सुप्रीम लीडर घायल

32 आयकर विभाग ने 22 राज्यों में 62 रेस्त्रां पर छापे मारे, 408 करोड़ का राजस्व छिपाने का खुलासा

33 इन्फ्लुएंसर नेन्सी ग्रेवाल मर्डर केस में नया मोड़! गुरपतवंत पन्नू का वीडियो आया सामने

34 पीएम मोदी ने बालेंद्र शाह को मिलाया फोन,नेपाल चुनाव जीतने पर दी बधाई

35 ICC ने T20 World Cup 2026 के लिए टीम ऑफ द टूर्नामिंट का किया एलान,4 भारतीयों को मिली जगह;विनिंग कैप्टन सूर्या बाहर

36 बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है,T20 में इंडिया की जीत पर MS Dhoni का किलर पोस्ट!

37 तेहरान पर भीषण बमबारी,कई शहरों में जोरदार धमाके;ट्रंप बोलेः युद्ध खत्म होने के करीब

38 पाकिस्तान में गहराया तेल संकट, स्कूल-दफ्तर बंद करने के आदेश,हफ्ते में 4 दिन दफ्तर, नेताओं की इफ्तार पार्टी पर बैन,मंत्री नहीं लेंगे सैलरी... ईरान युद्ध ने पाकिस्तान की लगाई लंका

39 रूस की ओर से कहा गया कि पुतिन ने युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर जोर दिया।उन्होंने खाड़ी देशों के नेताओं और ईरान के राष्ट्रपति से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। पुतिन का मानना है कि राजनीतिक बातचीत के जरिए इस संघर्ष को जल्दी समाप्त किया जा सकता है। रूस इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपर्क बनाए हुए है

40 सिर्फ एक फोन कॉल... पीएम मोदी एक झटके में खत्म कर सकते हैं ईरान-इजरायल की जंग;UAE के राजदूत का बड़ा दावा

यहां डॉल्फिन और समुद्री शेरों की फौज करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

आमतौर पर किसी भी देश में खुफिया ठिकानों या फिर संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा का जिम्मा सेना के हाथ में होता है, लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है और उसकी सुरक्षा करती हैं डॉल्फिन मछलियां। यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है। असल में इसके पीछे एक बड़ी वजह है, जिसके बारे में शायद ही कोई आम आदमी सोच पाए।

यह जगह अमेरिका के सिएटेल शहर से करीब 20 मील की दूरी पर है। दरअसल, यहां अमेरिकी नेवी का बेस कैंप है, जिसे नेवल बेस किटसैप कहते हैं। यह जगह दुनियाभर में इसलिए मशहूर है, क्योंकि अमेरिका के करीब एक चौथाई परमाणु हथियार यहीं पर रखे हुए हैं। यहां इतनी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि एक झटके में कई देशों का सफाया हो जाए। इसी वजह से इस जगह को दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार कहते हैं।

अमेरिका ने अपने इस परमाणु भंडार की रक्षा के लिए इंसान या मशीन नहीं बल्कि डॉल्फिन और सी लॉयन (समुद्री शेर) की एक बड़ी फौज रखी है। इस अनोखी फौज में करीब 85 डॉल्फिन और 50 समुद्री शेर हैं। इन्हें खासतौर पर परमाणु हथियारों की रक्षा के लिए कैलिफोर्निया स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है।

डॉल्फिन करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉल्फिन और समुद्री शेरों के शरीर में एक बाइट प्लेट फिट कर दी जाती है। अगर कोई घुसपैठिया समुद्री रास्ते से परमाणु हथियारों के पास जाने की कोशिश करता है तो ये समुद्री जीव उसके पैर से जाकर टकराते हैं, जिससे प्लेट उनकी टांग में चिपक जाती है और वो तब तक उसे बाहर नहीं निकाल सकता है, जब तक कि उससे संदेश समुद्री जीवों के हैंडलर तक नहीं पहुंच जाता।

इससे घुसपैठिये पर नजर रखी जाती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है। दरअसल, डॉल्फिन और समुद्री शेरों को यह काम इसलिए सौंपा गया है, क्योंकि डॉल्फिन के अंदर खूबी होती है कि वो समुद्र के काफी नीचे की चीजों का भी पता लगा सकती है। इसके अलावा समुद्री शेरों की सुनने और देखने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वह समुद्र की गहराई में, जहां सिर्फ अंधेरा ही होता है, वहां भी ये देख सकते हैं। यही वजह है कि इन्हीं दो समुद्री जीवों को परमाणु हथियारों की सुरक्षा का काम सौंपा गया है।

मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची इमारत पर बना एक बड़ा सितारा

रूस में सितारे की आकृति का विशेष महत्व है। रूस जब सोवियत संघ था, तब इसके ध्वज में भी सितारा था। ये प्रसिद्ध ढ़ाचा मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची मुख्य इमारत पर बना हुआ है। 12 टन वज़नी ये सितारा 30 फुट लंबा है। यहां निगरानी रखने के लिए एक छोटा कमरा भी है। रूस की राजधानी मास्को में ऐसी दर्जन भर इमारतें और टावर हैं, जिनपर अभी भी सितारानुमा आकृति के बड़े बड़े ढ़ाचे बने हुए हैं।

ताइवान में बांस के इस्तेमाल से बनाई गई अनोखी दीर्घा

वास्तुकला में इन दिनों प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जा रहा है। वास्तुविद सुदंरता के साथ टिकाउपन और अनोखापन भी चाहते हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण की ओर भी उनका ध्यान है। यह तस्वीर ताईवान में वर्ल्ड फ्लोरा एक्सपोशिन के मौके पर बनाए गए पैवेलियन की है। ताईवान के प्रसिद्ध जुओ स्टूडियो ने बांस से यह दीर्घा बनाई है। इसका डिज़ाईन ताइवान के सेन्टरल माउंटेन रेंज से प्रभावित है। जुओ स्टूडियो स्थानीय प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है।

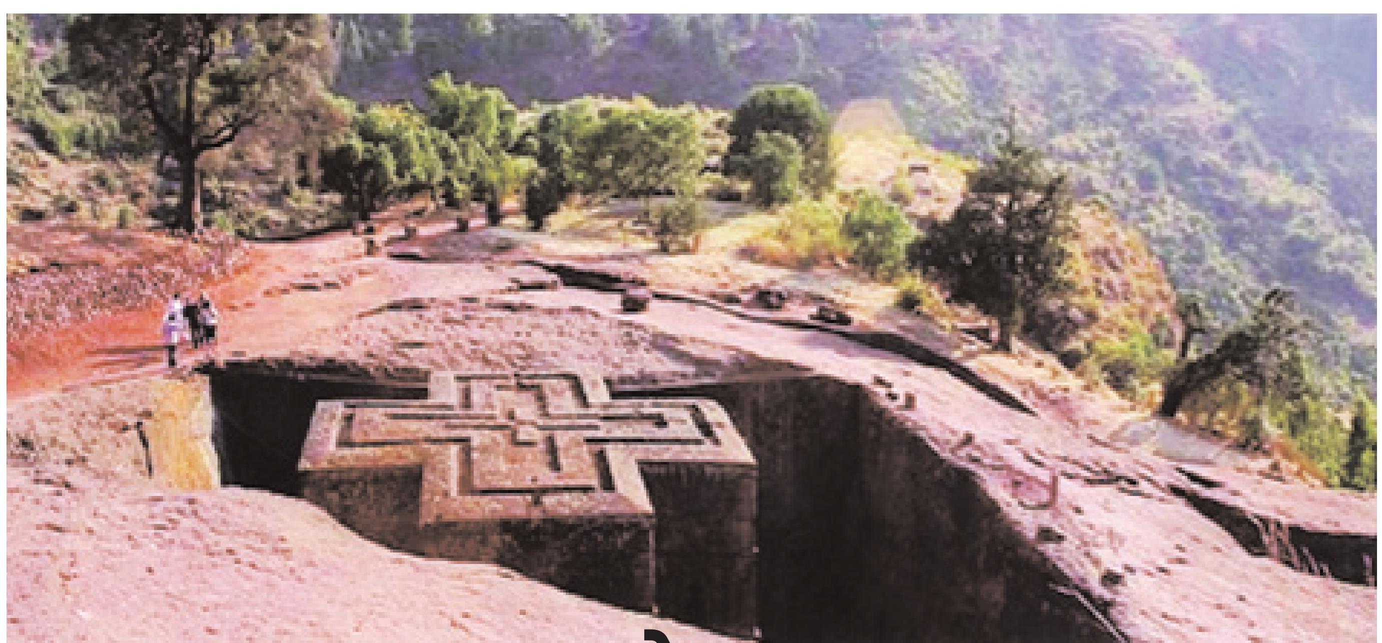

800 साल पुराने रहस्यमयी चर्च जिनकी कहानियां करती हैं हैरान

इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से 645 किलोमीटर दूर ये नायाब चर्च मोनोलिथिक यानी एक ही पर्वत या पत्थर को काटकर बनाया गया है। ये चर्च काफी गहरा बना हुआ है। हांलाकि पूर्वी अफ्रीकी देश लालीबेला शहर में स्थित ये चर्च सालों तक दुनिया से दूर रहा है। ईसाई धर्म को मानने वाले दुनिया के सबसे पुराने देश इथोपिया के लोगों को लगता था कि ये चर्च ईश्वर ने खुद ही बनवाया है। 150 फुट की गहराई में बने इस चर्च का रास्ता तय करने के लिए भूमिगत सीढ़िया भी बनाई गई हैं। मध्यकालीन युग में बनाया गया ये चर्च सरंक्षित इमारतों की सूची में शामिल है।

आज हम आपको कुछ ऐसे रहस्यमय चर्चों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करीब 800 साल पुराने हैं। इनके बनने के पीछे जो कहानियां प्रचलित हैं, उसे जानकर तो हर कोई हैरान रह जाता है। दुनियाभर के लोगों के बीच ये चर्च आकर्षण का केंद्र हैं। इन्हें देखने के लिए हर जगह से लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

इन चर्चों को लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है, जो इथियोपिया के लालिबेला शहर में हैं। यहां कुल 11 ऐसे चर्च हैं, जिन्हें चट्टानों को काटकर बड़ी खूबसूरती से बनाया गया है। कहते हैं कि लाल और नारंगी रंग की ये चट्टानें ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। माना जाता है कि इन चर्चों का निर्माण 12वीं और 13वीं सदी के बीच कराया गया है और इन्हें बनवाया है लालिबेला नाम के राजा ने, जो जाग्वे राजवंश से संबंध रखते थे। उन्हीं के नाम पर शहर का भी नाम लालिबेला पड़ा और चर्चों को भी लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है।

कहते हैं कि राजा लालिबेला चर्चों को बनवा कर इस जगह को अफ्रीका का यरुशलम बनाना चाहते थे। आपको बता दें कि यरुशलम ईसाई धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस शहर को ईसा मसीह की कर्मभूमि कहा जाता है। यहां 150 से ज्यादा चर्च हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनवाने में करीब 20 साल लगे थे। इन्हें हथौड़े और छेनी जैसे मामूली औजारों से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात ये है कि एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए चट्टानों को काटकर सुरंग भी बनाई गई है।

यहां मौजूद 11 चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपनी वास्तुकला के लिए सबसे ज्यादा मशहूर है। इसे एक विशाल चट्टान को किनारे से काटकर बनाया गया है। इस चर्च की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी तीन ओर से दीवारें नहीं हैं। यह एक खड़ी चट्टान की तरह लगता है।

इन चर्चों के निर्माण को लेकर कहा जाता है कि इन्हें स्वर्ग से आए देवदूतों ने बनाया है। लालिबेला के लोगों के बीच यह कहानी प्रचलित है कि दिन में यहां मजदूर काम करते थे और जब वो रात के समय सोने चले जाते थे, तब स्वर्ग से उतर कर देवदूत चट्टानों को चर्च का आकार देते थे। साल 1978 में इन चर्चों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था।

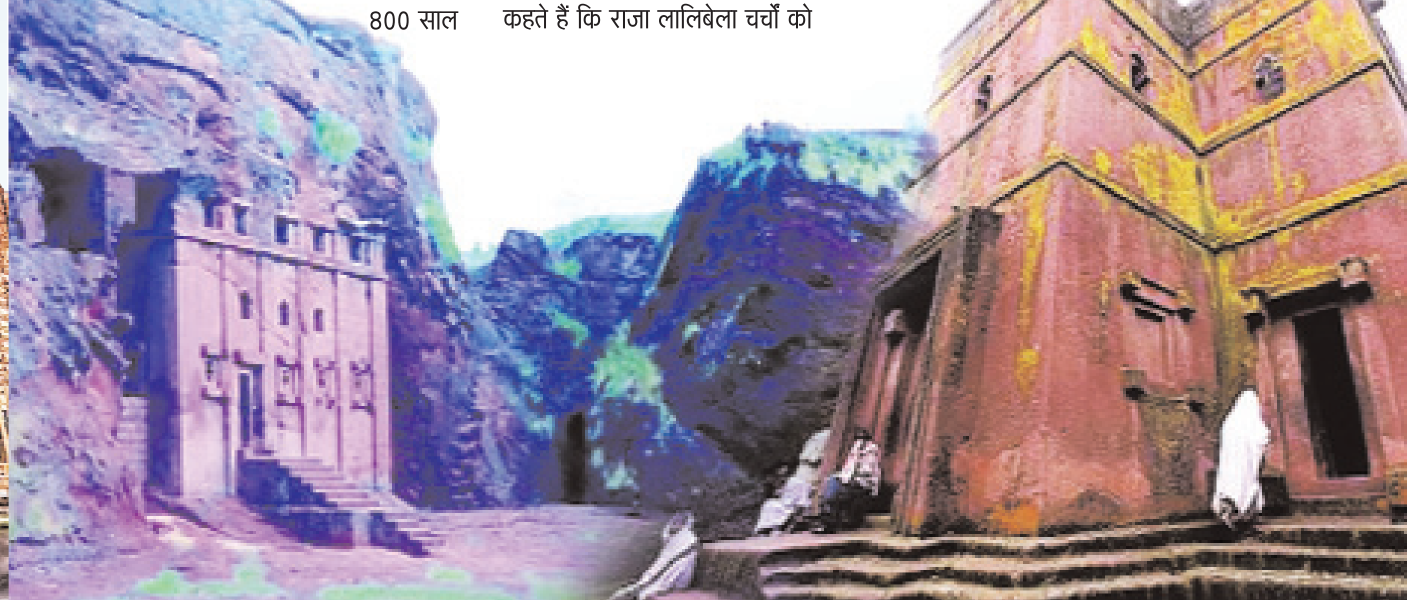

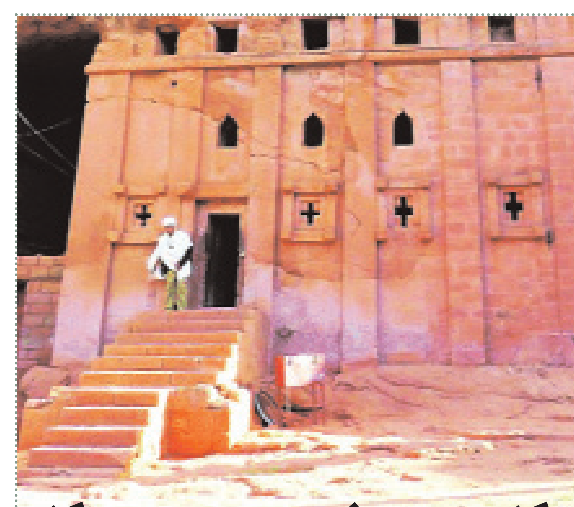

हैरतअंगेज हैं लालिबेला के ये चर्च

दुनिया में कई अद्भुत स्थान और इमारते हैं, उनमें से एक इथियोपिया के लालिबेला शहर में चट्टानों को काटकर बनाए गए चर्च हैं। इथियोपिया में चट्टानों को काटकर बनाए गए इस तरह के 11 चर्च हैं। ये चर्च अपने डिजाइन और सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

12वीं सदी में लालिबेला नाम के ही राजा ने इन चर्चों का निर्माण कराया था। बाद में लालिबेला के नाम पर इस शहर का नाम भी लालिबेला पड़ गया। ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए पहले यरुशलम तीर्थस्थल हुआ करता था। 12वीं सदी में उस पर मुस्लिमों का कब्जा हो गया। मुस्लिमों का कब्जा होने के बाद ईसाई धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल की कोई जगह नहीं रह गई। ऐसे में लालिबेला ने उन चर्चों को बनाया था। कहा जाता है कि लालिबेला की योजना उसे अफ्रीका का यरुशलम बनाने की थी।

चर्चों का निर्माण

चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनाया गया। इनको बनाने में करीब 20 साल लगे। लाल-नारंगी रंग की ये चट्टानें असल में ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी है। सबसे हैरत की बात यह है कि इन 11 चर्चों को उस समय के मामूली औजारों से बनाया गया है। साथ ही एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए पहाड़ों को काटकर सुरंग बनाया गया है। ये चर्च वास्तुकला और सौंदर्य का नमूना है। चर्च के अंदर काफी आकर्षक डिजाइन बनाए गए हैं।

देवदूतों ने बनाया

इन चर्चों के बारे में कहा जाता है कि इनको खुद स्वर्ग से उतरकर देवदूतों ने बनाया है। उनके मुताबिक, मजदूर दिन के समय में काम करते थे और रात में जब वे सोने चले जाते थे तो स्वर्ग से उतरकर देवदूत उन चट्टानों को चर्च के आकार में खूबसूरत तरीके से तराशने का काम करते थे।

बेत अबा लिबानोस

उन चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपने डिजाइन की वजह से खास है। इसे एक विशाल चट्टान के किनारे को काटकर बनाया गया है। यह अपने आप में वास्तुकला का नमूना है क्योंकि चर्च एक खड़ी चट्टान की तरह है जिसके ऊपर छत है और नीचे फर्श। बाकी तीन ओर से दीवार नहीं है। यह इंसानी इंजिनियरिंग का नमूना है और देखकर समझा जा सकता है कि इसको बनाने में कितनी मेहनत लगी होगी।

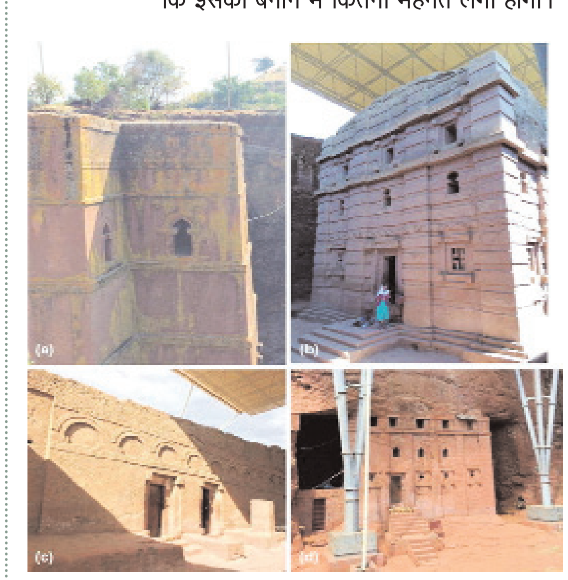

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

सम्पूर्णेश बाबू का खौफनाक अवतार, 'बिरयानी का पोस्टर हुआ आउट, 26 मार्च को फिल्म होगी रिलीज़

दसारा की ज़बरदस्त कामयाबी के बाद निर्देशक श्रीकांत ओडेला और नेचुरल स्टार नानी एक बार फिर साथ आ रहे हैं फिल्म द पैराडाइज़ के साथ, जो इस वक्त देश की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जा रही फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। इसी बीच मेकर्स ने एक नया कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें सम्पूर्णेश बाबू 'बिरयानी के रोल में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में उनका लुक इतना डरावना और प्रभावशाली है कि यह साफ संकेत देता है कि यह किरदार फिल्म में सबसे खतरनाक और यादगार भूमिकाओं में से एक होने वाला है। सोशल मीडिया पर द पैराडाइज़ के मेकर्स ने सम्पूर्णेश बाबू के किरदार 'बिरयानी का कैरेक्टर पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में उनका लुक वाकई डराने वाला है और नाम भी उतना ही चौंकाने वाला। आमतौर पर कॉमेडी रोल्स के लिए पहचाने जाने वाले सम्पूर्णेश बाबू का यह बिल्कुल नया और गंभीर अवतार देखकर सभी हैरान रह गए हैं। फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, अंग्रेज़ी और स्पेनिश में रिलीज़ होगी। दिलचस्प बात यह है कि जब कॉमेडी करने वाले कलाकार गंभीर रोल निभाते हैं, तो कई बार वे कमाल कर दिखाते हैं। पुष्पा में सुनील का खतरनाक मंगालम सीनू हो या धुरंधर में राकेश बेदी का दमदार किरदार, ऐसे कई उदाहरण हैं। अब द पैराडाइस से साम्पूर्णेश बाबू का 'बिरयानी वाला यह जबरदस्त पोस्टर देखकर लगता है कि एक और यादगार और दमदार किरदार दर्शकों के सामने आने वाला है। इसके साथ ही द पैराडाइस को श्रीकांत ओडेला की एक और दमदार और बड़े पैमाने की फिल्म माना जा रहा है, जिसमें उनकी अलग पहचान वाली सोच साफ नजर आती है। उनकी फिल्मों में छोटी-छोटी बातों पर दिया गया ध्यान ही उन्हें खास बनाता है और हर प्रोजेक्ट को सुर्खियों में ले आता है। दसरा से निर्देशन की शुरुआत करने वाले ओडेला ने अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों और आलोचकों का दिल जीत लिया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ?100 करोड़ का आंकड़ा पार किया और नानी के करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। कम समय में ही श्रीकांत ओडेला इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बना चुके हैं, और द पैराडाइस के साथ उनसे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। उत्साह को और बढ़ाते हुए, फिल्म का ओरिजिनल म्यूज़िक अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जिसमें अनिरुद्ध और अर्जुन चांडी की आवाज़ें शामिल हैं। यह साउंडट्रैक शुरू से ही दर्शकों को कहानी की दुनिया में ले जाता है और हर पल के असर को और बढ़ा देता है। म्यूज़िक फिल्म के माहौल को मजबूती देता है और पूरे सिनेमाई अनुभव को और खास बना देता है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बन रही द पैराडाइस 26 मार्च 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेज़ी, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में दर्शकों तक पहुंचेगी।

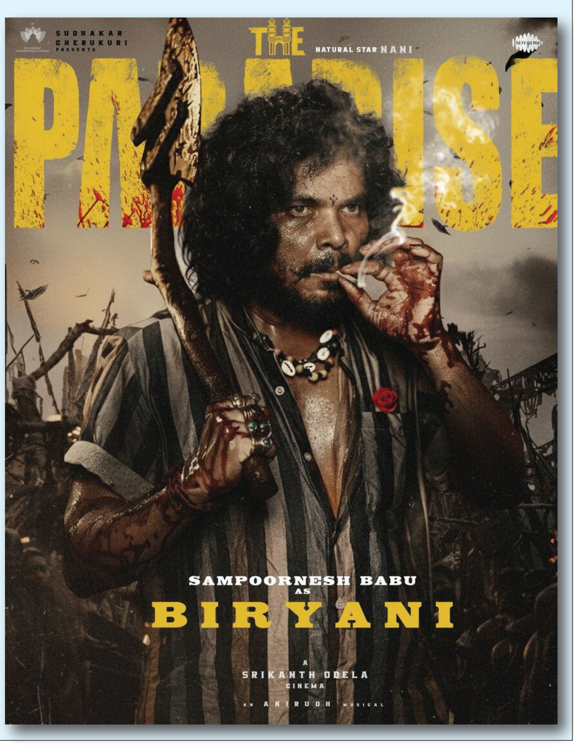

दो जी सिने अवॉर्ड मिलने पर बोलीं अनीत पड्डा, मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है। अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है। जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं। स्पीच में अनीत पड्डा ने आगे कहा, मैं अपनी जिंदगी में कभी इतनी खुश नहीं हुई हूं। पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और आपकी वजह से ही आज इस मुकाम पर हूं। उन्होंने आगे फिल्मों को लेकर कहा, जब लोग फिल्मों और शोज में किसी कलाकार के अभिनय पर तालियां बजाते हैं, तो वह तालियां सिर्फ उस अभिनेता के लिए नहीं होतीं। असल

में यह तालियां उस कहानी के लिए होती हैं जो स्क्रीन पर दिखाई जा रही होती है, और वह कहानी लोगों की जिंदगी और उनके अनुभवों से जुड़ी होती है। मुझे गर्व है कि मैं इन कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनकर दर्शकों तक भावनाएं पहुंचा पा रही हूं।

सनी देओल की फिल्म 'गबरू की नई रिलीज डेट आई सामने, अब 8 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म 'बॉर्डर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं जो 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के बाद सनी देओल के खाते में कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें शशांक उदापुरकर की फिल्म 'गबरू भी शामिल है. सनी देओल ने इस फिल्म का ऐलान पिछले साल किया था और साथ ही इसका मोशन पोस्टर भी शेयर किया था जिसने लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी थी. पहले 'गबरू को 13 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है. वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सनी देओल की अगली थिएटर रिलीज 'गबरू अब 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस फिल्म का निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है जबकि इसे विशाल राणा और ओम छंगानी ने प्रोड्यूस किया है. 'गबरू में सनी देओल एक मिडिल एज फैमिली मैन के किरदार में नजर आएंगे. कहानी एक ऐसे शख्स की है जिसकी जिंदगी

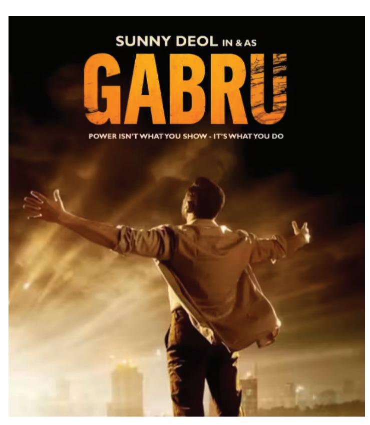

अचानक आए कुछ हालात के बाद बदल जाती है. इन घटनाओं के जरिए वो खुद को दोबारा पहचानता है और जिंदगी को नए नजरिए से जीना सीखता है. ये रोल सनी देओल के अब तक के एक्शन इमेज से काफी अलग बताया जा रहा है. नई रिलीज डेट के साथ 'गबरू का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर अनन्या पांडे और लक्ष्य स्टारर फिल्म 'चांद मेरा दिल से होगा जिसकी उसी दिन यानी 8 मई को रिलीज होने की उम्मीद है. वैरायटी इंडिया ने बताया की एक सूत्र की माने तो 'गबरू सनी देओल के लिए सिर्फ एक और फिल्म नहीं बल्कि दिल से जूड़ी कहानी है जिसमें हिम्मत, पहचान और जज्बे जैसे मुद्दे दिखाए गए हैं. हाल ही में सनी देओल ने भी कहा था कि 'गबरू उनके दिल के बेहद करीब है. इस फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कमानी भी अहम रोल में नजर आएंगे. फिल्म का म्यूजिक मिथुन ने दिया है जिसके बोल सईद कादरी, सतिंदर सरताज और अनुराग सैकिया ने लिखे हैं. 'गबरू के बाद सनी देओल 'लाहौर 1947 में नजर आएंगे जो इस साल स्वतंत्रता दिवस वीकेंड पर रिलीज होगी. इसके अलावा वो नितेश तिवारी की मेगा फिल्म 'रामायण और नेटफ्लिक्स की एक्शन थ्रिलर 'इक्का में भी दिखाई देंगे .

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय में बनाई पहचान, साउथ ही नहीं बॉलीवुड में भी श्रद्धा दास ने छोड़ी छाप

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से आकर अभिनय की दुनिया में नाम कमाया है। ऐसी ही एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं श्रद्धा दास, जिन्होंने पत्रकारिता की डिग्री हासिल की, लेकिन किस्मत उन्हें एक्टिंग की ओर ले आई।आज वह साउथ सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं और बॉलीवुड में भी अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। 1987 को मुंबई के एक बंगाली परिवार में जन्मीं श्रद्धा ने मुंबई विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मास मीडिया (जर्नलिज्म) की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें अभिनय का शौक हो गया। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकारों जैसे पीयूष मिश्रा और चितरंजन गिरी जैसे एक्टर्स के साथ थिएटर वर्कशॉप की, थिएटर में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। श्रद्धा ने साल 2008 में तेलुगू फिल्म सिद्धु फ्रॉम सिकाकुलम से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें वह अभिनेता नरेश के साथ नजर आईं। यह उनका साउथ डेब्यू था। तेलुगू के बाद उन्होंने तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। साउथ में वह आर्या 2, डार्लिंग, नागावल्ली, और गुंटूर टॉकीज जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वहीं, कई फिल्मों में उन्हें सीक्वल क्वीन का टैग भी मिला, क्योंकि वह कई सीक्वल में नजर आईं। श्रद्धा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से साउथ और बॉलीवुड दोनों में मजबूत जगह बनाई। मॉडलिंग से शुरुआत करने वाली श्रद्धा ने एक्टिंग ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया। वह चुलबुली, तेज और रोमांटिक रोल्स में बखूबी जंचती हैं। श्रद्धा के बॉलीवुड में काम की बात करें तो उन्होंने डेब्यू साल 2010 में फिल्म लाहौर से किया, जिसमें उन्होंने इदा का किरदार निभाया था। इसके बाद दिल तो बच्चा है जी, लकी कबूतर, सनम तेरी कसम, ग्रेट ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों में काम किया। सनम तेरी कसम में उनका किरदार दर्शकों को खासा पसंद आया। फिल्म में उनके किरदार का नाम रूबी रहता है। बॉलीवुड में वह सपोर्टिंग रोल्स में ज्यादा नजर आईं, लेकिन अपनी खूबसूरती, तेज-तर्रार अंदाज और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के बीच प्रभाव छोड़ा। श्रद्धा दास अब तक 50 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जो अलग-अलग भाषाओं में हैं।बेहतरीन एक्टिंग के साथ ही श्रद्धा एक शानदार डांसर भी हैं, जो उनके परफॉर्मेंस को और आकर्षक बनाता है। फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज और टीवी शोज में भी काम कर चुकी हैं।

विलाया थंडावम से कार्तिक राजू का दमदार फर्स्ट लुक जारी हुआ

सशक्त कथानक और अपरंपरागत विषयों वाली पटकथाओं को चुनकर, युवा नायक कार्तिक राजू धीरे-धीरे फिल्म उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बना रहे हैं। इसी शैली को अपनाते हुए, वे अब आगामी एक्शन से भरपूर फिल्म विलाया थंडावम में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस हाई वोल्टेज थ्रिलर का निर्देशन वी.एस. वासु ने किया है। इस फिल्म में कार्तिक राजू के साथ पार्वती अरुण और पुष्पा फेम जगदीश भी अहम भूमिकाओं में हैं। जीएमआर मूवी मेकर्स की यह पहली फिल्म है, जिसे मंडला धर्म राव और गुम्पु भास्कर राव द्वारा निर्मित किया जा रहा है। गौरतलब है कि दशहरा उत्सव के दौरान जारी किए गए टाइटल पोस्टर ने काफी हलचल मचाई और दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। बढ़ती उत्सुकता को और बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने क्रिसमस के विशेष उपहार के रूप में फिल्म का पहला लुक पोस्टर जारी किया है। यह आकर्षक पोस्टर ऊर्जा से भरपूर है, जो ज़बरदस्त एक्शन और एक दमदार कहानी का संकेत देता है। चारों ओर आग की लपटें फैली हैं, जले हुए अवशेष बिखरे पड़े हैं, पास में एक टूटा हुआ फोटो फ्रेम पड़ा है, और नायक के हाथ पर आग की लपटें उठ रही हैं। सिर पर पट्टी बांधे और दृढ़ निश्चय से भरी निगाहों के साथ, कार्तिक राजू आक्रामक और प्रभावशाली अवतार में नज़र आते हैं, जो साहस और क्रोध से ओतप्रोत एक किरदार का वादा करते हैं। अखिल भारतीय रिलीज के लिए बनाई जा रही फिल्म विलाया थंडावम की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में प्रोडक्शन टीम से और अधिक अपडेट मिलने की उम्मीद है।

दिव्या दत्ता की सीरीज चिरैया का दमदार ट्रेलर जारी, 20 मार्च जियोहॉटस्टार पर देगी दस्तक

दिव्या दत्ता सिनेमा का वो चेहरा हैं, जो अपने अभिनय के दम पर दिल और दिमाग में छाप छोड़ जाती हैं। फिर वह कुछ ऐसा करते दिखाई देंगी, लेकिन इस बार उन्होंने भारतीय समाज के सबसे संवेदनशील मुद्दे को उठाया है। दिव्या एक ऐसी कहानी ला रही हैं जिसके जरिए समाज को यह संदेश दिया जाएगा कि शादी लाइसेंस नहीं देती है। उनकी आगामी वेब सीरीज का नाम चिरैया है जिसका दमदार ट्रेलर और रिलीज तारीख जारी हो गई है। चिरैया का ट्रेलर 1 मिनट 43 सेकंड लंबा है जिसकी शुरुआत एक आदर्श परिवार से होती है। दिव्या मुख्य किरदार में हैं, और संजय मिश्रा उनके पति की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर के जरिए बताने की कोशिश की गई है कि शादी का मतलब यह नहीं होता कि पति को अपनी पत्नी की सहमति के खिलाफ जाकर उसके साथ जबरदस्ती करने का हक मिल जाएगा। सीरीज कई साल से चली आ रही समाज की मानसिकता पर सवाल उठाती है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित चिरैया का निर्माण एसवीएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। दिव्या और संजय के अलावा, सिद्धार्थ शॉ, सरिता जोशी, फैसल राशिद, टीनू आनंद और प्रसन्ना बिष्ट जैसे सितारे सीरीज में अलग-अलग किरदारों के साथ दिखे हैं। सीरीज में कुल 6 एपिसोड हैं जिनका प्रीमियर 20 मार्च, 2026 से जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा।

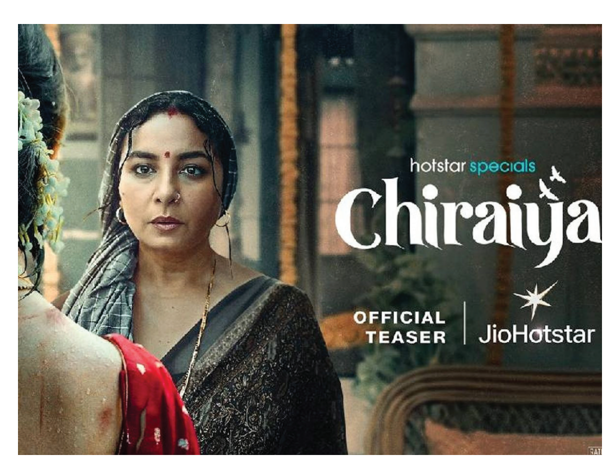

पैन-इंडिया एक्शन थ्रिलर फिल्म द ब्लैक गोल्ड से संयुक्ता का फर्स्ट लुक जारी, दुश्मनों से लड़ते बंदूक चलाती आई नजर

संयुक्ता न सिफ़र् अपने ग्लैमरस लुक्स और ट्रेडिशनल परफ़ॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपने बोल्ड और असरदार रोल्स के लिए भी जानी जाती हैं। संयुक्ता अभी द ब्लैक गोल्ड नाम की फ़िल्म में काम कर रही हैं। इंटरनेशनल विमेंस डे मनाते हुए, मेकर्स ने संयुक्ता का लुक रिलीज़ किया। उन्होंने पोस्ट किया, निडर। मज़बूत। लगातार। इस महिला दिवस पर, टीम द ब्लैक गोल्ड एक ऐसी महिला का जश्न मनाती है जो हथियारों से ज़्यादा न्याय में विश्वास करती है। संयुक्ता एक खतरनाक अवतार में अपने दुश्मनों से लड़ते हुए लगातार

बंदूक चलाती हुई दिख रही हैं। लेकिन पोस्टर के साथ एक हैरान करने वाला कैप्शन है वह कानून में विश्वास करती है, बंदूक में नहीं इससे मूवी लवर्स के बीच उत्सुकता बढ़ गई। फिल्म को योगेश केएमसी ने डायरेक्ट किया है और इसे रज़ेश डांडा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म गर्मियों में रिलीज़ होने वाली है। सैम सीएस म्यूजिक डायरेक्टर हैं और वसंत फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं।

गंभीर नहीं मानते सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम का युग आया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप खिताब जीत के बाद भी ये माना जा रहा है कि इससे सीमित ओवरों प्रारुप में भारतीय टीम का युग शुरु हो गया है हालांकि टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इससे सहमत नहीं है। गंभीर ने कहा कि टीम ने लगातार आईसीसी खिताब जीतककर अपना प्रभाव दिखाया है पर अब भी काफी कुछ किया जाना शेष है। गंभीर के अनुसार इससे सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम इंडिया का युग नहीं माना जा सकता है। उन्होंने इसके कारण भी बताये और कहा कि हमें हाल में एक दिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अगर ये हमारा युग होता तो हम नहीं हारते। लगातार तीन साल में तीन आईसीसी खिताब भारतीय टीम ने जीते हैं जिसमें

साल 2024 टी20 विश्व कप, 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप। ये ऐसा ही जैसे साल 1999 से 2007 के बीच ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार आईसीसी ट्राफी में जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाने में सफल रही थी। गंभीर ने कहा, 'मैं सफेद गेंद के क्रिकेट के बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि सफेद गेंद के क्रिकेट में एकदिवसीय प्रारूप में हम पिछली तीन में से दो सीरीज हारे हैं। अगर यह हमारा युग होता तो हम दो सीरी नहीं हारते।' उन्होंने हालांकि माना है कि आईसीसी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। गंभीर ने कहा, 'मैं युग जैसी बातों पर विश्वास नहीं करता। आपको हर दिन मैदान उतरना होगा, चाहे आप कोई भी मैच खेल रहे हों। जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते हैं तो आप हर मैच जीतना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि यह द्विपक्षीय श्रृंखला है या आईसीसी ट्रॉफी है या विश्व कप है। मैं द्विपक्षीय और आईसीसी टूर्नामेंट में फर्क नहीं कर सकता क्योंकि ये एक ही हैं। सब कुछ बिल्कुल वैसा ही रहता है।' गंभीर ने यह भी कहा कि उनके कोच रहते तक निजी उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाया जाएगा।उन्होंने कहा, 'कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ हमेशा ही मेरी यही बात होती रही है कि कि निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखती केवल ट्रॉफी मायने रखती हैं।'' इसलिए हमारा ध्यान जीत दर्ज करने पर ही रहेगा।

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के क्वालिफायर में भारत सेमीफाइनल की दहलीज पर, वेल्स से होगा मुकाबला

एजेंसी, हैदराबाद

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम अब अपने अंतिम पूल-बी मुकाबले में 11 मार्च को वेल्स से भिड़ेगी। हैदराबाद में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में भारत के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है, क्योंकि जीत या ड्रॉ के साथ टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर सकती है। मौजूदा समय में भारतीय टीम चार अंकों और बेहतर गोल अंतर के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। यदि भारत वेल्स के खिलाफ जीत हासिल करता है या मुकाबला ड्रॉ रहता है, तो टीम सीधे अंतिम चार में पहुंच जाएगी। हालांकि अगर भारत को हार मिलती है तो उसके चार ही अंक रहेंगे और फिर उसका भविष्य स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच के परिणाम

तथा गोल अंतर पर निर्भर करेगा। टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। टीम ने 8 मार्च को खेले गए अपने पहले मुकाबले में उरुग्वे को 4-0 से करारी शिकस्त दी थी। इसके बाद दूसरे मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेलते हुए 2-2 से ड्रॉ हासिल किया। भारतीय टीम की युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। वहीं आक्रमण पंक्ति में लालरेमसियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए कई मौके बनाए और गोल करने में अहम भूमिका निभाई है। रक्षा पंक्ति में भी भारतीय टीम मजबूत नजर आई है। गोलकीपर बिचू देवी ने अब तक कई अहम बचाव करते हुए टीम को मजबूती प्रदान की है। इसके अलावा हैदराबाद में घरेलू दर्शकों के उत्साहवर्धन से भी टीम को अतिरिक्त ऊर्जा मिल रही है। टीम के अब तक के प्रदर्शन पर कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि शुरुआती दो मुकाबलों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने मिले अवसर का अच्छा उपयोग किया है और टीम खुलकर खेल का आनंद ले रही है, जो टीम के लिए काफी अच्छा संकेत है। सलीमा टेटे ने यह भी कहा कि टीम का लक्ष्य विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना और चैंपियन बनना है। उन्होंने कहा कि जब भी टीम एक साथ होती है तो यही लक्ष्य हमारी बातचीत का हिस्सा होता है। भारत और वेल्स के बीच अब तक हुए मुकाबलों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में भारत ने पांच में जीत दर्ज की है, जबकि वेल्स को एक बार सफलता मिली है। हालांकि मौजूदा टूर्नामेंट में वेल्स अपनी पहली जीत की तलाश में होगा, ऐसे में भारत को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए पूरी एकाग्रता के साथ मैदान में उतरना होगा।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी

कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा। सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है। इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

एजेंसी, अहमदाबाद

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है। पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है। पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है। वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है। पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है। वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं। पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच

और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं। टीम कठिन फैसले भी लेती है। खिलाड़ियों को आक्रामक अंदाज में खेलने को कहा गया है जिससे भी टीम को लाभ हुआ है। इस दौरान एक खिलाड़ी असफल भी होता है तो दूसरा बेहतर बल्लेबाजी कर कमी पूरी कर देता है। टीम के सभी खिलाड़ियों ने एक जुट होकर एक इकाई के तौर पर खेला है। इस जीत के साथ भारत ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। टीम अपनी धरती पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी है। वह लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम भी बनी है। इसके अलावा भारत ने तीसरी बार आईसीसी टी20 खिताब अपने नाम किया है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्ललंधन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज

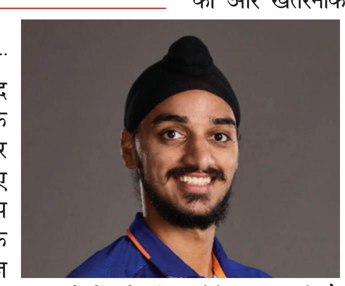

डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं। आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

व्यापार

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत के बाद ऊपरी स्तर से लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ऊपरी स्तर से बिकवाली होती हुई नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। इस बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट जरूर आई, लेकिन ये दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। सुबह 10 तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3.11 प्रतिशत से लेकर 1.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ओएनजीसी, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 1.74 प्रतिशत से लेकर 0.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,696 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,185 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 511 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली

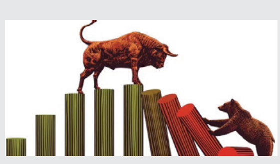

के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 809.57 अंक की मजबूती के साथ 78,375.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 78,526.25 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में कमजोरी आने लगी। बिकवाली के दबाव की वजह से पहले आधे घंटे में ही यह सूचकांक गिर कर 77,745.47 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 225.01 अंक की बढ़त के साथ 77,791.17 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 252.75 अंक उछल कर 24,280.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से यह सूचकांक उछल कर 24,303.80 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण निफ्टी की चाल में कमजोरी आने लगी।

कच्चे तेल की कीमत में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट, भारत जैसे तेल आयातकों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होने की बात कहे जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में भी जोरदार गिरावट दर्ज की गई। आज क्रूड ऑयल की कीमत में लगभग छह प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड 93 डॉलर प्रति बैरल और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 88 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इसके पहले सोमवार को कच्चे तेल की कीमत 119 डॉलर के स्तर को भी पार कर गई थी। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध खत्म होने की बात कहे जाने के बाद कल ही ब्रेंट क्रूड गिरकर 98.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बंद हुआ था। इसके बाद आज ब्रेंट क्रूड ने 91.49 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार की शुरुआत की। कारोबार शुरू होते ही ब्रेंट क्रूड टूट कर 88.22 प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर

इसकी कीमत में तेजी का रुख बना। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेड क्रूड 6.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92.91 प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी सोमवार को 119 डॉलर प्रति बैरल का स्तर पार करने के बाद 94.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। आज इसने भी 87.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार शुरू होने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड लुढ़क कर 84.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। इसके बाद इसकी चाल में सुधार हुआ। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड 6.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 88.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स आज 6.51 डॉलर प्रति बैरल यानी 6.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ फिलहाल 92.45 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स आज 6.12 डॉलर प्रति बैरल यानी 6.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 88.65 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ है। आपको बता दे की पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव की वजह से सोमवार को कच्चे तेल की कीमत जबरदस्त उछाल के साथ 119 डॉलर का स्तर पार कर 120 डॉलर प्रति बैरल के काफी करीब पहुंच गई थी। हालांकि बाद में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध के जल्द खत्म होने की बात कह कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर बनी चिंता को काफी हद तक काम कर दिया।

रुपया सात पैसे मजबूत होकर 92.14 प्रति डॉलर पर

मुंबई। वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे मजबूत होकर 92.14 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.92 पर खुला और कुछ ही देर में यह 92.14 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की मजबूती दर्शाता है। सोमवार को रुपया 39 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 92.21 पर बंद हुआ था, जो इसका अब तक का सबसे निचला बंद स्तर है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर की मजबूती से रुपये में बड़ी कमजोरी आई थी। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मंगलवार को कमजोर डॉलर और घरेलू शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत से रुपये को समर्थन मिला।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,670 रुपये से लेकर 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,190 रुपये से लेकर 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये

प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,61,820 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुकिंग नियम बदले, अब 25 दिन बाद ही होगा रीफिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की री-फिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर की डिलीवरी के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन की बजाय कम से कम 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सिलेंडरों की जमाखोरी और अनावश्यक बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार पहले अधिकांश उपभोक्ता लगभग 50 से 55 दिनों में एक सिलेंडर बुक करते थे, लेकिन हाल के दिनों में कुछ लोग 15 से 20 दिन के भीतर ही दोबारा बुकिंग करने लगे थे। इससे अचानक मांग बढ़ने लगी थी और सप्लाई व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा था। इधर मध्य पूर्व

में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसी बीच देश की प्रमुख गैस कंपनियों ने कई जगहों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित या अस्थायी रूप से रोक दी है। 5, 19 और 425 किलोग्राम के जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट और कई औद्योगिक इकाइयों में भी संकट की आशंका जताई जा रही है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इनोविजन का आईपीओ, 12 मार्च तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली। टोल मैनेजमेंट और मैनपावर सर्विस देने वाली कंपनी इनोविजन का 322.84 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 521 रुपये से लेकर 548 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 27 शेयर का है। इनोविजन के

INNOVISION

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 27 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,796 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,348 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट यानी 351 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 58,91,284 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 255 करोड़ रुपये के 46,53,284 नए शेयर और 68 करोड़ रुपये के 12,38,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ एक प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 65 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 34 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।